मास्क भी वैक्सीन-मेरा मास्क मेरे साथ

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

विश्वसनीय साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएँ

ज्येष्ठ, पक्ष - शुक्ल, तिथि - नवमी , संवत 2078 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-7, अंक-46, 12 जनवरी - 18 जनवरी, 2022 मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

चुनाव लड़ने के बजाए अगर खेला जाए तो!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

पांच राज्यों के चुनावों की तारीखों की घोषणा हो चुकी है। पांच राज्यों में दो महीनों तक सियासी घमासान चलने वाला है। घमासान से तात्पर्य है धुंआधार चुनावी प्रचार, जोड़-तोड़, दल-बदल, सेंधमारी आदि। इस चुनावी तौर-तरीकों को चुनाव लड़ना कहा जाता है। और आम जनता के बीच में जाकर अपनी-अपनी बातों को रखने के लिए जाना जैसे कोई युद्ध भूमि में जाने के समान है। और हो भी क्यों न। आखिर जीत जाने के बाद सत्ता सुख प्राप्त होता है। सत्ता सुख प्राप्त करने के लिए क्या-क्या पापड़ नहीं बेलने पड़ते हैं। चुनाव स्कूल, विद्यालय और कॉलेजों से होता हुआ विधानसभा और लोकसभा तक पहुंचता है। जिसमें उठक-बैठक से लेकर चाय-नाश्ता, नाचना-गाना, गिफ्ट देना, नगद नारायण का प्रयोग आदि शामिल है। चुनावों के बारे में सिर्फ एक ही शब्द का प्रयोग होता है और वह शब्द है 'चुनाव लड़ना'। अगर इसी शब्द को चुनाव लड़ने के बजाए 'चुनाव खेलना' कह दिया जाए तो सारी लड़ाई ही खत्म हो जाए और खेल-खेल में ही सत्ता प्राप्त हो जाए। एक-दूसरे से वैमनस्य भी नहीं हो। 'अब की बार हमारी, अगली कोशिश तुम्हारी' के वातावरण में अगर चुनाव होने लगे तो कहना ही क्या है। ये वोटों की लूटपाट, रिश्वत, प्रलोभन आदि से दूर स्वच्छ तरीके से चुनाव सम्पन्न हो जाए। पूर्व में राजा-महाराजा राज्य प्राप्त करने के लिए युद्ध और षड्यंत्रों का सहारा लेते थे। खूनखराबा होता था। बच्चों और महिलाओं के रुदन और चीत्कार कलेजों को चीर दिया करते थे। अब वैसा प्रजातंत्र में नहीं होना चाहिए। मगर अब भी परोक्ष रूप से ये सब होता है। काश! ये चुनाव लड़ने के बजाए खेलने के हिसाब से होने लगें तो निश्चित रूप से वैमनस्यता बिल्कुल भी नहीं रहेगी। मगर इसकी पहल करे कौन? सत्ता सुख के लिए क्या ये संभव है?

shivdayalmishra@gmail.com

गांवों में स्कूल बंद का कलेक्टर ले सकते हैं फैसला

शिक्षा मंत्री बोले- संक्रमण की रफ्तार कम नहीं हुई तो टाली जा सकती हैं बोर्ड परीक्षाएं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कोरोना की नई गाइडलाइन में सरकार ने शहरों के स्कूल बंद किए हैं, वहीं गांवों में स्कूल खुले रखे गए हैं। इस पर शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने कहा है कि गांवों में कोरोना संक्रमण का खतरा कम है, इसलिए वहां स्कूल बंद नहीं किए हैं। शहरों में भीड़भाड़ से संक्रमण का खतरा ज्यादा है। यदि गांवों में जहां संक्रमण फैलता है तो वहां स्कूल बंद किए जा सकते हैं। वहीं मार्च में बोर्ड परीक्षाएं कराने के फैसले पर सफाई देते हुए उन्होंने कहा कि तैयारी रखना जरूरी है, यदि संक्रमण की रफ्तार कम नहीं हुई तो परीक्षाएं टाली जा सकती हैं। डॉ. कल्ला ने कहा- गांवों में अभिभावक चाहें तो बच्चों को स्कूल न भेजें। उन्हें ऑनलाइन क्लास का भी विकल्प दिया है। शहरों में जितनी भीड़ है, उतनी गांवों में नहीं है। कोविड गांवों में नहीं फैला है। फिर भी हमारे निर्देश हैं कि कलेक्टर स्थानीय स्तर पर जरूरत के अनुसार गांवों के स्कूल भी बंद कर सकते हैं।

बोर्ड परीक्षाओं पर हालात देखकर फैसला

शिक्षा मंत्री बी.डी. कल्ला ने कहा कि बोर्ड परीक्षाएं 3 मार्च से करवाने का फैसला लिया है, लेकिन यह सब कोरोना संक्रमण के हालात पर निर्भर करेगा। संक्रमण ज्यादा फैला तो परीक्षाएं टल भी सकती हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा- हमने 3 मार्च से लेकर 26 मार्च तक बोर्ड परीक्षाओं का टाइम टेबल बनाया है। बोर्ड परीक्षाओं में मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग से लेकर पूरे कोविड प्रोटोकॉल का ध्यान रखा जाएगा। फिर भी बहुत ज्यादा संक्रमण हुआ तो परिस्थिति के हिसाब से विचार कर लिया जाएगा, लेकिन एक बार तैयारी रखना जरूरी है। गौरतलब है कि विशेषज्ञ दावा कर रहे हैं कि अभी तीसरी लहर का पीक आना बाकी है।

बोर्ड परीक्षा नहीं कराई तो स्टूडेंट्स पीछे रह जाएंगे

कल्ला ने कहा- हमने स्थानीय अध्यापकों से 17 जनवरी से बोर्ड क्लास के प्रैक्टिकल एग्जाम करवाने का फैसला किया है। 15 से 20 के बैच में प्रैक्टिकल एग्जाम लेंगे इसलिए खतरा भी नहीं है। कोरोना पीक पर था तब भी उसी हिसाब से ही एग्जाम करवाए थे। बोर्ड परीक्षाएं नहीं करवाएंगे तो हमारे स्टूडेंट्स पीछे रह जाएंगें।

सिलेबस कम नहीं होगा

कोरोना को देखते हुए 10वीं और 12 वीं का सिलेबस कम नहीं होगा। कल्ला ने कहा कि इस बार स्कूलों में ऑनलाइन व ऑफलाइन पढ़ाई लगभग पूरे समय हुई है इसलिए अभी सिलेबस कम करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

24 घंटे में 1.68 लाख नए मरीज

दिल्ली में तीसरी लहर की एक दिन में सबसे ज्यादा 23 मौत, 3 दिन में 57 मौत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। देश में 24 घंटे में 1.67 लाख नए कोरोना संक्रमित पाए गए। 69,798 लोग ठीक हुए, जबकि 277 लोगों की मौत हुई है। इस तरह एक्टिव केस यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या में 97,475 की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस वक्त 8 लाख कोरोना संक्रमितों का इलाज चल रहा है। सिर्फ 11 दिन पहले यह आंकड़ा एक लाख था। हालांकि दिल्ली में मंगलवार को 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस के कारण 23 लोगों की मौत हो गई है, जो तीसरी लहर के दौरान किसी एक राज्य में एक दिन में सबसे ज्यादा मौत हैं। दिल्ली में सोमवार को भी 17 लोगों की मौत हुई थी। राजधानी में अब पिछले 7 दिन के दौरान 87 लोगों की मौत हो गई है,

जिनमें 57 की मौत पिछले 3 दिन में ही हुई है। दिल्ली से पहले महाराष्ट्र में 4 जनवरी को तीसरी लहर में एक दिन की सबसे ज्यादा 20 मौत सामने आई थीं। पिछले 24 घंटे के दौरान नेशनल कैपिटल में 21,259 नए कोरोना मामले सामने आए हैं। सोमवार को यहां 19,166 नए केस मिले थे। अब राजधानी में सक्रिय मामलों की संख्या 74,881 है। पॉजिटिविटी रेट भी 25त्न से बढ़कर 25.65 प्रतिशत हो गया है।

अब टाटा IPL स्पॉन्सर

VIVO ने 2200 करोड़ में की थी स्पॉन्सरशिप डील

नई दिल्ली। चीन की मोबाइल फोन निर्माता कंपनी वीवो अब आईपीएल की टाइटल स्पॉन्सर नहीं रहेगी। उसकी जगह टाटा ग्रुप को आईपीएल का नया टाइटल स्पॉन्सर बनाया गया है। इस साल यानी 2022 से टूर्नामेंट अब TATA IPL के नाम से जाना जाएगा। पिछले साल चीन और भारत में तनाव के बीच वीवो से टाइटल राइट्स ट्रांसफर नहीं हो पाया था। आईपीएल चेयरमैन बृजेश पटेल ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को इसकी जानकारी दी है। मंगलवार को आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की मीटिंग में ये फैसला लिया गया।

आईपीएल को हर साल 440 करोड़ देती है वीवो

चीनी कंपनी वीवो आईपीएल की टाइटल स्पॉन्सरशिप के लिए BCCI को हर साल 440 करोड़ रुपए देती है। पिछले साल भारत-चीन के बीच हुए विवाद के कारण जब देश में विरोध हुआ, तब एक साल के लिए वीवो को ब्रेक लेना पड़ा था। इससे पहले आईपीएल 2020 के सीजन में फैंटेसी गेमिंग फर्म ड्रीम-11 टाइटल स्पॉन्सर रही थी। इसके लिए ड्रीम-11 ने BCCI को 222 करोड़ रुपए दिए थे। यह कॉन्ट्रैक्ट 18 अगस्त से 31 दिसंबर 2020 तक के लिए था। यह राशि वीवो के सालाना भुगतान की करीब आधी थी।

2022 तक था वीवो का कॉन्ट्रैक्ट

वीवो का आईपीएल टाइटल स्पॉन्सरशिप के लिए 2190 करोड़ रुपए के साथ 5 साल के लिए कॉन्ट्रैक्ट हुआ था। कंपनी सालाना 440 करोड़ रुपए देती थी। यह कॉन्ट्रैक्ट 2018 से 2022 तक का था। पहले खबर थी कि वीवो का कॉन्ट्रैक्ट 2023 तक के लिए बढ़ाया जा सकता है, लेकिन अब टाटा ने उसकी जगह ले ली है।

सेंट्रल और टाइटल स्पॉन्सरशिप में अंतर

आईपीएल के सेंट्रल स्पॉन्सरशिप में देसी कंपनियों का ही बोलबाला है। सेंट्रल और टाइटल स्पॉन्सरशिप दोनों के अधिकार अलग-अलग हैं। आईपीएल में सेंट्रल स्पॉन्सरशिप के तहत जर्सी के अधिकार नहीं आते हैं।

जागरूक खबरें

■ लता मंगेशकर (92) कोविड पॉजिटिव

मुम्बई। मुंबई में कोरोना से हालात भयावह हो रहे हैं। स्वर कोकिला लता मंगेशकर भी इसकी चपेट में आ गई हैं। बताया जा रहा है कि उन्हें संक्रमण के हल्के लक्षण हैं, लेकिन उन्हें एहतियात के तौर पर ब्रीच कैंडी अस्पताल के ICU में भर्ती किया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, लता मंगेशकर को कोरोना और निमोनिया दोनों हुआ है। 92 साल की लता दीदी को नवंबर 2019 में भी निमोनिया हो गया था। उस समय उन्हें सांस लेने में भी तकलीफ हुई थी और वे 28 दिन तक अस्पताल भर्ती रही थीं।

■ मेहंदीपुर बालाजी मंदिर श्रद्धालुओं के लिए बंद

दौसा @ जागरू जनता। कोरोना के बढ़ते केस के मद्देनजर दौसा जिले में स्थित सिद्धपीठ मेहंदीपुर बालाजी मंदिर बंद कर दिया गया है। यहां श्रद्धालुओं की बड़ी तादाद में भीड़ पहुंचने पर जिला प्रशासन की तरफ से एतराज दर्ज कराया गया था। इसके बाद मंदिर ट्रस्ट ने अग्रिम आदेश तक मंदिर बंद करने का निर्णय लिया है। इधर गहलोत कैबिनेट में राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग की पत्नी भी कोरोना पॉजिटिव हो गई, जिसके बाद मंत्री ने खुद को आइसोलेट कर लिया है।

■ योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य का इस्तीफा

लखनऊ @ जागरूक जनता। उत्तर प्रदेश की सियासत में बड़े उलटफेर की खबर आ रही है। यहां योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने पद से इस्तीफा दे दिया है। मौर्य के इस्तीफे के बाद अखिलेश यादव ने उनके साथ एक तस्वीर भी शेयर की है। मौर्य पर चार महकमों की जिम्मेदारी थी। वो कैबिनेट में श्रम एवं सेवायोजन व समन्वय मंत्री थे।

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

तापमान	अधि.	न्यू.
जयपुर	17°C	07°C
जोधपुर	19°C	06°C
अजमेर	18°C	07°C
उदयपुर	17°C	06°C

सूर्योदय › प्रात: 07:25 बजे सूर्यास्त › सांय : 05:37 बजे चन्द्रोदय › 01:27 बजे चन्द्रास्त › 02:26 बजे

जागरूक खबरें

ठंड से बचाव के लिए वितरित किए स्वेटर

जयपुर @ जागरूक जनता। श्री ओम जय सनातन धर्म ट्रस्ट अमरनाथ के संयुक्त तत्वाधान में सवाई नाथ जी की बगीची शिव मंदिर नया बागराना आगरा रोड में कड़ाके की सर्दी को देखते हुए कच्ची बस्ती पर निवास कर रहे गरीब बच्चों पुरुषों महिलाओं को ट्रस्ट की ओर से स्वेटर वितरित किए। मीडिया प्रभारी सुनील जैन ने बताया कि कई गरीब परिवार ऐसी सर्दी मैं ठंड से अपना बचाव नहीं कर सकते इसी के चलते ट्रस्ट ने जरूरतमंदों को स्वेटर वितरित किए इस मौके पर बद्री प्रसाद कुमावत ने चंद्रप्रकाश भाड़े वाले, अध्यक्ष अग्रवाल समाज सेवा समिति, जयपुर, सुनील मित्तल, कार्यकारिणी सदस्य श्री ओम जय सनातन धर्म ट्रस्ट, डॉक्टर अजय सिंह तवर, तिलक हॉस्पिटल, सुरेश पोद्दार, कालूराम गिल, जगदीश वर्मा, को माला पहनाकर स्वागत किया। अंत में जय भोलेनाथ जय गुरु नाथ मंदिर महंत सवाई नाथ ने सभी ओम श्री जय सनातन धर्म ट्रस्ट के सभी आए हुए सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

जयपुर पुलिस निर्भया स्कॉव्यड की ओर से बियानी गर्ल्स कॉलेज में आयोजित सेल्फ डिफेंस वर्कशॉप का समापन

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर स्थित बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज में जयपुर पुलिस निर्भया स्कॉव्यड की ओर से आयोजित 5 दिवसीय सेल्फ डिफेंस वर्कशॉप का बीते दिनों समापन हुआ। वर्कशाप की शुरूआत बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेज के एकेडमिक डायरेक्टर डॉ संजय बियानी, डीसीपी हैड क्वार्टर अरशद अली, डीसीपी इन्चार्ज और निर्भया स्कॉव्यड इंचार्ज सुनीता मीणा और कॉलेज के डीन डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल ने दीप प्रज्जवलन कर की। इस अवसर पर डॉ. संजय बियानी ने कहा कि महिलाएं ही समाज को आगे लेकर जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। दया और करूणा में यह अंतर है कि दया बाहर की परिस्थितियों से आती है और करूणा अंदर से आती है। महिलओं में करूणा का अद्वितीय गुण होता है। कॉलेज में आयोजित यह 5 दिवसीय वर्कशॉप निश्चय ही छात्राओं के लिए प्रेरणा और आत्मविश्वास जगाने का काम करेगी। इस अवसर पर डीसीपी हैड क्वार्टर अरशद अली ने अपने जीवन के अनुभवों के बारे में बताते हुए कहा कि कभी भी किसी विपरीत परिस्थितियों से हमें घबराना नहीं चाहिए। यह परिस्थितियां हमें मजबूत बनाने और हमारे आस-पास के लोगों का हमारे प्रति प्रेम और विश्वास की परीक्षा लेने के लिए आती है। कार्यक्रम में छात्राओं ने सेल्फ डिफेंस पर अनोखा और आकर्षक फैशन शो आयोजित किया। साथ ही स्किट के माध्यम से महिलाओं की समाज में स्थिति और आधुनिक महिलाओं की निर्भयता को दर्शाया गया। इसी के साथ डीसीपी वेस्ट निशा तोमर ने लडकियों को अच्छे संस्कार और तरबीयत देने के साथ-साथ लडकों को तरबीयत पर भी ध्यान देने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में डीसीपी इन्चार्ज और निर्भया स्कॉव्यड इंचार्ज सुनीता मीणा ने कहा कि ना नारी कभी कमजोर थी, ना है और ना ही होगी। महिलाओं को कभी से डरना नहीं है, ना ही अत्याचार सहना है। कार्यक्रम के अंत में गुब्बारे उडाकर वर्कशॉप का औपचारिक समापन किया गया।

जिला कलक्टर नेहरा ने बूस्टर डोज लगवाई

जयपुर @ जागरूक जनता। जिला कलक्टर अन्तर सिंह नेहरा ने मंगलवार को कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज लगवाई। नेहरा ने कहा कि वे लोगों से कोरोना वैक्सीन लगवाने की अपील करते है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के कोविड-19 की वैक्सीन की दोनों डोज लग गई है, वे वैक्सीन की बूस्टर डोज अवश्य लगावाये।

'सामाजिक चेतना एक विषय' पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ

जयपुर @ जागरूक जनता। पूज्य सिंधी पंचायत मंदिर मुरलीपुरा स्कीम में धर्म जागृति के अंतर्गत 'समाज चेतना एक विषय' पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के तत्वावधान में संगोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें मुख्य वक्ता धर्म जागरण के प्रमुख अमरसिंह, धर्म जागरण महानगर संयोजक विमल बागड़ा, महानगर प्रमुख संजय माचेड़ी रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने हमारी संस्कृति और धर्म को बचाए रखने के बारे में जानकारी दी। संगोष्ठी में पूज्य सिंधी पंचायत मुरलीपुरा के अध्यक्ष लोकचंद हरिरामानी, बाबूलाल राम चंदानी, नारायणदास पारवाणी, छबलदास नवलानी, डॉ. कैलाश, भूमिका कृपलानी, बजरंगलाल शर्मा, बैनाड़ सिंधी पंचायत के अनेक सदस्य शामिल हुए।

बीआरटीएस कॉरीडोर हुआ अनपयोगी

गलफांस बने कॉरिडोर को केंद्र ने हटाने की नहीं दी अनुमति

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को दु्रत गति देने के मकसद से जयपुर में बनाया गया बीआरटीएस (बस रेपिड ट्रांजिट सिस्टम) कॉरिडोर सरकार के लिए गलफांस बन गया है। रोड सेफ्टी कौंसिल ने बीआरटीएस कॉरिडोर को हटाने का फैसला किया था, लेकिन केंद्र सरकार से अनुमति नही मिलने की वजह से आज तक यह कॉरीडोर सड़क घेरकर सरकार को मुंह चिढ़ा रहा है। शहर में बीआरटीएस कॉरिडोर की शुरुआत कांग्रेस सरकार में वर्ष 2010 में की गई थी। उस समय केन्द्रीय मंत्री जयपाल रेड्डी सीकर रोड पर बने करीब 7.1 किमी लंबे कॉरिडोर का उद्घाटन किया था। अभी सीकर रोड और अजमेर रोड से न्यू सांगानेर रोड तक करीब 16.1 किलोमीटर लम्बाई में कॉरिडोर का निर्माण किया गया है। इस पर करीब 170 करोड़ रुपए लागत आई थी। इसके अलावा यूटिलिटी सेवाओं को हटाने व अन्य खर्चे अलग हैं।

पूरा बनता तो शायद रहता कामयाब

बीआरटीएस कॉरिडोर पूरा नहीं बन पाया। इसके फेल होने की एक वजह यह भी रही। 13 किलोमीटर का बीच का हिस्सा (अम्बाबाडी से गवर्नमेंट हॉस्टल, अजमेर पुलिया, सोढाला होते हुए पुरानी चूंगी तक) जुड़े तो लोगों को ट्रेफिक में राहत मिल सकती थी। 29 किलोमीटर लम्बाई में एक साथ कॉरिडोर में बसें चलने से लोगों को लंबी दूरी की बसें मिल पाती।

कॉरीडोर बना दुर्घटनाओं की वजह

इस कॉरीडोर की वजह से दुर्घटनाएं भी बहुत हुई। खुद प्रताप सिंह खाचरियावास ने परिवहन मंत्री रहते हुए इस कॉरीडोर को हटाने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि कॉरिडोर के कारण सड़क हादसे बढ़ते जा रहे हैं, इसलिए इसे हटाना जरूरी है।

जनता के लिए राहत नहीं आफत..

यह कॉरीडोर जनता के लिए आफत बन चुका है। सीकर रोड पर बीआरटीएस कॉरिडोर बनने से अन्य वाहनों के आवागमन के लिए जगह कम बची है, जिसकी वजह से यहां दिनभर में कई बार जाम लगता है। कॉरिडोर में जेसीटीएसएल की पर्याप्त बसें नहीं चलने से खाली पड़ा है।

अभी यहां है कॉरिडोर

» 7.1 किलोमीटर लम्बाई में सीकर रोड पर एक्सप्रेस-वे से अम्बाबाड़ी तक कॉरिडोर। (निर्माण लागत 75 करोड़ रुपए...संचालन शुरू वर्ष 2010)

» 9 किलोमीटर लम्बाई में अजमेर रोड से किसानधर्म कांटा होते हुए न्यू सांगानेर रोड (बी-2 बायपास तिराहा) तक। (निर्माण लागत 90 करोड़ रुपए...संचालन शुरू वर्ष 2015)

मकर संक्रांति 14 को : फीणी की 'मिठास' फीकी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मकर संक्रांति का त्योहार इस बार 14 जनवरी को मनाया जाएगा। मकर संक्रांति पर्व को लेकर बाजार सजकर तैयार है। बाजार में मकर संक्रांति को लेकर खरीददारी भी शुरू हो चुकी है। दान–पुण्य के लिए तिल के लड्डु, फीणी के अलावा कळपने की वस्तुओं की खरीदारी शुरू हो गई है। हालांकि व्यापारियों की मानें तो फीणी की ग्राहकी अभी रंगत नहीं पकड़ पा रही है। बाजार में अभी गिने–चुने ही ग्राहक आ रहे है। इसके पीछे दुकानदार कोविड को कारण गिना रहे है। ऐसे में बाजार में कोविड का असर भी देखने को मिल रहा है। अन्य सालों की तुलना में बाजार में रौनक फीकी ही नजर आ रही है।

पुरोहितजी के कटले सहित अन्य जगहों पर जहां महिलाएं कळपने के लिए 14–14 वस्तुएं खरीदती नजर आ रही हैं। वहीं शहर में मिठाइयों की दुकानों पर फीणी व तिल के लड्डुओं की बिक्री शुरू हो गई है। फीणी व तिल के लड्डु बेचने वाले सुदामा हलवाई ने बताया कि मकर संक्रांति को लेकर बाजार में फीणी व तिल के लड्डुओं की ग्राहकी शुरू हो गई है। हालांकि कोविड के चलते इस बार ग्राहकी अभी रफ्तार नहीं पकड़ रही है। संक्रांति के एक दिन पहले से ग्राहकी बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि बाजार में फीणी 150 रुपए से लेकर 300 रुपए किलो तक बिक रही है, जबकि देशी घी की फीणी 550 से 900 रुपए किलो तक बिक रही है। मकर संक्रांति से पहले शहर में पतंगबाजी शुरू हो गई है। शहर की छतें आबाद नजर आने लगी है। खासकर परकोटे में पतंगबाजी शुरू हो चुकी है। वहीं बाजार में संक्रांति को लेकर खरीददारी भी शुरू हो गई है। पतंगबाजार में लोगों की भीड़ नजर आने लगी है। हांडीपुरा, किशनपोल बाजार, चांदपोल बाजार, हल्दियों का रास्ता में पतंगों की दुकाने सजी हुई है। पतंग व्यापारी अलताफ कुरेशी ने बताया कि 1 रुपए से लेकर 100 रुपए तक कि एक पतंग बिक रही है, वहीं 20 पतंगों की एक कोड़ी 20 रुपए से लेकर 1800 रुपए तक बिक रही है। वहीं मांझा चरखी 300 रुपए से 2500 रुपए तक में बिक रही है।

पिंकसिटी प्रेस क्लब का इतिहास 'कल और आज' का विमोचन

जयपुर @ जागरूक जनता। पिंकसिटी प्रेस क्लब के बारे में वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार सत्य पारीक द्वारा लिखित पुस्तक 'कल और आज' का विमोचन किया गया। इस अनूठे कार्यक्रम में सिर्फ जाने-माने पत्रकारों को ही बुलाया गया। प्रेस क्लब में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेन्द्र बोड़ा रहे। हंसी ठहाकों के बीच आयोजित कार्यक्रम में पत्रकार गोपाल शर्मा ने पत्रकारों को आपस में प्रेम से रहने संबंधी अपने ओजस्वी उद्बोधन में कई बार तालियां बजवाई। राजेन्द्र बोड़ा ने संजीदगी और गंभीरता से अपनी बात रखी। कार्यक्रम की शुरुआत प्रेस क्लब के पांच बार अध्यक्ष रहे एल.एल. शर्मा ने की। फिर पुस्तक के लेखक सत्य पारीक ने अपने वक्तव्य में प्रेस क्लब के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में वर्तमान अध्यक्ष मुकेश मीणा एवं चार बार अध्यक्ष रहे वीरेन्द्र सिंह राठौड़ (बिल्लू बना) ने भी क्लब की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उल्लेखनीय है कि पुस्तक में क्लब की स्थापना से लेकर अब तक की गाथा को सिलसिलेवार सचित्र प्रकाशित किया गया है। वक्ताओं के अनुसार पूरे देश में यह पहला प्रयास है। ठंड और बरसात के बीच कार्यक्रम के पश्चात सभी ने चाय, कॉफी और पकोड़ों का आनन्द लिया।

विजन 2023: कर्मचारियों-किसानों को साधने का रहेगा प्रयास

बजट में गहलोत सरकार खोलेगी वादों का पिटारा

जून-जुलाई के बीच हो सकता है फिर से मंत्रिमंडल फेरबदल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। 17 दिसंबर को अपने 3 साल का कार्यकाल पूरा करके चौथे साल में प्रवेश कर गई राज्य की गहलोत सरकार आने वाले नए साल में अपनी पूरी ताकत झोंकना चाहती है। इसके लिए सरकार मार्च माह में पेश होने वाले बजट सत्र का इंतजार कर रही है।

बजट सत्र में सरकार कर्मचारियों, किसानों और आमजन को साधने के लिए लोकलुभावन घोषणाएं करने की तैयारी में हैं, जिसके लिए गहलोत सरकार ने अभी से ही विशेषज्ञों, एक्सपर्ट सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से प्री बजट सुझाव भी लेने शुरू कर दिए हैं। अपने तीन साल के कार्यकाल के दौरान गहलोत सरकार ने जनघोषणा पत्र के 70 फीसदी वादों को पूरा करने का दावा किया था। अब शेष 30 फीसदी घोषणाओं को भी नए साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

संविदा कर्मियों को नियमित करने की हो सकती है घोषणा

सूत्रों की माने तो सरकार बजट में संविदा कर्मी कर्मचारियों, शिक्षा सहायकों, मदरसा पैराटीचरों को नियमित की घोषणा कर सकती है। संविदा कर्मियों को नियमित करने मामला कैबिनेट सब कमेटी के पास है और पूर्व में कैबिनेट सब कमेटी कई बार बैठकें करके नतीजे पर पहुंच चुकी हैं। वहीं मदरसा पैराटीचरों को नियमित करना का वादा कांग्रेस के चुनावी घोषणा पत्र में भी है।

पहली बार होगा किसान बजट

बड़ी बात यह है कि केंद्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों को राहत देने के लिए विधानसभा में लाए गए तीन अध्यादेश भले ही अभी तक राजभवन में अटके हों और वे कानून का रूप नहीं ले सके, लेकिन बावजूद इसके गहलोत सरकार ने किसानों को साधने की कवायद शुरू कर दी है। इसके लिए बाकायदा विधानसभा के बजट सत्र में पहली बार किसानों के लिए अलग से बजट घोषणा की जाएगी, जिसमें साल 2023 में होने वाले विधानसभा और 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए लोकलुभावन वादे किसानों से किए जाएंगे। राजस्थान के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है जब विधानसभा में किसानों के लिए अलग से बजट घोषणा की जाएंगी।

पांचवें बजट को माना जाता है चुनावी बजट

दरअसल चौथे बजट की अहमियत इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि पांचवे और अंतिम बजट को चुनावी बजट माना जाता है और बजट घोषणा करने के बाद सरकार चुनावी मोड में चली जाती है। उन घोषणाओं पर ज्यादा फोकस और काम नहीं हो पाता। ऐसे में सरकारों के पास ले-देकर चौथा बजट ही ऐसा होता जिसमें सरकार अपना पूरा दमखम लगा दिखाती है और बड़ी-बड़ी चुनावी घोषणा करके आम जनता को रिझाने का प्रयास करती है।

पेट्रोल-डीजल पर कटौती की तैयारी

बताया जा रहा है कि सरकार नए साल में पेट्रोल डीजल पर भी वेट कम करने की तैयारी में है। विशेषज्ञों ने भी सरकार को सुझाव दिया है कि राज्य में पेट्रोल-डीजल पर वेट अभी भी अन्य राज्यों के मुकाबले ज्यादा है। ऐसे में अन्य राज्यों के समान ही यहां भी पेट्रोल-डीजल पर वेट कम किया जाए। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अगले साल जनवरी माह में या फिर बजट सत्र में पेट्रोल डीजल पर वेट कम करने की घोषणा करने की तैयारी कर रही है।

जवाबदेही कानून लागू कर सकती है सरकार

गहलोत सरकार नए साल में जवाबदेही कानून लागू करने की तैयारी में है। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राम लुभाया की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने कानून का मसौदा तैयार करके अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को सौंप रखी है लेकिन किन्ही वजहों के चलते सरकार अब तक जवाब दे कानून को लागू नहीं कर पाई थी लेकिन माना जा रहा है कि सियासी संदेश और आमजन को साधने के लिए सरकार जवाबदेही कानून को लागू करने की तैयारी में है इस कानून के 15 दिन में किसी भी विभाग की शिकायत का समाधान होना है। तय समय पर शिकायत का समाधान नहीं करने वाले अधिकारी कर्मचारियों पर भी सख्त कार्रवाई का प्रावधान इस कानून में रखा गया है।

जून-जुलाई में फिर मंत्रिमंडल पुनर्गठन

सूत्रों की माने तो गहलोत सरकार अगले साल जून और जुलाई में एक बार फिर से मंत्रिमंडल पुनर्गठन और फेरबदल करने की भी तैयारी में है, इसे लेकर पूर्व में प्रदेश प्रभारी अजय माकन और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत संकेत भी दे चुके हैं। मंत्रिमंडल का पुनर्गठन और फेरबदल के जरिए नाराज चल रहे कांग्रेस विधायकों को मंत्री बनाकर उन्हें संतुष्ट करने का प्रयास भी किया जा सकता है।

ANCHOR | टूरिस्ट स्पॉट

पर्यटकों की नई पसंद बना किशनबाग

फोटो वेडिंग शूट, कॉमर्शियल फिल्म की होगी शूटिंग

और स्टूडेंट्स को दी जाएगी फ्री एंट्री

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी का नया टूरिस्ट स्पॉट किशनबाग पर्यटकों को फेवरेट बना हुआ है। रेगिस्तानी थीम पर डवलप इस बाग में फोटो वेडिंग शूट, कॉमर्शियल फिल्म शूटिंग, फोटो प्रदर्शनी और एजुकेशनल टूर की भी परमिशन मिलेगी। 5 हजार में पूरा दिन वेंडिंग शूट करवा सकेंगे, वहीं एजुकेशनल टूर और फिल्म शूटिंग के लिए एक दिन के 20 हजार लगेंगे। बीते दिनों जेडीसी गौरव गोयल की अध्यक्षता में किशनबाग के रख-रखाव को लेकर हुई बैठक में यह निर्णय लिए गए।

किशनबाग में एक्टिविटी वन विभाग के नियमानुसार ही होगी। जेडीए ने किशनबाग में स्टूडेंट्स की एंट्री फ्री कर दी है, यदि कोई छात्र परिजनों के साथ किशनबाग में आता है तो सिर्फ परिजनों का टिकट चार्ज होगा। स्टूडेंट्स आईडी पर एंट्री फ्री रहेगी। इधर, जेडीए को किशनबाग में जितने पर्यटक एक साल में आने की उम्मीद थी, उतने 19 दिन में ही आ गए। 17 दिसम्बर के बाद से अब तक 6 हजार विजिटर्स आए हैं। इससे 4 लाख का रेवेन्यू मिला है।

एंट्री टिकट 50 रुपए का, ऑनलाइन भी बुक हो सकेगा

किशनबाग में आम पर्यटकों के लिए टिकट 50 रुपए होगा। किशनबाग में घूमने के लिए अलग-अलग शिफ्ट गाइडेड टूर होंगे। 50 रुपए टिकट में गाइडचार्ज भी शामिल रहेगा। पार्क का मेंटीनेंस देखने वाली कंपनी अब जल्द ही गाइड की संख्या बढ़ाएगी। टिकट किशनबाग की टिकट विंडो के अलावा पेटीएम, बुक माय शो से ऑनलाइन भी बुक किए जा सकेंगे। इसके अलावा पार्क की थीम पर ही कैफेटेरिया बनेगा जिसके जल्द टेंडर जारी होंगे। शहर में एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंडों पर किशनबाग के साइन बोर्ड लगेंगे और सोशल मीडिया पर अलग प्रमोशन किया जाएगा।

किशनबाग में पर्यटकों का अच्छा रेस्पांस मिल रहा है। अब किशनबाग में फोटो वेंडिंग शूट, फिल्म शूटिंग की परमिशन दी जाएगी। ये सभी गतिविधियां वन विभाग और ईकॉलॉजिकल जोन के नियमानुसार ही होंगी। सोश्यल मीडिया पर प्रमोशन के साथ-साथ विजिटर्स की सुविधाएं भी बढ़ाई जाएंगी।
-गौरव गोयल, जेडीसी

कृषि विपणन निदेशालय के दो चहरें

किसानों को 'ईनाम' और पोर्टल से मंड़ी भाव नदारद

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अलग कृषि बजट पेश करने से पूर्व प्रदेश की अशोक गहलोत सरकार ने किसानों को एक नई सौगात दी है। इसके तहत कृषि उपज मंड़ी में फसल बेचने वाले किसानों को अब सरकार ईनाम देगी। दरअसल, कृषि विपणन निदेशालय ने प्रदेश की सभी कृषि उपज मंडियों में कृषक उपहार योजना लागू की है। इस योजना के तहत किसानों को कृषि उपज मंडी समितियों में ऑनलाइन फसल बिक्री और ई-भुगतान प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। योजना में ईनाम परियोजना के तहत मंडियों में उपज बेचने और ई भुगतान प्राप्त करने वाले किसानों को मंडी समिति के द्वारा निःशुल्क ई-उपहार कूपन दिए जायेंगे। कूपन 10 हजार रुपए से अधिक मूल्य की फसल बिक्री पर दिए जायेंगे। लेकिन, निदेशालय का एक स्याह पहलू यह भी है कि किसानों को प्रतिदिन मंड़ी भाव की जानकारी भी उपलब्ध नहीं करवा पा रहा है। निदेशालय के ऑनलाइन पोर्टल से मंड़ी भाव को पूरा कॉलम ही पखवाड़े भर पहले गायब हो चुका है।

यह मिलेंगे पुरस्कार

ईनाम परियोजना के प्रभारी उपनिदेशक केसर सिंह ने बताया कि योजना के तहत मंडी स्तर पर प्रत्येक छह माह में गेट पास की विक्रय पर्ची, भुगतान की विक्रय पर्ची पर प्रथम पुरस्कार 25 हजार रुपए, द्वितीय पुरस्कार 15 हजार और तृतीय पुरस्कार 10 हजार रुपए दिए जाएंगे। वहीं खंड स्तर पर प्रत्येक छह माह में प्रथम पुरस्कार 50 हजार, द्वितीय पुरस्कार 35 हजार, तृतीय पुरस्कार 20 हजार रुपए और राज्य स्तर पर साल में एक बार प्रथम पुरस्कार ढाई लाख रुपए, द्वितीय पुरस्कार डेढ़ लाख रुपए और तृतीय पुरस्कार एक लाख रुपए दिए जाएंगे।

मंडी से ई-कूपन

योजना का लाभ लेने के लिए किसान मंडी में ईनाम पोर्टल पर कृषि उपज मंडी के गेट पास, विक्रय पर्ची, जिसका मूल्य दस हजार अथवा उससे अधिक होने पर विक्रय पर्ची भुगतान पर ई कूपन मंडी समितियों के माध्यम से जारी किए जाएंगे। किसान कृषि उपज मंडी समिति में बेचान के लिए उपज लाकर ईनाम पोर्टल पर अपनी उपज की अधिकतम कीमत पाकर राजस्थान सरकार की किसानों के लिए कृषक उपहार योजना का लाभ ले सकेंगे।

ऑनलाइन रहेगी प्रक्रिया

इस योजना में किसानों के लिए प्रत्येक स्तर पर हर छह माह में तीन पुरस्कार जारी किए जाएंगे। इसमें कूपन की प्रक्रिया ऑनलाइन रहेगी। छह माह में मंडियों में ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से छह किसानों का चयन किया जाएगा। योजना अवधि 1 जनवरी से 31 दिसम्बर 2022 तक है।

घट रहा है राजस्व

प्रदेश की कृषि उपज मंडियों से साल दर साल सरकार को मिलने वाले राजस्व में कमी आ रही है। वहीं, ईनाम योजना को भी किसान ठीक से समझ नहीं पा रहे है। इस स्थिति को देखते हुए सरकार ने यह योजना शुरू की है।

पोर्टल से मंड़ी भाव गायब

उधर, कृषि विपणन निदेशालय का दूसरा पहलू यह है कि ईनाम की सौगात देने वाला कृषि विपणन निदेशालय किसानों को प्रतिदिन के फसल मंड़ी भाव की जानकारी भी नहीं दे पा रहा है। गौरतलब है कि पहले मंड़ी ऑनलाइन के नाम से प्रतिदिन के मंड़ी भाव की जानकारी निदेशालय के पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाती थी। लेकिन, पखवाड़े भर से मंड़ी भाव का पूरा कॉलम ही गायब हो चुका है। इस संबंध में निदेशालय की सांख्यिकी शाखा के अधिकारी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पा रहे है।

कोरोना : समस्याओं का होगा समाधान

पीसीसी में फिर शुरू होंगे कोविड कंट्रोल रूम

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में कोरोना के बढ़ रहे मामलों और कोरोना की तीसरी लहर की दस्तक देने के साथ ही एक ओर जहां गहलोत सरकार अलट मोड पर है। वहीं सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने अपने तमाम संगठन के कामकाज को छोड़ एक बार फिर प्रदेश के लोगों की सहायता के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। कोरोना की तीसरी लहर के दौरान जयपुर सहित प्रदेश भर के लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिए प्रदेश कांग्रेस की ओर से एक बार फिर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कोरोना कंट्रोल रूम शुरू करने की कवायद की जा रही है, जिसके जरिए कोरोना काल में लोगों को हर संभव मदद उपलब्ध करवाई जाएगी। कोविड कंट्रोल रूम को लेकर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी कवायद शुरू कर दी है और पार्टी के नेताओं को भी इसके निर्देश दे दिए हैं। प्रदेश कांग्रेस के कई पदाधिकारियों ने सोशल मीडिया पर अपने मोबाइल नंबर भी जारी कर दिए हैं, जिससे किसी को कोई परेशानी है हो तो वे उनसे संपर्क करके अपनी परेशानी का समाधान करा सकता है।

24 घंटे काम करेगा पीसीसी कंट्रोल रूम

बताया जा रहा है कि प्रदेश कांग्रेस की ओर से जल्द ही 24 घंटे का कोविड कंट्रोल रूम शुरू किया जाएगा, जिसमें 3 शिफ्टों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ड्यूटी लगाई जाएगी और पीसीसी के नंबर प्रदेश भर में जारी किए जाएंगे।

शिकायतों का इंतजार

इधर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का मानना है कि फिलहाल अभी प्रदेशभर से किसी प्रकार की कोई शिकायत प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय तक नहीं पहुंची है। जैसे ही कोरोना से जुड़ी समस्याओं से संबंधित फोन कॉल प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय तक पहुंचेंगे उसके तुंरत बाद ही प्रदेश कांग्रेस की ओर से कंट्रोल रूम शुरू कर दिया जाएगा।

संगठन महामंत्री चंद्रशेखर कोरोना पॉजिटिव, सतीश पूनियां की तबियत खराब

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश भाजपा मुख्यालय में भी कोरोना की एंट्री हो गई है। यूपी चुनाव की तैयारियां करवाकर लौटे संगठन महामंत्री चंद्रशेखर कोरोना पॉजिटिव आए हैं, वहीं उनके स्टाफ का एक कार्मिक कोरोना संक्रमित हो गया है। उधर चार दिन तक जैसलमेर, बाड़मेर सहित कई जिलों के दौरे से लौटे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां की भी तबियत खराब हो गई है। ऐसे में पार्टी प्रदेश भाजपा मुख्यालय में तैनात अन्य कर्मचारियों की भी एतिहातन कोरोना की जांच करवाई जा रही है। पूनियां भी फिलहाल अस्वस्थ हैं। उन्हें सर्दी, खांसी, जुकाम के साथ बदन दर्द की भी शिकायत है।

रघु शर्मा के करीबी अधिकारियों को परसादी ने हटाया

स्वास्थ्य निदेशक केके शर्मा को हटाकर वी.के. माथुर को बनाया, ड्रग कंट्रोलर राजाराम को किया एपीओ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में मंत्रिमंडल में बदलाव के साथ ही अब उन लोगों की धीरे-धीरे छुट्टी हो रही है, जो कभी मंत्री के खास हुआ करते थे। स्वास्थ्य विभाग में भी ऐसा ही देखने को मिला है। गत 21 नवंबर से मंत्री पद से हटने के बाद डॉ. रघु शर्मा के कई फैसलों को नए हेल्थ मिनिस्टर परसादी लाल मीणा बदल चुके हैं। पिछले साल नवंबर में डॉक्टर्स के तबादलों को निरस्त करने के बाद अब मीणा ने स्वास्थ्य विभाग के निदेशक पद और औषधि नियंत्रक (ड्रग कंट्रोलर) के पद पर बदलाव किया है। इन दोनों पर तैनात अधिकारी पूर्व मंत्री रघु शर्मा के करीबी माने जाते थे। स्वास्थ्य भवन में सबसे प्रमुख पद निदेशक (जन स्वास्थ्य) से कृष्ण कुमार शर्मा की छुट्टी कर दी। शर्मा को हटाकर उनकी जगह वी. के. माथुर को निदेशक बनाया है। केके शर्मा को रघु शर्मा का सबसे करीबी माना जाता था, इसी कारण उन्हें अतिरिक्त निदेशक होते हुए भी निदेशक जैसे महत्वपूर्ण पद पर लगाया गया था। अब केके शर्मा को इस पद से हटाकर निदेशक ईएसआईसी बनाया गया है। वहीं केके शर्मा से पद में सीनियर वी. के. माथुर जो निदेशक ईएसआईसी के पद पर थे, उन्हें निदेशक (जन स्वास्थ्य) बनाया गया है।

ड्रग कंट्रोलर को किया एपीओ

इधर मंत्री के निर्देश पर ड्रग कंट्रोलर राजस्थान फर्स्ट के पद पर तैनात राजाराम शर्मा को सरकार ने एपीओ कर दिया। नवंबर तक राजाराम शर्मा अकेले राजस्थान के चीफ ड्रग कंट्रोलर थे। ड्रग कंट्रोलिंग शाखा में डीपीसी लम्बे समय से अटकी थी, जो नवंबर के आखिरी दिनों में हुई। इसके बाद अजय फाटक भी असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर से ड्रग कंट्रोलर के पद पर पदोन्नति दी गई। इसके बाद राजस्थान में ड्रग कंट्रोलर के दो पद हो गए। फर्स्ट और सेकेंड। फर्स्ट पर राजाराम को लगाया, जबकि सेकेंड पर फाटक को। काम की पेंडेंसी की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद आज राजाराम को एपीओ कर दिया।

जागरूक जनता कलैण्डर 2022 का विमोचन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जागरूक जनता समाचार पत्र ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी वर्ष 2022 का वार्षिक कलैण्डर प्रकाशित किया है। कलैण्डर का विमोचन संतश्री रामसेवकदासजी पापड़ वाले हनुमान मंदिर, विद्याधर नगर, बालमुकुन्द आचार्य दक्षिणमुखी बालाजी हाथोज धाम ने मंदिर परिसर में किया। इनके अलावा प्रेस क्लब में क्लब के अध्यक्ष मुकेश मीणा, महासचिव रामेन्द्र सिंह सोलंकी, पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष राधारमण शर्मा, आशा पटेल सहित अनेक वरिष्ठ पत्रकारों की उपस्थिति में कलैण्डर का विमोचन किया गया। कैलेंडर के संपादक शिव दयाल मिश्रा ने बताया कि अखबार के वार्षिक कैलेंडर में हिन्दू पंचांग के अनुसार तिथि, नक्षत्र एवं त्योहारों सहित केन्द्र व राज्य सरकार के विभागों की छुट्टियों सहित अन्य जानकारी प्रकाशित की गई है।

जागरूक खबरें

झालाना से फिर खुशखबरी, मादा लेपर्ड शर्मीली दिखी तीन नन्हे शावकों के साथ

जयपुर @ जागरूक जनता। झालाना लेपर्ड सफारी से एक बार फिर खुशखबरी आई है। इस बार यहां मादा लेपर्ड शर्मीली अपने तीन नन्हें शावकों के साथ स्पॉट की गई। सफारी में बने एक वॉटर पॉइंट पर वन विभाग की ओर से लगाए गए कैमरे में शर्मीली अपने शावकों के साथ कैद हुई। झालाना में मादा लेपर्ड के साथ नन्हे शावकों की अठखेलियां पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई है। शावक नजर आने के बाद वन विभाग के अधिकारियों ने लेपर्ड रिजर्व क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है। झालाना के क्षेत्रीय वन अधिकारी जनेश्वर चौधरी ने बताया कि यहां दूर-दराज से पर्यटक लेपर्ड सफारी का लुत्फ उठाने पहुंचते हैं। इससे पहले भी झालाना में दूसरी मादा लेपर्ड गजल ने शावकों को जन्म दिया था। वो भी दो शावकों के साथ नजर आई थी। मादा लेपर्ड 'बसंती एक शावक के साथ नजर आई थी। इससे पहले लेपर्ड 'एलके' भी तीन शावकों के साथ नजर आ चुकी है। पहले मादा पैंथर 'शर्मीली' के साथ भी दो शावक नजर आए थे और 'फ्लोरा' नामक पैंथर के साथ भी तीन शावक नजर आ चुका है। वहीं 'मिसेज खान' के साथ 1 शावक को घूमते हुए ट्रेस किया गया था।

कौशिक शिक्षा निकेतन में वेक्सीनेशन कैम्प आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। कौशिक शिक्षा निकेतन सीनियर सैकण्ड्री ग्रीन पार्क दादी का फाटक में 15 से 18 वर्ष तक के लगभग 300 छात्र-छात्राओं के कोरोना से बचाव के लिए वेक्सीन लगाई गई। विद्यालय के निदेशक अनिल कौशिक ने बताया कि चरण नदी अस्पताल के डा. संदीप छीपा एवं उनकी टीम ने व्यवस्थित ढंग से वेक्सीनेशन कार्य को अंजाम दिया। इस अवसर पर राजेश कौशिक, राकेश शर्मा एवं रामविलास जांगीड़ सहित अनेक समाजसेवियों ने सहयोग किया।

32 हजार टीचर्स की भर्ती शुरू

रीट अभ्यर्थी 9 फरवरी तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन, एकेडमिक इंडेक्स के जुड़ेंगे 10% मार्क्स

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में सरकारी स्कूलों में लेवल-1 और लेवल-2 के रिक्त पदों को भरने के लिए शिक्षा विभाग ने 32 हजार पदों की भर्ती की विज्ञप्ति जारी कर दी है। जिसके तहत प्राथमिक और उच्च प्राथमिक के साथ ही विशेष शिक्षा के पदों पर आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन 10 जनवरी से शुरू हो गए हैं और 9 फरवरी तक भरे जाएंगे। इसके लिए अभ्यर्थी SSO आईडी के माध्यम से शिक्षा विभाग की वेबसाइट http://recruitment.rajasthan.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। भर्ती प्रक्रिया के दौरान एक से अधिक पद की योग्यता या पात्रता होने पर अभ्यर्थी को अलग-अलग आवेदन करना होगा। वहीं ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन के दौरान गैर अनुसूचित क्षेत्र के विज्ञप्ति पदों के लिए अनुसूचित क्षेत्र सहित पूरे राजस्थान और राजस्थान के बाहर के अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकेंगे। अनुसूचित क्षेत्र के विज्ञप्ति पदों के लिए सिर्फ राजस्थान के अनुसूचित क्षेत्र के मूल अभ्यर्थी ही आवेदन कर पाएंगे।

31 हजार सामान्य शिक्षा + 1000 विशेष शिक्षा

- गैर अनुसूचित क्षेत्र अध्यापक लेवल-1 सामान्य शिक्षा - 11500
- गैर अनुसूचित क्षेत्र अध्यापक लेवल-1 विशेष शिक्षा - 440
- अनुसूचित क्षेत्र अध्यापक लेवल-1 सामान्य शिक्षा - 3500
- अनुसूचित क्षेत्र अध्यापक लेवल-1 विशेष शिक्षा - 60
- गैर अनुसूचित क्षेत्र अध्यापक लेवल-2 सामान्य शिक्षा - 13420
- गैर अनुसूचित क्षेत्र अध्यापक लेवल-2 विशेष शिक्षा - 455
- अनुसूचित क्षेत्र अध्यापक लेवल-2 सामान्य शिक्षा - 2580
- अनुसूचित क्षेत्र अध्यापक लेवल-2 विशेष शिक्षा - 55

दरअसल, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 31 हजार पदों पर भर्ती किए जाने की घोषणा की थी, लेकिन प्रारंभिक शिक्षा विभाग की ओर से कुल 32 हजार पदों पर भर्ती की जाएगी। इसमें विशेष शिक्षा के एक हजार पद भी शामिल हैं।

यह रहेगा आवेदन शुल्क

- सामान्य वर्ग, क्रीमीलेयर वर्ग के अन्य पिछड़ा वर्ग/ अति पिछड़ा वर्ग व राज्य के बाहर के सभी अभ्यर्थी- 100 रुपए
- राजस्थान के नॉन क्रीमीलेयर श्रेणी के पिछड़ा वर्ग/ अति पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर अभ्यर्थी- 70 रुपए
- समस्त विशेष योग्यजन और राजस्थान के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति सहरिया वर्ग- 60 रुपए

रीट पात्रता के नियम

- रीट भर्ती परीक्षा के अंकों का प्रतिशत रहेगा भर्ती के लिए आवेदन का आधार
- सामान्य / अनारक्षित - 60 अंक (टीएसपी और नॉन टीएसपी)
- अनुसूचित जनजाति (ST) - 55 (नॉन टीएसपी), 36 (टीएसपी)
- अनुसूचित जाति (SC), ओबीसी, एमबीसी और आर्थिक कमजोर वर्ग - 55 अंक (नॉन टीएसपी और टीएसपी)
- समस्त श्रेणी की विधवा और परित्यक्ता महिलाएं व भूतपूर्व सैनिक - 50 अंक (टीएसपी और नॉन टीएसपी)
- दिव्यांग - 40 अंक (टीएसपी और नॉन टीएसपी)
- सहरिया जनजाति - 36 अंक (टीएसपी और नॉन टीएसपी)।

ANCHOR | **कोरोना**

6 महीने बाद कोरोना से 4 लोगों की मौत

आज 6366 संक्रमित सामने आए, 14 शहरों में 100 से ज्यादा केस आए; जयपुर में कम हुआ आंकड़ा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में आज कोरोना के 6366 नए केस मिले है, जबकि आज 4 लोगों की मौत भी हुई है। राज्य में आज जयपुर सहित 14 जिलों में कोरोना के 100 या उससे ज्यादा केस आए हैं। बड़ी बात ये है कि जहां पूरे देश में प्रमुख शहरों में कोरोना की रफ्तार बढ़ रही है। वहीं, जयपुर में आज केसों में कमी देखने को मिली है। करीब 14 दिन के बाद आज ऐसा हुआ है जब जयपुर में केस बढ़ने के बजाए कम आए हैं। पिछले 24 घंटे के अंदर जयपुर में आज 2166 नए केस मिले हैं, जो सोमवार की तुलना में 583 कम है। राजस्थान मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट से जारी रिपोर्ट देखें तो जयपुर के अलावा आज जोधपुर में 711, कोटा 446, अलवर 411, उदयपुर 403, भरतपुर 365, बीकानेर 255, अजमेर 195, सीकर 192, बाड़मेर 124, गंगानगर 112, सवाई माधोपुर 114, भीलवाड़ा 108 और दौसा 104 में केस मिले है।

वहीं, आज जयपुर, नागौर, अजमेर और अलवर में एक-एक मरीज की मौत हुई है। राज्य में 4 जुलाई के बाद ऐसा हुआ है, जब 4 मरीजों की एक दिन में मौत हुई है। राजस्थान में अब तक की स्थिति देखे तो 9 लाख 88,638 लोग संक्रमित हो चुके है, जिनमें से 9 लाख 49,063 मरीज रिकवर हो चुके है। वहीं 8978 मरीजों की अब तक इस बीमारी से मौत हो चुकी है।

जयपुर में 15 जगहों पर 50 से ज्यादा केस

सीएमएचओ जयपुर से मिली रिपोर्ट के मुताबिक जयपुर में 15 ऐसे एरिया है जहां 50 से 100 के बीच केस मिले है। वैशाली नगर एरिया में सबसे ज्यादा 98 मरीज मिले है, जो सबसे बड़ा हॉट स्पॉट एरिया बना है। इसके अलावा जवाहर नगर 91, झोटवाड़ा 90, विद्याधर नगर 89, प्रताप नगर 93, जगतपुर, बनीपार्क 80-80, मालवीय नगर 71, मानसरोवर 70, सांगानेर 59, सोडाला 81, टोंक रोड, बजाज नगर 50-50, सीतापुरा 62 और अजमेर रोड एरिया में 67 केस मिले है।

28 दिसंबर से लगातार बढ़ रहे है केस

जयपुर में पिछले साल 28 दिसंबर से लगातार केस बढ़ रहे है। 27 दिसंबर को जयपुर में 43 केस आए थे, जो बढ़ते-बढ़ते 2749 तक पहुंच गए थे। जयपुर में पिछले एक सप्ताह की रिपोर्ट देखे तो 13 हजार 262 केस मिल चुके है, जबकि 6 लोगों की मौत हो चुकी है। जयपुर में संक्रमण की दर भी अब 15 फीसदी के पार जा चुके है, जिसके कारण यह जिला अब रेड जोन में आ चुका है।?

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS
BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY
WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click
START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST
Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management
MSGJET
SCHOOL Management System
Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...
Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan
WE ARE Google Partner Marketing Partner Bing ads
DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE
INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

सीखने की बात

अपनी जरूरत के लिए धन कमाना अच्छी बात है, किन्तु धन-दौलत जमा करने की भूख होना बुरी बात है...

- अज्ञात

स्वच्छ ऊर्जा की ओर

विज्ञान की एक खबर या उसके प्रचार ने पूरी दुनिया को अचंभित कर दिया। ऐसा लगा, मानो चीन ने कृत्रिम सूरज बना लिया हो, इसे प्रचारित भी ऐसे ही किया गया। परमाणु मिश्रण जिसे प्लाज्मा भी कहा जा रहा है, के सहारे सूरज से पांच गुना तापमान को 17 मिनट से अधिक समय तक बनाए रखकर विश्व रिकॉर्ड का दावा किया गया है। चीन से पहले फ्रांस ने यह प्रयोग साल 2003 में किया था, जिसमें लगभग इतने ही तापमान को 390 सेकंड तक कायम रखा गया था। पिछले वर्ष मई में चीन ने एक छोटा प्रयोग किया था और इतने ही तापमान को 101 सेकंड तक कायम रखा था। चूंकि इन दिनों चीन की पूरी कोशिश खुद को सुपर पावर के रूप में स्थापित करने की है, इसलिए वह हर क्षेत्र में रिकॉर्ड बनाने के जुनून के साथ जुटा हुआ है। बेशक, पिछले वर्षों में चीन की वैज्ञानिक तरक्की काबिलेगौर है, लेकिन उसके प्रयोगों को अमेरिका या यूरोप की तरह विश्वसनीयता हासिल नहीं है। चीन को विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाने पड़ेंगे। बहरहाल, ऐसे प्रयोग को दूसरा सूरज या कृत्रिम सूरज बनाने का नाम देना बिल्कुल गलत है। प्रयोग की प्रवृत्ति भले सूरज से थोड़ी मिलती-जुलती हो, लेकिन आकार-प्रकार में इस प्रयोग का सूरज से दूर-दूर तक कोई मुकाबला नहीं है। हम दूर-दूर तक भविष्य में भी कोई ऐसा कृत्रिम सूरज बनाने नहीं जा रहे हैं, जिसे आसमान पर सजा दिया जाए और जिससे पूरी दुनिया लाभान्वित हो। अतः अव्वल तो वैज्ञानिकों को अतार्किक दावों या नामकरण से बचना चाहिए और ऐसे प्रयोगों की वास्तविक व्यावहारिकता को परखना चाहिए। तो फिर फ्रांस या चीन में हुए प्रयोग के क्या मायने हैं? चाइनीज अकादमी ऑफ साइंसेज के इंस्टीट्यूट ऑफ प्लाज्मा फिजिक्स के एक शोधकर्ता गोंग जियानजू ने अपने एक बयान में कहा है कि हालिया अभियान एक फ्यूजन रिएक्टर चलाने की दिशा में ठोस वैज्ञानिक और प्रयोगात्मक नींव रखता है। वास्तव में वैज्ञानिक परमाणु संलयन की शक्ति का दोहन करने की कोशिश कर रहे हैं। यह ठीक वैसी ही वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिससे तारे 70-70 साल तक चमकते या जलते रहते हैं।

मोटे तौर पर अगर समझा जाए, तो यह प्रयोग परमाणु ऊर्जा का ही अगला संस्करण है। ऐसे प्रयोग के माध्यम से कोशिश हो रही है कि ज्यादा से ज्यादा ऊर्जा बनाई जाए। चूंकि ऐसे प्रयोग या उद्यम से स्वच्छ ऊर्जा हासिल होगी, इसलिए इसका महत्व खास हो जाता है। इस ढंग से अगर ऊर्जा का निर्माण हो, तो रेडियोधर्मी कचरे के उत्पादन से भी बचा जा सकता है। बदलते समय के साथ ज्यादा से ज्यादा स्वच्छ ऊर्जा की जरूरत बढ़ती चली जा रही है, लेकिन वास्तव में ऐसे प्रयोग को व्यावहारिक बनाने की जरूरत है। फायदा तब है, जब इस सपने को जमीन पर उतारा जाए। इसमें कोई शक नहीं कि दुनिया प्रकृति अनुकूल स्वच्छ ऊर्जा की तलाश में है, लेकिन विकसित होने का दावा करने वाले देशों के मन में क्या चल रहा है? दुनिया के विशाल देश अगर ईंधन के रूप में तेल या कोयले की बचत कर सकते हैं और ऐसे प्लाज्मा प्लांटों से पर्याप्त ऊर्जा पा सकते हैं, तो उनका स्वागत है, लेकिन हकीकत यह है कि ऊर्जा की यह मंजिल अभी दूर है। इस प्रक्रिया से स्थाई ताप उत्सर्जन अभी कोशिश के दौर में ही है।

सम्पादकीय

सुरक्षा की जांच

पंजाब में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक के मामले में देश के सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। न्यायालय ने पूर्व जज की अध्यक्षता में समिति बनाई है। इस मामले में यह दूसरी सुनवाई है, पहली सुनवाई के समय ही यह लग गया था कि सर्वोच्च न्यायालय स्वयं जांच में हस्तक्षेप करना चाहता है, और यह उचित भी है। पंजाब में सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर केंद्र सरकार और पंजाब सरकार के बीच जिस तरह से खींचतान बढ़ी, उसे देखकर किसी को भी चिंता होना स्वाभाविक है। राजनीतिक बयानबाजी को अगर हम देखें, तो भी यह बात साफ हो जाती है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा के मामले में राजनीति दो खेमों में बंट गई। जांच के लिए पंजाब सरकार ने भी समिति गठित की थी और केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी, तो ऐसे में उत्तरोतर खींचतान बढ़ने की ही आशंका थी। दोनों समितियां एक-दूसरे के विपरीत भी काम कर सकती थीं। फिर जिस तरह से समितियों का गठन किया गया और जिनको कमान सौंपी जा रही थी, उससे भी निष्पक्षता की उम्मीद नहीं जाग रही थी। अतः यह हर लिहाज से उचित हो गया था कि सर्वोच्च न्यायालय मामले को अपने हाथ में ले। वास्तव में, अभी किसी भी समिति ने जांच नहीं शुरू की थी। यह भी एक चिंताजनक बात है। इतनी उच्च स्तरीय चूक के बावजूद जांच का अभी तक शुरू न होना हमारी व्यवस्था पर अपने आप में एक प्रतिकूल टिप्पणी है। सुरक्षा में उच्च स्तरीय चूक जब होती है, तब जिम्मेदार लोगों को स्वयं ही आगे आकर बताना चाहिए कि चूक कहां हुई और कौन जिम्मेदार है। कार्यपालिका का जो कार्य निर्धारित है, उसे हर हाल में बिना दबाव अंजाम देना चाहिए। पंजाब की सुरक्षा एजेंसियों की नाकामी हो या केंद्र सरकार की सुरक्षा एजेंसियों की नाकामी, दोनों को मिलकर समग्रता में कमियों-खामियों की समीक्षा करनी चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो पाया। सुरक्षा एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर एजेंसियों को राजनीति या राजनेताओं से बिल्कुल अप्रभावित रहना चाहिए, सुरक्षा में किसी भी चूक या नुकसान के बाद सुरक्षा एजेंसियों के दामन पर ही दाग लगते हैं। सुरक्षा के मामले में राज्य और केंद्र का भेद मिट ही जाना चाहिए। भेद कायम है, इसलिए सर्वोच्च न्यायालय को आगे आकर जांच को अपने हाथों में लेना पड़ा है। इसमें कोई दोराय नहीं कि सुरक्षा में चूक की जांच न्यायालय का काम नहीं है, पर अगर ऐसी जरूरत पड़ रही है, तो स्वाभाविक ही चिंता बढ़ जाती है। प्रधान न्यायाधीश की पीठ ने साफ कर दिया है कि घटना की जांच के लिए पंजाब और केंद्र सरकार की ओर से गठित समितियों पर रोक जारी रहेगी। अदालत ने कहा कि पूर्व जज की अध्यक्षता में बनने वाली समिति में चंडीगढ़ के पुलिस प्रमुख, एनआईए के आईजी, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल भी शामिल हो सकते हैं। कुल मिलाकर, जल्दी जांच हो और दूध का दूध और पानी का पानी हो, ताकि सुरक्षा एजेंसियों को भी आगे के लिए सबक मिले। यह संभव है कि जांच के नतीजे सार्वजनिक न हों, लेकिन देश कम से कम ऐसी चूक भविष्य में कभी न देखे, यह सुनिश्चित करना चाहिए। अब सरकारों या राजनेताओं को इस गंभीर मामले में टिप्पणी या अपनी राय देने से बाज आना चाहिए। जो जिम्मेदार अधिकारी हैं, उन पर जल्द से जल्द आंच आए, तो बात बने।

नफरत का कोई न बने कारोबारी

क्षमा शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

हमारे यहां सूचना का इतना व्यापक तंत्र है। औरतों के सम्मान की बड़ी-बड़ी बातें हैं, लेकिन यह तंत्र क्यों नहीं सिखाता कि धर्म-जाति के बहाने किसी की बेइज्जती करके मनोरंजन करना अपराध है। बुल्ली बाई एप के संबंध में कई लोग कह रहे हैं कि इसमें तो कोई नीलामी नहीं हुई, फिर इतना शोर-शराबा क्यों? सवाल यह है कि क्या जब ऐसा हो जाता, तभी इसका विरोध सही होता? अफसोस, आज के इस दौर में हमारे कुछ युवा इंसानियत भूलते जा रहे हैं। नफरत की 'सेल' चारों तरफ लगी है।

यह खबर सुर्खियों में है कि बुल्ली बाई एप पर लोगों को मुसलमान औरतों की खरीदारी के लिए आमंत्रित किया गया। बाद में कहीं यह भी पढ़ा कि वह हिंदू-मुसलमान, दोनों धर्मों की औरतों के लिए था। एप को बनाने वाले थे- 18 साल की एक लड़की श्वेता सिंह, 21 साल का विशाल झा, और एक अन्य युवा नीरज। नीरज के बारे में कहा गया कि वह धर्म विशेष की उन औरतों से बहुत नाराज था, जो सोशल मीडिया पर अपनी मजहबी पहचान के साथ प्रतिक्रिया देती हैं। तो बदला लेने का उसने आसान तरीका निकाला कि औरतों की ऑनलाइन नीलामी करवा दी जाए। काश! उसे बड़े-बूढ़ों की कही यह बात याद रहती कि औरतें सबके घर में होती हैं, इसलिए अगर अपने घर की औरतों का सम्मान चाहिए, तो दूसरे के घरों की औरतों का सम्मान करें।

जिस आईएस, बोकोहराम की इस बात पर आलोचना होती है कि वे खुलेआम लड़कियों की नीलामी करते हैं, हमने उनसे क्या यही सबक सीखा? क्यों भला? बचने के लिए यह कहना कि किसी ने इस एप पर कोई नीलामी नहीं की है, यह तो मात्र मनोरंजन के लिए था। औरतों की नीलामी करके, उनका सरेआम अपमान करके आपका कौन सा मनोरंजन हो रहा था? तकनीक ने क्या आपको यही सिखाया है? सुना तो यह जाता था कि तकनीक दिमाग के बंद दरवाजे खोलती है, मगर यहां तो दरवाजे बंद ही नहीं हुए, गर्त में जा गिरे। आखिर इन नौजवानों को, जिन्हें देखने के लिए पूरी दुनिया पड़ी है, अपना करियर बनाना था, जीवन में आगे बढ़ना था, माता-पिता ने इनके लिए न जाने कितने सपने देखे होंगे, वे इस जाल में कैसे जा फंसे? किसने इनको यह सब करने को उकसाया? हमारे घरों में तो यह सब नहीं सिखाया जाता। फिर 18 साल की एक लड़की ने, जो इस दौर की लड़की है, उसने यह कैसे सीख लिया? इस लड़की के बारे में कहा जा रहा है कि हाल ही में इसके माता-पिता का निधन हुआ है। तो क्या अपने दुख को दूर करने का यही तरीका था कि लड़की होते हुए भी औरतों की नीलामी के बारे में सोचा जाए? हालांकि, मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने इस लड़की के साथ नरमी से पेश आने की गुजारिश की है। सोचती हूं, क्या हमारे समाज में नफरत का इतना बोलबाला हो गया है कि एक-दूसरे को बचाने की जगह हम इसका हथियार की तरह इस्तेमाल करने लगे हैं? पुरानी कहावत है, जिससे हम नफरत करते हैं, वैसे ही बन जाना चाहते हैं। आप आईएस, बोकोहराम से नफरत करके वैसे ही बन गए। जिन सैकड़ों मुसलमान औरतों के फोटो उनके सोशल मीडिया अकाउंट से लेकर अपलोड किए गए, उन्हें तो इस बारे में मालूम तक नहीं था कि उनके फोटो कैसे वायरल हो रहे हैं। यत्र नार्यस्तु पूज्यंते सिखाने वाले समाज को यह क्या हुआ? ऐसा तो यह था नहीं।

पीछे मुड़कर देखती हूं, तो बचपन की एक घटना याद आती है। स्कूल जा रही थी। आठवीं में पढ़ती थी। तभी पीछे से आते कुछ लड़के गाना गाने लगे। सीटियां बजाने लगे। तभी किसी की डांट की आवाज सुनाई दी। डांट सुनते ही लड़के चुप हो इधर-उधर हो लिए। डांटने वाले चांद खां चाचा थे, जिन्होंने हमारे घर में राजमिस्त्री का काम किया था। छुटपन में मां के साथ रेल में लौट रही थी। सामने बुर्का पहने एक महिला बैठी थी। उसकी गोद में एक छोटी बच्ची थी। बच्ची को काफी भूख लगी थी, मगर महिला के पास उस वक्त खिलाने को कुछ नहीं था। मां ने साथ लाया खाना खोला और एक नमकीन पूरी बच्ची को पकड़ा दी। बच्ची शौक से उसे खाने लगी और थोड़ी ही देर में खिलखिलाने लगी।

कई दशक पहले एक घटना एक पत्रिका में छपी थी। एक लड़की ने लिखा था कि एक बार वह अपने घर से नाराज होकर रेल में सवार हो गई। चढ़ तो गई, मगर डर लगने लगा, क्योंकि अकेली कभी कहीं गई नहीं थी। पास बैठे कुछ लड़कों ने इस बात को भांप लिया। वे उसे तरह-तरह से तंग करने लगे। तभी एक मुसलमान बुजुर्ग ने उससे कहा कि उनका स्टेशन आने वाला है। अगर लड़की चाहे, तो उनके साथ चले। लड़की उन लड़कों से परेशान थी, डरी हुई भी थी, वह बुजुर्ग के साथ उतर गई। बुजुर्ग ने लड़की के माता-पिता को सूचित किया। उनके घर में लड़की तब तक बहुत प्यार से रही, जब तक कि उसके घर वाले उसे लेने नहीं आ गए।

न चांद खां चाचा, न रेल में मिले बुजुर्ग ने सोचा कि वे हिंदू लड़कियों को बचा रहे हैं, न ही मेरी मां ने सोचा कि वह एक नन्ही मुसलमान बच्ची की भूख की चिंता में अपनी बनाई पूरी उसे दे रही हैं। बात तो इंसानियत को बचाने की थी। एक उदाहरण जिनेवा, स्विटजरलैंड का भी है। मेरे 10 साल के पोते को फुटबॉल खेलने का बहुत शौक है। दो साल पहले की बात है, एक बार उसने खेलते हुए देखा कि तीन लड़कियां बैठी हैं। खेल नहीं रही हैं। उसने जब उनसे पूछा, तो बताया गया कि लड़के उन्हें खेलने नहीं देते हैं। आठ साल के बच्चे को यह बात चुभ गई। उसने अपने एक दोस्त के साथ मिलकर खेल शिक्षक से जाकर कहा। खेल शिक्षक ने बात समझी और लड़कियों के लिए अलग से स्लॉट बनाया गया, ताकि वे भी खेल सकें।

बेशक, हमारे बीच जो परस्पर संबंध रहे हैं, वे इंसानियत के हैं। एक-दूसरे को बचाने के हैं। इंसान बचेगा, तभी कोई धर्म भी बच सकता है। यदि हम समाज के विकास की बातें करते हैं, सबके मिल-जुलकर रहने की कामना करते हैं, तो यह तभी संभव है, जब हम एक-दूसरे का सम्मान करना सीखेंगे।

हमारे यहां सूचना का इतना व्यापक तंत्र है। औरतों के सम्मान की बड़ी-बड़ी बातें हैं, लेकिन यह तंत्र क्यों नहीं सिखाता कि धर्म-जाति के बहाने किसी की बेइज्जती करके मनोरंजन करना अपराध है। बुल्ली बाई एप के संबंध में कई लोग कह रहे हैं कि इसमें तो कोई नीलामी नहीं हुई, फिर इतना शोर-शराबा क्यों? सवाल यह है कि क्या जब ऐसा हो जाता, तभी इसका विरोध सही होता? अफसोस, आज के इस दौर में हमारे कुछ युवा इंसानियत भूलते जा रहे हैं। नफरत की 'सेल' चारों तरफ लगी है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

कविता

हिंदी हिन्दुस्तान की

एड. गोपाल कोडेचा
पर्यावरण प्रेमी
@jagrukjanta.net

हर मजहब हर इंसान की
रामायण गीता और पुराण की
हिंदी भाषा है हिंदुस्तान की।
****
कबीर सूर तुलसी रसखान की
गौतम-गांधी और सुभाष की
हिंदी भाषा है हिंदुस्तान की।
****
जय जवान-जय किसान की
जय भारत देश महान की
हिंदी भाषा है हिंदुस्तान की।
****
जन-जन के अभिमान की
मान और सम्मान की
हिंदी भाषा है हिंदुस्तान की।
****
ज्ञान और विज्ञान की
हिन्द संस्कृति के पहचान की
हिंदी भाषा है हिंदुस्तान की।
****
युगों-युगों से शान रही है
हिंदी हिंदुस्तान की
रक्षा हमको करनी है
इसके मान और सम्मान की।
****
राष्ट्रभाषा एक दिन बनेगी
हिंदी हिंदुस्तान की
कीर्ति पताका जग में फहरेगी
हिंदी हिंदुस्तान की।
(लेखक बायतु बाड़मेर से है)

ओपिनियन

हर किसी तक कैसे पहुंचे अच्छी सेहत का बल

भूषण पटवर्द्धन
प्रोफेसर
@jagrukjanta.net

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और विश्व बैंक की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि दुनिया की आधी आबादी की जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच ही नहीं है। संभवतः इसीलिए डब्ल्यूएचओ का 'सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज' (यूएचसी) कार्यक्रम स्वास्थ्य को बुनियादी मानव अधिकार मानता है और सबके लिए बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करने को प्रतिबद्ध है। वैसे तो, पिछले सात दशकों में डब्ल्यूएचओ ने स्वस्थ दुनिया के निर्माण के लिए तमाम राष्ट्रों की नीति-निर्माण को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है, पर 'सबके लिए स्वास्थ्य' अब भी दूर का सपना जान पड़ता है। भारत की बात करें, तो यहां 'मेडिकल केयर' सेवाओं के भरोसे स्वास्थ्य तंत्र है। इनमें डॉक्टर, क्लीनिक, जांच-पड़ताल व अस्पताल शामिल हैं। यह स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणं के ध्येय वाक्य के पूरी तरह से विपरीत है। महज दवाओं, इलाज, अस्पतालों व बीमा कवरेज से सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की गारंटी नहीं मिल सकती। आज जब 70 फीसदी आबादी बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अपनी जेब से खर्च करती है, जिसके कारण उनको मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, तब सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी और स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर नजरिये में बदलाव लाना आवश्यक है।

इस बाबत केंद्र सरकार ने दो अभिनव कार्यक्रमों की शुरुआत की है, आयुष्मान भारत और राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना। इनका उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में आमूल-चूल बदलाव लाना है। आयुष्मान भारत का मकसद लोगों की व्यापक स्वास्थ्य देखभाल है, जिसके तहत 1.5 लाख स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना की गई है, गैर-संचारी रोगों का प्रबंधन किया जा रहा है, मातृ व बाल स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ निःशुल्क आवश्यक दवाएं और जांच-पड़ताल की सुविधाएं दी गई हैं। वहीं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना में प्राथमिक व तृतीयक अस्पतालों में भर्ती के लिए 10 करोड़ परिवारों को बीमा कवर दी गई है। आयुष्मान भारत जहां बेहतर स्वास्थ्य का आश्वासन देता है, वहीं राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना स्वास्थ्य बीमा मुहैया कराएगी। मगर इनकी सफलता इनके क्रियान्वयन के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 में उल्लिखित आयुष पद्धतियों को मुख्यधारा में लाने पर निर्भर करेगी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन यही मानता है कि प्रत्येक देश को अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान देने और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को पाने के लिए अपने तरीके विकसित करने की जरूरत है। इसलिए भारत को अपनी संस्कृति और आयुष पद्धतियों वाली पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के आधार पर यूएचसी के लिए अपनी रणनीति बनानी चाहिए। इस बात पर अब आम सहमति बन रही है कि पारंपरिक व पूरक चिकित्सा सेवाओं को शामिल करने से लोगों को अपनी सेहत सुधारने में मदद मिल सकती है। वैसे भी, जब गैर-संक्रामक रोगों की रोकथाम की तत्काल जरूरत है, आयुर्वेद (आहार और जीवनशैली में बदलाव) और योग (मन और शरीर का तालमेल) पर आधारित स्वास्थ्य देखभाल काफी अहम है। आधुनिक चिकित्सा और आयुष प्रणालियों का एकीकरण जान-माल के भारी नुकसान को रोक सकता है। भारत और विदेश में इस दिशा में पहले से ही कुछ प्रयास चल रहे हैं।

हम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा तभी दे सकते हैं, जब सार्वजनिक स्वास्थ्य का बुनियादी ढांचा मजबूत हो। किसी भी सरकार का मुख्य काम स्वास्थ्य सुरक्षा देना होना चाहिए। ऐसे में, आयुष्मान भारत और राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना को भारतीय ताकत एवं जरूरतों के मद्देनजर बनाया जाना चाहिए, जिसमें स्वास्थ्य आश्वासन संबंधी रणनीतियों में बीमारी की रोकथाम, मानव व्यवहार, पोषण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और बुजुर्ग आबादी की जरूरतों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। मौजूदा मॉडल 'स्वास्थ्य को लेकर खौफ' पैदा करने पर आधारित जान पड़ता है। यह तरीका ज्यादा दिनों तक कारगर नहीं रह सकता। लिहाजा, जब तक आयुष पद्धतियों को तवज्जो देते हुए आयुष्मान भारत और राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया जाएगा, तब तक सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज का लक्ष्य नहीं पाया जा सकेगा।

(लेखक सावित्री बाई फुले पुणे विश्वविद्यालय से जुड़े हैं। ये लेखक के अपने विचार हैं)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

भक्ति योग की साधना करने में सरकल है किन्तु सब से नहीं बन सकती। शुद्ध आचारवान व्यक्ति ही भक्ति के अधिकारी हैं। भजन, कीर्तन और भगवान में अतिशय प्रेम भी एक प्रकार की भक्ति है, जिसकेसब समान रूप से अधिकारी हैं। भक्ति तीन प्रकार की बताई गई है। सामान्य भक्ति, पराभक्ति और परमा या प्रेमाभक्ति। पवित्र ग्रंथों के अद्ययन और संतों के संग से सामान्य भक्ति का विकास होता है। आध्यात्मिक पूर्णता की प्राप्ति के लिए की जाने वाली भक्ति का नाम है -पराभक्ति। पराभक्ति मुक्ति प्राप्त करने का साधन है। परा भक्ति से साधक को भगवान की करुणा और कृपा प्राप्त होती है। उसके फलस्वरूप एक बार प्रभु के स्वरूप का दर्शन पाकर साधक के मन में अनवरत रूप से उस दर्शन को प्राप्त करते रहने की लालसा जागती है। इसी तीव्र लालसा का नाम है-परमा भक्ति। तत्पश्चात तो साधक का भगवान केसाथ संयोग हो जाता है। प्रेमाभक्ति से प्राप्त होने वाले परम सुख सागर के एक परमाणु की भी ज्ञान द्वारा ब्रह्मानन्द से तुलना नहीं की जा सकती। प्रेम की उत्पत्ति सबसे पहले श्रद्धा से शुरू होती है, फिर साधु संग, भजन क्रिया, निष्ठा, विश्वास, रुचि, आसक्ति तथा भाव और अन्त में पूजा आदि क्रिया करना। सदैव भगवान का चिंतन करना, स्मरण और ध्यान करना, भगवान में अखंड विश्वास, अनवरत उनकी स्मृति का नाम उपासना है। उपासना की सफलता के लिए भगवान के प्रति अत्यधिक प्रेम होना आवश्यक है। उपासना में सबसे अधिक आवश्यकत है भगवत् प्रेम की। **क्रमशः**

जागरूक Selfie विद डॉटर

नविका डॉटर आसू - प्रवीण कंडवाल, जयपुर

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

झलक : मुस्कान की

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

धर कुछ ज्यादा ही समझदार हुआ इन्सान। आदत सी हो गई न हंसने की। आफत में पड़ी जान मुस्कान की।

राजाओं के दरबार में कदर थी, कभी मसखरों की। विदुषकों की चुटकियों पर लगते थे राजसभाओं में ठहाके। थम गई मनोविनोद की वह रसलहरी।

गुलशन गुलशन खिलतीं, अब भी फूलों की कतारें।त कांटों की लौ मगरबाज न आती अपनी फितरत से। दंश के आगोश में जीना जिनका शौक हुआ। दहशत की चादर ओढ़े बिना, उनकी गुजर कहां? आयोजन विवाह का हो, उत्सव का या मातम का। गंभीरता का लबादा सयानेपन को छोड़ता नहीं।

समारोहों में फोटो वाले को कहना पड़ता है,क्लोसअप दीजिए। प्लीज स्माइल। क्या लाभ उन तस्वीरों का जिनमें सूरतों के पीछे छिपी बनावट छिटकती नहीं। झरोखा कुतूहल का। जिनमें रोना भी कृत्रिम, हंसी भी बनावटी। देखकर निसर्ग की निश्छल आंखें क्यों न छलक जाये?

पिछले वर्षोंलाफ्टर चैनलों की रही बड़ी धूम। जहां चेहरे पर सहज मुस्कान लाने के सारे नुस्खे हुए नाकाम। फिर लिया गया सहारा अश्लीलता का। कितना मुनासिब। जग जाने। यही हाल तथाकथित कवि सम्मेलनों का। मुशायरों का। जिनमें कविता कम। चुटकले ज्यादा। श्रोताओं के सुनने की सहजता भी ओहदों की ओट में सिमट चली। कुछ हंसे भी तो जैसे बड़ा ऐहसान किया।

साहित्य जीवन का दर्पण। नौ रसों में कोई बचा नहीं, जिसमें हास्य का संपुट न हो। वीर, श्रृंगार, वात्सल्य, विचित्र या भयानक। सभी के वर्णन में हास्य का योग अवश्यमेव। भीम हनुमान आदि का असुरगणों के संहार के हास्य का अंदाज। अवतारों की बाललीला में रमता हास्य। रावण कंस के चरित्रमें पग पग उपजा किरकिरी का हास्य। श्रृंगार में तो अधरों की मधुर मुस्कान के बिना बात आगे बढ़ती ही नहीं।

"अधरं मधुरं वदनं मधुरं।
हसितं मधुरं वदितं मधुरं।।"

कथा दो। प्रहसन दो। भाषण या अभिनय। हंसी के बिना सब कुछ फीका। बड़े पर्दे की अधिकांश सुपरहिट फिल्मों में संवाद हो, गीत हो, सब में हास्य की भूमिका रही अनिवार्य। उधर एक चार्ली चैपलिन हुआ। यहां हर छोटे बड़े अभिनेता ने हास्य के अन्दाज को अपनाया। जानीवॉकर, महमूद, राजेन्द्रनाथ, किशोरकुमार, धूमल, ओमप्रकाश आदि हास्य अभिनेताओं के बूते हुई अनेक फिल्में हिट। अक्षयकुमार तक यह क्रम जारी। सर्कस, नाटक में जोकर या मसखरे का रोल अपरिहार्य। राजकपूर ने मेरा नाम जोकर में जोकर की भूमिका को ही हीरो बना दिया।

जीवन के हर पहलू में खुशी से जुड़ी हंसी। हंसी खुशी से सजे त्यौहार। शादी के गीत, बारात का वर्णन कहां-कहां न बसा हास्य। देवमूर्ति पर झरता स्मित। वहीं दैत्यों के घोर अट्टहास बिना युद्ध भी फीका। हंसी के माहौल से अब भूत-पिशाच भी तो वंचित नहीं। शिवजी की बारात में सजी हास्य की छटा कौन नहीं जानता। हास्य तो ऋषि मुनियों को भी कहां छोड़ता। देवर्षि नारद आदि चरित्र प्रमाण। हंसी की भूमिका समय गुजारने तक सीमित नहीं। खुलकर हंसिए। रोग-शोक से निजात पाइये। न हंसोगे तो तनाव की त्रासदी कैसे मिटेगी?

"बख्शा था नूर कुदरत ने हसीं चेहरों को,
लबों को मगर ये नज़राना गवारा न हुआ।
दुश्वार हुआ अब वो लम्हों का मुस्कराना,
फ़िक्र गोया जमाने भर की बेलगाम हुई।"

यह 'झलक' निर्मल अधरों की निश्छल मुस्कान के नाम। अस्तु। **-तुषार 'निरपेक्ष'**

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय
शास्त्री
अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 12/01/2022

सूर्योदय : 07:25 **सूर्यास्त :** 17:37 **चन्द्रोदय :** 13:27 **चन्द्रास्त :** 02:26 **शक सम्वत :** 1943 पलवा **अमान्ता महीना :** पौष **पूर्णिमांत :** पौष **सूर्य राशि :** धनु **चन्द्र राशि :** मेष **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** दशमी, 16:51 तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1943 प्लव **द्रिक ऋतु :** शिशिर **द्रिक अयन :** उत्तरायण **चन्द्रमास :** पौष - पूर्णिमान्त **पौष -** अमान्त **विक्रम सम्वत :** 2078 आनन्द **गुजराती सम्वत :** 2078 प्रमादी

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : भरणी, 14:00 तक
योग : साध्य, 11:29 तक
प्रथम करण : गारा, 16:51 तक
द्वितिय करण : वणिजा, 30:10 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	: 05:27 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	: 05:54 ए एम
अभिजित मुहूर्त	: कोई नहीं
विजय मुहूर्त	: 02:14 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	: 05:33 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	: 05:44 पी एम से
अमृत काल	: 08:38 ए एम से
निशिता मुहूर्त	: 12:02 ए एम,
सर्वार्थ सिद्धि योग	: 02:00 पी एम से
रवि योग	: पूरे दिन

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : पूर्व , दक्षिण
कुंभ चक्र: दक्षिण, पश्चिम

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 07:25 - 08:41	उद्वेग	: 05:36 - 07:19
अमृत	: 08:41 - 09:57	शुभ	: 07:19 - 09:03
काल काल वेला	: 09:57 - 11:14	अमृत	: 09:03 - 10:47
शुभ	: 11:14 - 12:30	चार	: 10:47 - 12:30
रोग वार वेला	: 12:30 - 01:47	रोग	: 12:30 - 02:14
उद्वेग	: 01:47 - 03:03	काल	: 02:14 - 03:57
चार	: 03:03 - 04:19	लाभ	: 03:57 - 05:41
लाभ	: 04:19 - 05:36	उद्वेग	: 05:41 - 07:24

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज दशमी तिथि

राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है। ऋण कतई नहीं देना चाहिए।

बुधवार को क्या करें

फायदेमंद तिल

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

पौष, शुक्ल, दशमी, 2078 बुधवार, 12 जनवरी - 18 जनवरी, 2022

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

मानसिक शांति के लिए किए गए प्रयास सफल रहेंगे। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। किसी धार्मिक यात्रा की योजना बनेगी।

वृषभ ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

वाहन व मशीनरी इत्यादि के प्रयोग में लापरवाही न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा।

मिथुन क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह

कार्यक्षेत्र के लिए नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। बिगड़े काम बन सकते हैं। समाजसेवा करने का मन बनेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

कर्क हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे

शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कारोबार अच्छा चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

साझेदारी के कारोबार में अप्रत्याशित धन लाभ की प्राप्ति होगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। परिवार से जुड़ी बड़ी जिम्मेदारी को समय पर निभा देने पर संतोष का अनुभव करेंगे।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

किसी तरह से बड़ा लाभ होने की संभावना है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। किसी तरह के विवाद में विजय प्राप्त होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,या,यी,यू

भावना में बहकर महत्वपूर्ण निर्णय न लें। नौकरी में कार्यभार रहेगा। लाभ होगा। स्वास्थ्यतक। संबंध में लापरवाही न करें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। दु:खद समाचार मिल सकता है।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

कारोबार में सफलता के शुभ संकेत मिलेंगे। सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में विशेष रूप से सहभागिता रहेगी। सप्ताह के मध्य में व्यवसाय के संबंध में छोटी या लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है।

मकर भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,

मनपसंद व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य उत्साह व लगन से कर पाएगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। धन प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

कुंभ गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा

घर, दुकान, फैक्टरी व शोरूम इत्यादि के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। कारोबार में बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

मीन दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

प्रसन्नता का वातावरण निर्मित होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

हिंदू धर्म में मकर संक्रांति एक प्रमुख पर्व है। भारत के विभिन्न इलाकों में इस त्यौहार को स्थानीय मान्यताओं के अनुसार मनाया जाता है। हर वर्ष सामान्यतः मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जाती है। इस दिन सूर्य उत्तरायण होता है, जबकि उत्तरी गोलार्ध सूर्य की ओर मुड़ जाता है। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार इसी दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। ज्यादातर हिंदू त्यौहारों की गणना चंद्रमा पर आधारित पंचांग के द्वारा की जाती है लेकिन मकर संक्रांति पर्व सूर्य पर आधारित पंचांग की गणना से मनाया जाता है। मकर संक्रांति से ही ऋतु में परिवर्तन होने लगता है। शरद ऋतु क्षीण होने लगती है और बसंत का आगमन शुरू हो जाता है। इसके फलस्वरूप दिन लंबे होने लगते हैं और रातें छोटी हो जाती है।

मकर संक्रांति

भारतीय संस्कृति की झलक...

मकर संक्रांति के माध्यम से भारतीय सभ्यता और संस्कृति की झलक विविध रूपों में दिखती है। मकर संक्रांति हिन्दुओं का प्रमुख त्यौहार है। पूरे भारत में विभिन्न रूपों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाने वाला मकर संक्रांति का पर्व स्नान-दान का पर्व है। आमतौर पर मकर संक्रांति मनाने के पीछे यह मान्यता है कि किसान अपनी अच्छी फसल के लिए भगवान को धन्यवाद देकर उनकी अनुकम्पा को सदैव लोगों पर बनाए रखने का आशीर्वाद मांगते हैं। इसलिए मकर सक्रांति को फसलों एवं किसानों के त्यौहार के रूप में भी जाना जाता है।

मकर संक्रांति के दिन पूर्वजों को तर्पण और तीर्थ स्नान का अपना विशेष महत्व है। इससे देव और पितृ सभी संतुष्ट रहते हैं। सूर्य पूजा से और दान से सूर्य देव की रश्मियों का शुभ प्रभाव मिलता है और अशुभ प्रभाव नष्ट होता है। इस दिन स्नान करते समय स्नान के जल में तिल, आंवला, गंगा जल डालकर स्नान करने से शुभ फल प्राप्त होता है। सूर्य को जगत की आत्मा माना गया है। इसी कारण सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश महत्वपूर्ण माना जाता है। इस एक राशि से दूसरी राशि में किसी ग्रह का प्रवेश संक्रांति कहा जाता है। सूर्य का धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश का नाम ही मकर संक्रांति है। धनु राशि बृहस्पति की राशि है। इसमें सूर्य के रहने पर मलमास होता है। इस राशि से मकर राशि में प्रवेश करते ही मलमास समाप्त होता है और शुभ मांगलिक कार्य हम प्रारंभ करते हैं। मकर संक्रांति का दूसरा नाम उत्तरायण भी है क्योंकि इसी दिन से सूर्य उत्तर की तरफ चलना प्रारंभ करता है।

तारीख का असमंजस

मकर संक्रांति का त्योहार आमतौर पर हर साल 14 जनवरी को मनाया जाता है लेकिन बीते कुछ सालों में मकर संक्रांति को लेकर पेंच फंसता रहा है और इस साल भी यही स्थिति बनी हुई है। सवाल सामने यह आ रहा है कि मकर संक्रांति का त्योहार और दान-पुण्य का मुहूर्त 14 को है या 15 जनवरी को। दरअसर यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि मकर संक्रांति का सीधा संबंध सूर्य से है। दरअसल मकर संक्रांति का त्योहार सूर्य के मकर राशि में आने पर होता है। इस साल कुछ शास्त्रीय मत और वैदिक नियम ऐसे हैं जिनके अनुसार मकर संक्रांति का त्योहार 15 जनवरी को मनाया जाना चाहिए। यह त्यौहार अधिकतर जनवरी माह की 14 तारीख को मनाया जाता है। कभी-कभी यह त्यौहार 12, 13 या 15 को भी हो सकता है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि सूर्य कब धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश करता है।

यह है गणना

जिस काल में सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, ठीक उसी काल या क्षण से लेकर अगले साल यानी 365 दिन, 6 घंटे, 9 मिनट और 10 सेकंड बाद अगली मकरसंक्रांति का त्योहार पड़ता है। हर साल 9 मिनट 10 सेकंड का यह समयकाल इकट्ठा होते जाता है और इस तरह हर 157 साल बाद मकर संक्रांति का त्योहार एक दिन आगे बढ़ जाता है। ग्रेगेरियन कैलेंडर यानी इसवी सन् के जिस साल के शतकपूर्ति (शताब्दी वर्ष) वर्ष में 400 अंक से पूरा भाग नहीं जाता है, उस वर्ष को लीप वर्ष नहीं माना जाता है। हिंदू कैलेंडर और ग्रेगेरियन कैलेंडर के इस समायोजन में हर 400 साल बाद मकर संक्रांति त्योहार एक साथ तीन दिन आगे बढ़ जाता है। इस त्यौहार को अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग नाम से मनाया जाता है। मकर संक्रांति को तमिलनाडु में पोंगल के रूप में तो आंध्रप्रदेश, कर्नाटक व केरला में यह पर्व केवल संक्रान्ति के नाम से जाना जाता है।

पौराणिक मान्यताएं

कहा जाता है कि इस दिन भगवान सूर्य अपने पुत्र शनि से मिलने स्वयं उसके घर जाया करते हैं। शनिदेव चूंकि मकर राशि के स्वामी हैं, अतः इस दिन को मकर संक्रांति के नाम से जाना जाता है। मकर संक्रांति के दिन ही गंगाजी भागीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होकर सागर में जा मिली थीं। यह भी कहा जाता है कि गंगा को धरती पर लाने वाले महाराज भगीरथ ने अपने पूर्वजों के लिए इस दिन तर्पण किया था। उनका तर्पण स्वीकार करने के बाद इस दिन गंगा समुद्र में जाकर मिल गई थी। इसलिए मकर संक्रांति पर गंगा सागर में मेला लगता है। महाभारत काल के महान योद्धा भीष्म पितामह ने भी अपनी देह त्यागने के लिए मकर संक्रांति का ही चयन किया था। इस दिन भगवान विष्णु ने असुरों का अंत कर युद्ध समाप्ति की घोषणा की थी व सभी असुरों के सिरों को मंदार पर्वत में दबा दिया था। इस प्रकार यह दिन बुराइयों और नकारात्मकता को खत्म करने का दिन भी माना जाता है। यशोदा जी ने जब कृष्ण जन्म के लिए व्रत किया था तब सूर्य देवता उत्तरायण काल में पदार्पण कर रहे थे और उस दिन मकर संक्रांति थी।

तिथि को लेकर किसी भी मतभेद के लिए जागरूक जनता उत्तरदायी नहीं है।

विभिन्न प्रदेशों में मकर संक्रांति...

पंजाब और हरियाणा हरियाणा और पंजाब में मकर संक्रांति को लोहड़ी के रूप में 13 जनवरी को मनाया जाता है। इस दिन अंधेरा होते ही आग जलाकर अग्निदेव की पूजा करते हुए तिल, गुड़, चावल और भुने हुए मक्के की आहुति दी जाती है। बहुएं घर-घर जाकर लोकगीत गाती हैं। मूंगफली, तिल की बनी हुई गजक और रेवड़ियां आपस में बांटी जाती है। इस अवसर पर लोग मक्के की रोटी और सरसों के साग का आनंद उठाते हैं।

उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश में इस पर्व को खिचड़ी के रूप में मनाया जाता है, इसलिए इसलिए दिन खिचड़ी खाने और खिलाने का प्रचलन है। खिचड़ी व तिलकुट इत्यादि से बनी चिकी व मिठाइयां खाने के साथ-साथ खिचड़ी व तिल का दान भी दिया जाता है।

तमिलनाडु

इस त्यौहार को तमिलनाडु में पोंगल के रूप में चार दिनों तक मनाया जाता है। पहले दिन कूड़ा करकट इकट्ठा कर जलाया जाता है, दूसरे दिन लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है और तीसरे दिन पशु धन की पूजा की होती है। पोंगल मनाने के लिए स्नान करके खुले आंगन में मिट्टी के बर्तन में खीर बनाई जाती है, जिसे पोंगल कहते हैं। इसके बाद सूर्य देव को नैवैद्य चढ़ाया जाता है। इस दिन बेटी और दामाद का विशेष रूप से स्वागत किया जाता है।

बिहार बिहार में मकर संक्रांति को खिचड़ी और मकर सक्रांति के नाम से जाना जाता है। इस दिन उड़द, चावल, तिल, चिवड़ा, गौ, स्वर्ण, ऊनी वस्त्र, कम्बल आदि दान करने की मान्यता है।

महाराष्ट्र इस दिन नव विवाहिताएं अपनी पहली संक्रांति पर कपास, तेल व नमक आदि चीजें अन्य सुहागिन महिलाओं को दान करती हैं साथ ही तिल-गुड़ व तिल व शक्कर से बने हलवे को बांटने की प्रथा भी है।

प.बंगाल: पश्चिम बंगाल में इस अवसर पर गंगा सागर स्नान के लिए प्रत्येक वर्ष विशाल मेला लगता है। इस पर्व पर स्नान के बाद तिल दान करने की प्रथा है। मान्यता यह भी है कि इस दिन यशोदा ने श्रीकृष्ण को प्राप्त करने के लिए व्रत किया था। लोग बहुत कष्ट उठाकर गंगा सागर की यात्रा करते हैं। कहा जाता है कि सारे तीरथ बार बार, गंगा सागर एक बार।

राजस्थान: राजस्थान में इस पर्व पर सुहागन महिलाएं अपनी सास को भेंट देकर आशीर्वाद प्राप्त करती हैं। साथ ही महिलाएं किसी भी सौभाग्यसूचक वस्तु का चौदह की संख्या में पूजन एवं संकल्प कर चौदह ब्राह्मणों को दान देती हैं।

आंध्र प्रदेश: आंध्र प्रदेश में इस पर्व को उगादि संक्रांति भी कहा जाता है। केरल में इस दिन विलाक्कू महोत्सव सबरीमला मंदिर में होता है। इसके अतिरिक्त अन्य राज्यों झारखंड, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, गोवा, सिक्किम में इसे मकर सक्रांति या सक्रांति के रूप में मनाया जाता है। इस प्रकार मकर संक्रांति के माध्यम से भारतीय सभ्यता और संस्कृति की झलक विविध रूपों में दिखती है।

जीवन जीने की कला...

भगवान बुद्ध ने जीवन जीने की कला बताई। उन्होंने किसी संप्रदाय की स्थापना नहीं की। उन्होंने अपने शिष्यों को मिथ्या कर्म-कांड नहीं सिखाए। बल्कि, उन्होंने भीतर की नैसर्गिक सच्चाई को देखना सिखाया। हम अज्ञानवश प्रतिक्रिया करते रहते हैं, अपनी हानि करते हैं औरों की भी हानि करते हैं। जब सच्चाई को जैसी-है-वैसी देखने की प्रज्ञा जागृत होती है तो अंध प्रतिक्रिया का स्वभाव दूर होता है।

तब हम सही क्रिया करते हैं—ऐसा काम जिसका उगम सच्चाई को देखने और समझने वाले संतुलित चित्त में होता है। ऐसा काम सकारात्मक एवं सृजनात्मक होता है, आत्महितकारी एवं परहितकारी। आवश्यक है, खुद को जानना, जो कि हर संत पुरुष की शिक्षा है।

केवल कल्पना, विचार या अनुमान के बौद्धिक स्तर पर नहीं, भावुक होकर या भक्तिभाव के कारण नहीं, जो सुना या पढ़ा उसके प्रति अंधमान्यता के कारण नहीं। ऐसा ज्ञान किसी काम का नहीं है। हमें सच्चाई को अनुभव के स्तर पर जानना चाहिए। शरीर एवं मन के परस्पर संबंध का प्रत्यक्ष अनुभव होना चाहिए। इसी से हम दुःख से मुक्ति पा सकते हैं।

क्या है विपश्यना

अपने बारे में इस क्षण का जो सत्य है, जैसा भी है उसे ठीक वैसा ही, उसके सही स्वभाव में देखना समझना, यही विपश्यना है। विपश्यना का अर्थ है जो चीज जैसी है उसे वैसी उसके सही रूप में देखना, न कि केवल जैसा उपर उपर से प्रतित होता है। भासमान सत्य के परे जाकर समग्र शरीर एवं मन के बारे में परमार्थ सत्य को जानना आवश्यक है।

जब हम उस सच्चाई का अनुभव करते हैं तब हमारा अंध प्रतिक्रिया करने का स्वभाव बदल जाता है, विकारों का प्रजनन बंद होता है, और अपने आप पुराने विकारों का निर्मूलन होता है।

हम दुखों से छुटकारा पाते हैं एवं सही सुख का अनुभव करने लगते हैं। विपश्यना के तीन सोपान हैं।

पहला सोपान

ऐसे शारीरिक एवं वाचिक कर्मों से विरत रहो, जिनसे औरों की सुख-शांति भंग होती हो। विकारों से मुक्ति पाने का अभ्यास हम नहीं कर सकते अगर दूसरी ओर हमारे शारीरिक एवं वाचिक कर्म ऐसे हैं जिससे की विकारों का संवर्धन हो रहा हो। इसलिए, शील की आचार संहिता इस अभ्यास का पहला महत्वपूर्ण सोपान है। जीव-हत्या, चोरी, कामसंबंधी मिथ्याचार, असत्य भाषण एवं नशे के सेवन से विरत रहना—इन शीलों का पालन निष्ठापूर्वक करने का निर्धार करते हैं। शील पालन के कारण मन कुछ हद तक शांत हो जाता है और आगे का काम करना संभव होता है।

दूसरा सोपान

विपश्यना का दूसरा सोपान है, इस जंगली मन को एक (सांस के) आलंबन पर लगाकर वश में करना। जितना हो सके उतना समय लगातार मन को सांस पर टिकाने अभ्यास करना होता है। यह सांस की कसरत नहीं है, सांस का नियमन नहीं करते। बल्कि, नैसर्गिक सांस को देखना होता है, जैसा है वैसा, जैसे भी भीतर आ रहा हो, जैसे भी बाहर जा रहा हो। इस तरह मन और भी शांत हो जाता है और तीव्र विकारों से अभिभूत नहीं होता। साथ ही साथ, मन एकाग्र हो जाता है, तीक्ष्ण हो जाता है, प्रज्ञा के काम के लायक हो जाता है।

तीसरा सोपान

शील एवं मन को वश में करने के यह दो सोपान अपने आपमें आवश्यक भी हैं और लाभदायी भी। लेकिन अगर हम तीसरा कदम नहीं उठाएंगे तो विकारों का दमन मात्र हो कर रह जाएगा। यह तीसरा कदम, तीसरा सोपान है अपने बारे में सच्चाई को जानकर विकारों का निर्मूलन द्वारा मन की शुद्धता। यह विपश्यना है—संवेदना के रूप में प्रकट होने वाले सतत परिवर्तनशील मन एवं शरीर के परस्पर संबंध को सुव्यवस्थित विधि से एवं समता के साथ देखते हुए अपने बारे में सच्चाई का अनुभव करना। यह भगवान बुद्ध की शिक्षा का चरमबिंदु है—आत्मनिरीक्षण द्वारा आत्मशुद्धि।

उपाय सभी के लिए

विपश्यना का अभ्यास सभी कर सकते हैं। सभी दुखियारे हैं। इस सार्वजनीन रोग का इलाज भी सार्वजनीन होना चाहिए, सांप्रदायिक नहीं। जब कोई क्रोध से पीड़ित होता है तो वह बौद्ध क्रोध, हिंदू क्रोध, मुस्लिम क्रोध या ईसाई क्रोध नहीं होता। क्रोध क्रोध है क्रोध के कारण जो व्याकुलता आती है, उसे ईसाई, यहुदी या मुस्लिम व्याकुलता नहीं कहा जा सकता। रोग सार्वजनीन है। इलाज भी सार्वजनीन होना चाहिए। विपश्यना ऐसा ही सार्वजनीन उपाय है। औरों की सुख-शांति भंग न करने वाले शील के पालन का कोई विरोध नहीं करेगा। मन को वश करने के अभ्यास का कोई विरोध नहीं करेगा। अपने बारे में सच्चाई जानने वाली प्रज्ञा का, जिससे कि मन के विकार दूर होते है, कोई विरोध नहीं करेगा। विपश्यना सार्वजनीन विद्या है।

मावठ, ओलावृष्टि से रबी फसलों को नुकसान

मौसम की अठखेली से रबी नासाज

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पश्चिमी विभोक्ष के सक्रिय रहने से प्रदेश के अधिकांश जिलों में पखवाडे भर से मौसम गुगली खेल रहा है। कहीं बारिश तो कहीं ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ाई हुई है। तो कोई शीतलहर के नासूर से दु:खी है। पिछले दो-चार दिनों से सूर्यदेव के दर्शन यदा-कदा ही हो पा रहे है। इस कारण ठिठुरन बढ़ रही है। तापमान में गिरावट और मौसम में नमी आने के साथ चल रही ठण्डी बयार से फसलों को भी नुकसान पहुंच रहा है। मौसम में आर्द्रता बढ़ने से सरसों की फसल में तनागलन और सफेदरोली रोग प्रकोप की संभावनाओं को बल मिला है। वहीं, अमरूद उत्पादक किसान भी इस मौसम से दु:खी हो चले है। क्योंकि, समय पूर्व ही अमरूद पीले पड़ना शुरू हो गए है। इससे फलों का उचित बाजार भाव नहीं मिल पा रहा है। साथ ही, टमाटर, मिर्च, बैंगन सहित दूसरी सब्जियो के साथ-साथ पपीता की फसल को भी ओला-बारिश से नुकसान के समाचार है। मौसम की स्थिति को देखते हुए राष्ट्रीय राई-सरसों अनुसंधान निदेशालय के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को तनागलन और सफेद रोली रोग नियंत्रण को लेकर सलाह जारी की है। वैज्ञानिकों के अनुसार भरतपुर, दौसा, सवाईमाधोपुर, अलवर आदि जिलों में प्रारम्भिक तौर पर इन रोगों का प्रकोप सरसों की फसल में नजर आने लगा है। ऐसे में मौसम खुलने के साथ ही नियंत्रण के उपाय अपनाने की बात वैज्ञानिकों ने किसानों से कही है। गौरतलब है कि यह दोनों रोग फसल के उत्पादन के साथ उत्पादकता को गिराने में मुख्य भूमिका निभाते है। निदेशालय के वैज्ञानिक डॉ. पंकज शर्मा ने बताया कि अब सरसों उत्पादक किसान फसल में सिंचाई नहीं करें। क्योंकि, सरसों को पकाव तक पहुंचाने के लिए पर्याप्त बारिश हो चुकी है। भूमि में ज्यादा नमी से तना गलन रोग को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने बताया कि जहां हल्की मृदा है, उन क्षेत्रों के किसान जरूरत होने पर पकाव के समय फसल में सिंचाई कर सकते है।

क्या है सफेद रोली

सरसों अनुसंधान निदेशालय के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पंकज शर्मा ने बताया कि सफेद रोली सरसों का बीज -भूमि जनित रोग है। इसके कारण पत्तियों की सतह पर सफेद रंग के उभरे हुए फफोले दिखाई देते हैं। फफोलों के फटने पर सफेद चूर्ण पत्तियों पर फैल जाता है। पीले रंग के धब्बे आपस में मिलकर पत्तियों को पूरी तरह से ढक लेते हैं। इससे पुष्पीय भाग और फलियां पूरी तरह से विकृत हो जाती हैं। जिससे फलियों में बीज नहीं बन पाता है। इसके अलवा कड़ाके की इस सर्दी में तुलासिता रोग भी फैलता है। इस रोग में सरसों की पत्तियों की निचली सतह पर बैंगनी-भूरे रंग के धब्बे बनते है। यह रोग तीव्रता से फैलता है। इससे फसल के फूल नष्ट हो जाते है।

ऐसे लगता है रोग

कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार बीजोपचार के अभाव में यह रोग सरसों की फसल में जाता है। नमी के बाद बढ़ते तापमान और आर्द्रता के कारण यह रोग और अधिक बढ़ता है। मौसम में एक साथ अधिक नमी आने पर सरसों में तना गलन का रोग भी आने की संभावना अधिक रहती है। इसके बचाव के लिए किसानों को फसल में कीटनाशक दवाई का छिडक़ाव करना चाहिए। बुवाई के समय ही विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

यह करें उपचार

» **सरसों में सफेद रोली :** सरसों में सफेद रोली की रोकथाम के लिए रिडोमिल 2 ग्राम प्रति लीटर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

» **तनागलन:** इस रोग के नियंत्रण के लिए कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम प्रति लीटर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

» **छाछ्या रोग :** डॉ. तखत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि तेज हवा से जीरे की फसल में चरमा (झुलसा- ब्लाईट) और छाछ्या रोग तेजी से फैलने की संभावना हैं। झुलसा- ब्लाईट रोग नियंत्रण के लिए किसान मैन्कोजेब 0.2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। छाछ्या रोग नियंत्रण के लिए प्रति हैक्टयर 35 किलोग्राम गंधक चूर्ण का भुरकाव अथवा घुलनशील गंधक 0.2 ' घोल (2 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करें।

» **चने में लट नियंत्रण :** चने की फसल में फलीछेदक लट नियंत्रण के लिए क्यूनालफॉस डेढ़ प्रतिशत चूर्ण 25 किलो की दर से प्रति हैक्टयर में भुरकाव करें।

» **लहसुन में डाउनी मिल्ड्यू :** लहसुन में डाउनी मिल्ड्यू रोग और कुकडियाँ कीट प्रकोप के कारण फसल प्रभावित हो रही है। रोग-कीट नियंत्रण के लिए मेटालेक्सिल 35 प्रतिशत और एसिफेट 75 प्रतिशत 500-500 ग्राम का मिश्रण प्रति हैक्टयर के हिसाब से छिड़काव करें।

» **पाला पड़ने पर यह करें उपाय :** पाले से बचाव के लिए सबसे पहले हल्की सिंचाई करनी चाहिए। रात दस बजे के बाद खेत के उत्तर और पश्चिम दिशा में मेड़ों पर धुआं करके पाले के प्रभाव को कम किया जा सकता है। इसके अलावा सल्फर डस्ट 8 से 10 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से खेत में भुरकाव, थायो यूरिया 15 ग्राम प्रति पंप (पन्द्रह लीटर पानी) अथवा 150 ग्राम का डेढ सौ लीटर पानी के साथ छिड़काव करके भी पाले के प्रभाव को कम किया जा सकता है। यदि फसल पाले की चपेट में आ चुकी है तो तुरंत 25 से 30 ग्राम ग्लूकोज प्रति पंप (पन्द्रह लीटर पानी) की दर से प्रभावित फसल पर छिड़काव किया जा सकता है।

बिगड़ा रहेगा मौसम का मिजाज

मौसम विभाग का कहना है कि अगले 2 से 3 दिन तक और यह मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रह सकता है। कई जिलों में हल्की बारिश हो सकती है । हालांकि, तापमान मं बढौत्तरी दर्ज होने लगी है। लेकिन, जैसे ही मौसम खुलेगा उसके बाद फिर न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी और ठंड का एहसास होगा। उल्लेखनीय है कि मावठ की बारिश अजमेर, श्रीगंगानगर, झालावाड़, कोटा, बारां, जयपुर बूंदी, जैसलमेर, बीकानेर, सवाईमाधोपुर, धौलपुर आदि जिलों को भिगों चुकी है। वहीं, राजधानी जयपुर सहित कई जिलों में हल्की ओलावृष्टि भी हुई है। इससे रबी फसलों का नुकसान पहुंचा है।

बढ़ गए सब्जियों के दाम

आम तौर पर हर साल दिसम्बर माह के अंत में रसोई तक भी सब्जियां भरपूर मात्रा में पहुंचती थी। लेकिन इस बार पाला, बारिश और ओलो की मार ने सब्जी फसलों के दाम बढ़ा दिए है। मौसम में आए बदलाव का असर सब्जियों की गुणवत्ता पर भी पड़ा है। फिलहाल भाव कम होने की आंशका कम है। कुछ तापमन बढने पर गोभी की आवक दोबारा बढ़ेगी। टमाटर की नई फसल को आने में अभी थोड़ा वक्त लगेगा। मटर की फसल तो पूरी तरह खराब हो चुकी है।

समय से पहले पकने लगे अमरूद

कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा के उद्यानिकी वैज्ञानिक डॉ. रामराज मीणा ने बताया कि किसानों ने बताया कि बादल छाने पर अमरूद खराब होने लगते हैं। फल पीले पड़ जाते हैं। जिससे गुणवत्ता कमजोर होने से बाजार में दाम अच्छे नहीं मिलते। अमरूदों को अच्छी पैदावार के लिए ठंडे और साफ मौसम की जरूरत रहती है। मौसम साफ नहीं होने से अमरूद खराब होने लगता है। खासकर बादल छाने पर समस्या अधिक आती है। तेज सर्दी और खिली धूप निकलने पर फसल अच्छी होती है। अमरूद की मिठास भी बढ़ जाती है, लेकिन बादल छाए रहने पर अमरूद में मिठास भी नहीं होती।

रबी फसलों की बुवाई सम्पन्न

रबी फसलों की बुवाई लक्ष्य को छू लिया है। एक करोड़ 80 हजार हैक्टयर की तुलना में इस साल रबी फसलों की बुवाई एक करोड़ 30 हजार हैक्टयर क्षेत्र में दर्ज हुई है। हालांकि, रबी फसलों के बुवाई आंकड़े में अभी घटत-बढ़त से इंकार नहीं किया जा सकता है। कृषि विभाग के अनुसार इस साल गेहूं की बुवाई लक्ष्य से पिछड़ गई है।

फसल	बुवाई	फसल	बुवाई
गेहूं	27.15	जौ	3.15
चना	20.41	सरसों	33.87
तारामीरा	1.40	अलसी	0.06

फसल बुवाई क्षेत्र लाख हैक्टयर में।

कृषि विभाग की व्हाट्सएप ग्रुप पहल

किसानों को मिल रहा लाभ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सहरिया जनजाति इलाके में कृषि विभाग की कारगार पहल किसानों के लिए मददगार बन चुकी है। इस क्षेत्र में यह कार्य बहुत बड़ी उपलब्धि है। कोरोनकाल में लॉकडाउन के दौरान बनाये विभाग के नीरज शर्मा द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप आज भी किसानों को दोहरा लाभ दे रहा है। किसान अपने घर बैठे ही खेती बाड़ी संबंधी समस्याओं के समाधान पा रहे हैं।

इस पहल से किसानों को फायदा

इस कोरोना के चलते किसान अपने घरों को कम ही छोड़ पा रहे है, कभी-कभी किसान समय के अभाव में कृषि विभाग कार्यलय में भी नही पहुँच पाते। बारिश के कारण नदी-नाले पार करने में परेशानी व पेट्रोल के भाव भी ज्यादा होने से किसान कार्यलय नही पहुँच पाते ऐसे में यह पहल काफी कारगार साबित हो रही।कृषि विभाग समाजिक समरक्ता में सरकार का सहयोग करता आ रहा है,कोरोनकाल में स्टाफ द्वारा मुख्यमंत्री फंड में राशि दान दी।

फसल बुवाई से लेकर फसल कटाई, दवाई तक की सूचना आसानी से मिल रही

शर्मा द्वारा 3 जून 2020 को अपने फ्रोन से व्हाट्सएप ग्रुप बनाया। जिसमें क्षेत्र के कृषि सुपरवाइजरों को ग्रुप से जोड़कर उनके कृषि सुपरवाइजर क्षेत्र में आने वाले किसानों को उस ग्रुप में जोड़ने को कहा- सब ने टीम भावना से काम किया। धीरे धीरे किसान जुड़ते गए उनके कृषि संबंधी जो भी प्रश्न इस ग्रुप में आए उनका समाधान किया।

कृषि से संबंधित हर समस्या का समाधान किसानो को मिल रहा।

बीज खाद का अनुदान, कृषि यंत्र के माध्यम से उन्नत तरीके से खेती अधिक उपज, फसलों में लगे रोग के समाधान, कृषि प्रशिक्षण, फसल बीमा, खेत तलाई, बागवानी खेती, सिंचाई पाइपलाइन योजनाओं जैसी विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत कराया जा रहा है।

कृषि विभाग का सहरानीय प्रयास

अभी तक 350 किसानों को ग्रुप से जोड़ लिया गया ओर भी किसानों को जोड़ेंगे, कोरोनकाल में किसानों के लिए यह कारगार पहल है, आज के युग किसान अवेयर हो रहे है,छोटे छोटे गाँवो में यह विभाग के लिए बहुत बड़ा टास्क था मगर विभाग की टीम द्वारा मेहनत की गयी,गांव-गांव जाकर किसानों को जोड़ा गया।

कश्मीर के सेबों की जोधपुर में होगी बागवानी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने नवाचार करते हुए जम्मू कश्मीर में पैदा होने वाली सेब जल्दी ही कृषि विष्वविद्यालय, जोधपुर के प्रयासों से विष्वविद्यालय के अधीन छः जिलों में आने वाले समय में पैदा होगी। जम्मू कष्मीर में समर एप्पल के नाम से मषहूर किस्म एचआरएमएन-99 को कृषि विष्वविद्यालय, जोधपुर ने नवाचार के रूप मे लेते हुऐ प्रग्रतिषील किसानों के साथ-साथ कृषि विज्ञान केन्द्रों यथा गुडामालानी, सिरोही, मौलासर, अठियासन, फलोदी एवं केषवाना तथा कृषि अनुसंधान केन्द्र मंडोर-जोधपुर, केषवाना-जालोर एवं उप केन्द्रों सहित कृषि महाविद्यालय-नागौर एवं सुमेरपुर में सेब का पौधोरोपण माह दिसम्बर मे किया गया है। कृषि विष्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा इस किस्म के 1000 पौधे जम्मू से लाकर पष्चिमी राजस्थान मे नवाचार के रूप मे लगभग 10 हेक्टेयर मे 4 गुणा 3 मीटर की दूरी मे लगाई गई एवं अगले वर्ष मई जून मे फल का उत्पादन प्रारंभ होगा। सामान्य पानी मे पनपने वाले इस पौधे को सर्दी मे प्रति सप्ताह, एक बार तथा गर्मी मे दो बार पानी की जरूरत रहती है। साथ ही उक्त पौधा लगभग 44-45 डिग्री सेल्सियस तक तापमान सहन करने की क्षमता रखता है। प्रथम वर्ष प्रति पौधा सात से आठ किलो फल लगने की संभावना है तथा पौधे की आयु 25 वर्ष तक है। वर्तमान मे कृषि विष्वविद्यालय, जोधपुर के अधीन सभी केन्द्रों के साथ विभिन्न प्रगतिषील किसानों के यहां पर अच्छे तरह से यह पौधा पनप रहा है एवं इनमे फूटान भी अच्छी अवस्था मे हो रहा है।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 123 रोगी लाभान्वित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमूं। जीवन सुरक्षा एवं पर्यावरण रक्षा संस्था के तत्वावधान में नवा निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं दवा वितरण शिविर मोहित गेस्ट हाउस सीतापुरा में कोरोना महामारी की सरकारी एडवाइजरी का पालन करते हुए संस्था अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा एवं संयोजक मोहनलाल शर्मा के सानिध्य में संपन्न हुआ। शिविर में डॉक्टर मुकेश सोनी, डॉ विश्वास शर्मा डॉक्टर नीरज यादव, मुकेश शर्मा एवं टीम ने निशुल्क परामर्श दिया एवं 123 जनों को निःशुल्क दवा वितरित की गई। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा ने कोरोना की तीसरी लहर से बचने के लिए सभी से सरकारी एडवाइजरी का पालन करते हुए मास्क का नियमित इस्तेमाल करते हुए सोशल डिस्टेंसिंग की पालना करने एवं अत्यावश्यक ना होने पर भीड़-भाड़ से बचकर इस जंग में प्रशासन का सहयोग करने का आग्रह किय। कार्यक्रम संयोजक एवं सांगानेर तहसील अध्यक्ष मोहन लाल शर्मा ने चिकित्सकों का संस्था की ओर से अभिनंदन किया।

जागरूक खबरें

जनरल फैंसी फुटवियर स्टेशनरी व्यापार मंडल की कार्यकारिणी हुई गठित

चौमूं @ जागरूक जनता। जनरल फैंसी फुटवियर स्टेशनरी व्यापार मंडल की बैठक हुई इसमें अध्यक्ष पदम चंद बड़जात्या लाला राम गुलिया मनीष गोयल ने कार्यकारिणी का विस्तार किया। जिसमें निम्न प्रकार से सभी को जिम्मेदारी दी गई और अध्यक्ष आदेश अनुसार मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यकारिणी बनाई गई कार्यकारिणी निम्न अनुसार बनाई गई है। अध्यक्ष पदमचंद जैन बड़जात्या महामंत्री लालाराम गुलिया संरक्षक मोहनलाल तवर संरक्षक घासी लाल सैनी उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल उपाध्यक्ष मदन लाल सैनी संगठन मंत्री ओम प्रकाश सैनी राजेंद्र कासलीवाल राजेश गुलिया कोषाध्यक्ष गोपाल झालानी सह कोषाध्यक्ष दिनेश मोदी सह मंत्री हरीश नेनवानी सागर गोरा यूनुस खान मीडिया प्रभारी पवन सोनी महेश बजाज को नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी में मुकेश मोदी कैलाश लौछब मदन लाल बिजारणिया बाबूलाल सिंधी राजेंद्र डँगायच आदित्येंद्रजीत शर्मा राजेश जैन प्रवीण खटोड़ राजेंद्र शर्मा दिनेश चतुर्वेदी राम बाबू माहेश्वरी घनश्याम अग्रवाल सिंबूबजाज इन सभी को कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों का माला पहना कर मिठाई खिलाकर सम्मान किया गया।

"कोरोना सम्प्रसारण प्रभाव, रोकथाम व बचाव पर जनजागरूकता के लिए भारत की तैयारी" का समापन आज

पिंडवाड़ा @ जागरूक जनता। स्थानीय विद्यालय के छात्र प्रांजल अग्रवाल ने राष्ट्रीय कला उत्सव में जयपुर से वर्चुअल सहभागिता की। छात्र ने प्रभारी खुशवन्त कुमार माली के निर्देशन में "कोरोना सम्प्रसारण प्रभाव, रोकथाम व बचाव पर जनजागरूकता के लिए भारत की तैयारी" शीर्षक पर त्रि-आयामी दृश्य कला में राजस्थान राज्य पाठ्य पुस्तक मंडल जयपुर के डिजिटल केन्द्र से एनसीईआरटी दिल्ली को अपनी प्रस्तुति दी। दिनांक 1 से 12 जनवरी तक आयोजित इस आयोजन में 5 व 6 तक दो दिन चली प्रतियोगिता में प्रस्तुति दी। विभिन्न विधाओं में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त छात्र- छात्रा राष्ट्रीय स्तर के लिए सहभागिता कर रहे है। इस अवसर पर राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को प्रभारियों सह पारितोषिक प्रदान किये गए। छात्र के विद्यालय लौटने पर सादे कार्यक्रम में संस्थाप्रधान श्याम सुन्दर व्यास ने बधाई व शुभकामनाएँ दी। व्यास ने विचार रखते हुए कला के महत्व, उपादेयता और अधिगम में उपयोग पर जोर दिया। ज्यादा से ज्यादा सहभागिता कर जीवन में आगे बढ़ने व नवीन कीर्तिमान गढ़ने की प्रेरणा दी। इस पर विद्यालय में हर्ष व उत्साह का माहौल छाया रहा। जिसमें व्याख्याता- जितेन्द्र रावल,राकेश कुमार सोलंकी और ममता व्यास, ताराचंद भार्गव, हरीश मीणा, मुकेश कुमार, मुबारक हुसैन,निर्मला कोली आदि शिक्षकगण व प्रयोगशाला सहायक भैराराम, नरसाराम गरासिया तथा कनिष्ठ सहायक राकेश कुमार उपस्थित रहे।

31 मार्च तक बढ़ाई योजना अवधि

जयपुर @ जागरूक जनता। सभी विद्युत डिस्कॉम की ओर से एक मुश्त राशि जमा कराने पर दी जाने वाली ब्याज में छूट सहित सतर्कता जांच के जुर्माना राशि के निस्तारण के लिए लागू योजनाओं की अवधि को बढ़ाकर 31 मार्च किया गया है। योजना के तहत कृषि श्रेणी के उपभोक्ता के बकाया राशि का शत-प्रतिशत जमा कराने पर 31 मार्च 2021 तक की बकाया राशि पर लगे विलंब शुल्क में छूट प्रदान की जाएगी।

बारां के शेरगढ़ में लेपर्ड के बीच रहेंगे 5 अफ्रीकी चीते

टूरिस्ट करेंगे बोटिंग, जंगल सफारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बारां। राजस्थान के जंगलों में पहली बार चीते देखने को मिलेंगे। बारां की शेरगढ़ सेंचुरी में 5 अफ्रीकी चीते छोड़े जाएंगे। इसको लेकर प्रोसेस शुरू हो चुका है। शेरगढ़ में परिस्थितियां जैसे घास के मैदान, प्रे-बेस आदि चीते के अनुकूल हैं। वहीं यहां परवन नदी में बोटिंग के साथ रियासत कालीन शिकारगाह नाहरिया माला से 3 किमी जंगल सफारी कराई जाएगी। पर्यटक बोटिंग से लेकर जंगल सफारी को एन्जॉय कर सकेंगे। वन विभाग की ओर से इसकी तैयारियां की जा रही हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि अफ्रीका से 5 चीते लाए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश के कूनो पालपुर के बाद शेरगढ़ में चीता पहुंचेगा।शेरगढ़ में रोजाना बड़ी संख्या में टूरिस्ट पहुंचते हैं। यहां प्राचीन किला सहित जंगल, नदी आदि परिस्थितियां टूरिस्ट के हिसाब से अनुकूल हैं। वैसे अभी यहां तीन लेपर्ड पहले से हैं।

बोट से पहुंचेंगे नाहरिया माला

एसीएफ अनुराग भटनागर ने बताया कि शेरगढ़ में नाहरिया माला रियासत कालीन शिकारगाह तक परवन में बोट के जरिए ही पहुंचा जा सकता है। ऐसे में बोटिंग शुरू करवाकर नाहरिया माला तक टूरिस्ट लाएंगे। यहां से 2 से 3 किमी तक जंगल में ट्रैकिंग करवाई जाएगी। बोटिंग को लेकर टेंडर प्रक्रिया होगी। अन्य गतिविधियां वन विभाग के माध्यम से संचालित करवाई जाएंगी।

332 वर्ग किमी इको सेंसिटिव जोन से बढ़ेंगी पर्यटक गतिविधियां

एसीएफ भटनागर ने बताया कि शेरगढ़ सेंचुरी के तहत इको सेंसिटिव जोन की सीमा निर्धारण किया जा रहा है। इसमें करीब 332 वर्ग किमी क्षेत्र शामिल होगा, जिससे यहां पर होटल, पर्यटक सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। पर्यटन से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

यहां बढ़ रहे हैं वन्यजीव

शेरगढ़ सेंचुरी क्षेत्र में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए परवन नदी तो है ही। साथ ही रियासतकालीन शिकारगाह और निर्माण भी मौजूद हैं। वन विभाग ने पिछले साल यहां दो मादा लेपर्ड भी छोड़ी हैं। पहले से मौजूद नर लेपर्ड के साथ यहां इनकी संख्या 3 हो गई है। यहां पर मगरमच्छ,जरख,लोमड़ी,काले हिरण,चिंकारा सहित अन्य वन्यजीवों का मूवमेंट लगातार देखा जाता है। शेरगढ़ सेंचुरी में चारदीवारी निर्माण के बाद से वन्यजीवों और जंगल की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। ऐसे में यहां पर वाइल्ड लाइफ एक्टिविटी की गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं।

समिति का हो चुका गठित

कलेक्टर राजेंद्र विजय ने बताया कि जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जिला स्तरीय पर्यटन विकास क्रियान्वित एवं प्रबंधन के लिए समिति गठित की जा चुकी है। वहीं गाइड ट्रेनिंग कोर्स एवं गाइड चयन के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन किया जा चुका है। जिले में पर्यटन विकास को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं।

ANCHOR | कुंभलगढ़ टाइगर रिजर्व

एनटीसीए से प्राप्त रिपोर्ट पर राज्य सरकार को करनी है अग्रिम कार्यवाही

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। कुंभलगढ़ एवं टॉडगढ़ वन्यजीव अभयारण्यों को टाइगर रिजर्व घोषित करने हेतु सांसद दीया कुमारी द्वारा एक पत्र लिखा गया था, जिसके प्रभाव में एनटीसीए द्वारा एक कमेटी का गठन किया गया एवं उस कमेटी ने कुंभलगढ़ एवं टॉडगढ़ को टाइगर रिजर्व घोषित किए जाने के संदर्भ में एक फिजिबिलिटी रिपोर्ट पेश की। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि कुंभलगढ़ एवं टॉडगढ़ वन्यजीव अभयारण्य मेवाड़ एवं मारवाड़ में से गुजरती अरावली पर्वतमाला के आखिरी उष्णकटिबंधीय जंगल है जो कि सरिस्का एवं रणथम्भौर के जंगलों से भिन्न एवं ज्यादा घने हैं, दक्षिण पश्चिमी राजस्थान को जल उपलब्ध कराने के लिए यह जंगल केंद्रीय स्त्रोत है, इन अभयारण्यों में स्थित डैम 1.8 लाख हेक्टेयर जमीन सिंचित करते हैं, बाघ पुनर्वास से और भी जल संरक्षण होने की उम्मीद है क्योंकि इससे बनास नदी के कैचमेंट क्षेत्र की सुरक्षा हो सकेगी। बाघ परियोजना से होने वाली आय से यहां पर निवास करने वाले लोगों एवं वनवासियों के जीवन में आर्थिक सुधार होगा।

कमेटी की टिप्पणियां

रिपोर्ट में बताया गया कि कुंभलगढ़ एवं उससे लगे रूपनगर, दिवेर, फुलवारी की नाल, आदि जंगलों में बाघ पाएं जाने के ऐतिहासिक रिकॉर्ड है। कमेटी द्वारा अभयारण्य एवं सटे इलाकों में अक्षत वन खंड एवं चिरस्थाई नाले, जलबिंदु देखे गए। कमेटी द्वारा बगोल एवं सुमेर वन खंड में विभाग द्वारा बबूल हटाकर ग्रास लैंड तैयार करने की गतिविधि का भी अवलोकन किया गया। इन क्षेत्रों में देसी जंगली पेड़ पौधों का पुन: विकास कमेटी को संतोषप्रद लगा। हालांकि कमेटी द्वारा अभयारण्यों में शाकाहारी जीवो की संख्या कम होना अनुभव की गई। कमेटी ने यह

महसूस किया कि विभाग के पास शाकाहारी एवं मांसाहारी जीवो के जनसंख्या के संबंध में वैज्ञानिक तरीके से लिए गए वन्य जीव गणना के आंकड़े नहीं है। कमेटी ने विभाग द्वारा रणकपुर के मोडीया में शाकाहारी जीवों की संख्या बढ़ाने के लिए बनाए गए तेंदुए निरोधक बाड़े की तारीफ की, कमेटी ने अवलोकन किया कि शाकाहारी जीवों के खाने के लिए देसी घास एवं अन्य पौधों को वहां उगाए जाने का कार्य गति पर है, साथ ही साथ कमेटी ने चिंता जाहिर की कि शाकाहारी वन्य जीवों को बाडे में स्थानांतरित करने में बेवजह समय व्यर्थ किया जा रहा है। कमेटी ने अभयारण्यों में स्टाफ की कमी को लेकर चिंता जाहिर की। कमेटी द्वारा वितरित फीडबेक फॉर्म से यह निष्कर्ष निकल कर आया कि ज्यादातर जंगल के आसपास के ग्रामीणों में टाइगर को लेकर एक सकारात्मक सोच है। हालांकि कमेटी ने यह चिंता जाहिर की कि अभयारण्यों को नगण्य मात्रा में फंड एवं आधारभूत संरचना (उपकरणों, वाहनों, बिल्डिंगो के रखरखाव के लिए खर्च) दिए जा रहे है।

राज्य सरकार को कमेटी के सुझाव

» कमेटी द्वारा सुझाया गया कि मांसाहारी एवं शाकाहारी जीवो की वैज्ञानिक तरीके से गणना करके संख्या के आंकड़े पेश करने की जरूरत है।

» अभयारण्यों में रिक्त पड़े पदों को जल्द से जल्द भरा जाए।

» अभयारण्यों के दक्षिण भाग में स्थित उदयपुर (उत्तर), राजसमंद, पाली एवं सिरोही के घने प्रादेशिक वन खंड के जंगल जो कि बाघ प्रसार के लिए उपयुक्त है, इन जंगलों को प्रस्तावित टाइगर रिजर्व में जोड़ा जाए ताकि टाइगर रिजर्व और बड़ा बन सके।

» अभयारण्य क्षेत्रों के अंदर बसें गांवों को बाहर विस्थापित किया जाए।

» वायरलेस एवं पेट्रोलिंग ट्रेको एवं पेट्रोलिंग पथो की संरचना को मजबूत किया जाए एवं ज्यादा से ज्यादा पेट्रोलिंग ट्रैक विकसित किए जाए, वन चौकिया एवं एंटी पोचिंग कैंप अभयारण्यों के अंदर बनाए जाएं ना कि अभयारण्यों की बाउंड्री पर।

» विदेशी मूल के अनचाहे पौधे जैसे कि अंग्रेजी बबूल, लेंटाना आदि को हटाया जाए।

» ग्रास लैंड का विकास करके शाकाहारी जीवो की संख्या बढ़ाई जाए।

» जीपीएस "अम-स्ट्राइप" आधारित स्मार्ट पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए फील्ड स्टाफ को वैज्ञानिक तरीके से वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट की ट्रेनिंग दी जाए, वन्यजीव अपराध जांच, वन्यजीव संबंधित कानून प्रवर्तन आदि की स्पेशल ट्रेनिंग दी जाए। जहां जहां जरूरत हो वहां एनटीसीए, भारतीय वन्यजीव संस्थान, वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो, आदि संस्थानों से मदद ली जा सकती है।

ज्ञात रहे वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन सोसायटी, भारत एवं वन्य जीव संरक्षण करता एवं अधिवक्ता ऋतुराज सिंह द्वारा वन्यजीव अपराध, अन्वेषण, प्रवर्तन आदि पर कुंभलगढ़ एवं टॉडगढ़ वन्य जीव अभ्यारण्य के फील्ड स्टाफ को दो दिवसीय ट्रेनिंग दी गई थी और उन्हीं के द्वारा भविष्य में इस प्रकार की और भी ट्रेनिंग दी जाएगी।

राजस्थान के अन्य बाघ परियोजनाओं की समस्या

हालांकि चाहे सरिस्का, रणथंबोर या मुकुंदरा हो टाइगर रिजर्व के अंदर बसे हुए गावो एवं विदेशी मूल के अनचाहे पौधो की समस्या लगभग राजस्थान के हर बाघ परियोजना में है। जंगल में से हाईवे एवं रेलवे ट्रैक की समस्या भी सरिस्का एवं मुकुंदरा जैसे टाइगर परियोजनाओं में है। जहां तक कुंभलगढ़ एवं टॉडगढ़ अभयारण्यों का हाल फिलहाल में छोटे होने का सवाल है, यहां पर यह भी जिक्र किया जाना जरूरी है कि रणथंबोर बाघ परियोजना अभी निवास कर रहे बाघों के लिए छोटी पड़ रही है, इसीलिए वहां से समय-समय पर बाघ टाइगर रिजर्व से बाहर निकल इंसानी बस्ती में जा रहे हैं। मुकुंदरा में एनटीसीए ने सेल्जर क्षेत्र में बाघ छोड़ने का प्रस्ताव दिया था परंतु राज्य सरकार द्वारा दर्रा क्षेत्र में बाघ छोड़ा गया, साथ ही साथ एनटीसी से मंजूरी लिए बगैर रामगढ़ विषधारी अभयारण्य में घूम रहे बाघ को पकड़ कर मुकुंदरा में छोड़ा गया। लगातार बाघों की मौत की वजह से भी मुकुंदरा टाइगर रिजर्व खबरों में छाया रहा।

एनटीसीए से रिपोर्ट प्राप्ति के बाद अब राज्य सरकार को रिपोर्ट पर अग्रिम कार्यवाही करनी है तथा अपनी अनुशंसा सहित प्रस्ताव केंद्र सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय को भिजवाया जाना है।

हमारे द्वारा ग्रास लैंड विकास का कार्य शुरू किया जा चुका है, शाकाहारी वन्य जीवों जैसे सांभर, चीतल आदि वन्यजीवों के संबंध में मदद मांगी जाएगी।
-फतेह सिंह राठौड़, उप वन संरक्षक, वन्यजीव, राजसमंद

"किसी लॉबी के दबाव में आए बगैर सरकार एनटीसीए की रिपोर्ट पर अग्रिम कार्यवाही करें, सरकार कमेटी द्वारा दिए गए सुझावों पर अमल करने के लिए कुंभलगढ़ की मदद करें"
- ऋतुराज सिंह राठौड़, अधिवक्ता एवं संरक्षणकरता

जागरूक खबरें

अरबन बैंक चंदेरिया शाखा द्वारा प्रशिक्षण महाअभियान

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. के संस्थापक अध्यक्ष एवं मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. आई.एम. सेठिया ने कहा कि कामयाबी तोहफे में या किसी के भरोसे नहीं मिलती, उसके लिए कड़ी मेहनत करने के साथ-साथ स्वयं के आत्म विश्वास एवं दृढ निष्चय से ही संभव है। ये विचार उन्होंने बैंक की चन्देरिया शाखा द्वारा व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण अभियान के तहत शिव वाटिका में आयोजित प्रशिक्षण कार्यर्कम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए व्यक्त किए। अपने प्रभावी उद्बोधन में डॉ. सेठिया ने कहा कि जीवन में असंभव को संभव में परिवतिर्त करने एवं सपनों को साकार करने के लिए सही योजना, सही लोगों का साथ, सही निणर्य एवं समय पर निणर्य होना जरूरी है वहीं विष्वसनीयता कमाने में समय लगता है जिसके बल पर हम सफलता का मार्ग प्रशस्त कर सकते है। व्यक्ति को इसके लिए लक्ष्य तय कर स्वयं की आन्तरिक शक्ति को पहचाने एवं उसकों जगाने की जरूरत है। कायर्कम के विशिष्ठ अतिथि निदेशक चान्दमल नन्दावत, पार्षद विजय चौधरी, सुशील,पूर्व पार्षद घनश्याम मेनारिया एवं व्यापार संघ अध्यक्ष कमलेश ईनाणी ने भी विचार व्यक्त करते हुए कहा कि व्यक्ति को तराशने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण नियमित होने चाहिए। कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्रबन्ध निदेशक वन्दना वजीरानी ने स्वागत उद्बोधन के साथ ही बैंक की जानकारी दी। महाप्रबन्धक दिनेश खण्डेलवाल एवं प्रबन्धक (प्रशासन) जे.पी. जोशी, शाखा प्रबन्धक दामोदर चेचाणी, हितेश चतुर्वेदी ने अतिथियों को उपरणा ओढ़ाकर अभिनन्दन किया। कायर्कम में पूर्व सैनिक रतन सिंह व कोरोना वॉरियर्स किरण शर्मा का भी बैंक परिवार द्वारा अभिनन्दन किया गया। कार्यर्र म के अन्त में डॉ. सेठिया ने सहभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

कोरोना: जिला कलेक्टर ने मैरिज हॉल संचालकों की मीटिंग ली

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रोन के निरंतर बढ़ते संर्र मण के मद्देनजर होटल, रिज़ॉर्ट, मैरिज हॉल आदि के संचालकों की बैठक लेकर निर्देशित किया। उन्होंने कोरोना रोकथाम को लेकर आवश्यक सुझाव लिए। इसके बाद कोरोना के संबंध में क्या क्या सावधानियां रखनी है इसकी जानकारी दी। जिला कलेक्टर ने होटल, रिज़ॉर्ट आदि के प्रतिनिधियों को अपने परिसर को सैनिटाइज करते रहने के निर्देश दिए। इसके अलावा नो मास्क नो एंट्री का बोर्ड लगाने हेतु निर्देश दिए। बैठक में नगर परिषद आयुक्त रिंकल गुप्ता मौजूद रहीं।

सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ

बीकानेर @ जागरूक जनता। बी जे एस रामपुरिया जैन कॉलेज, बीकानेर में एनएसएस की दोनों इकाइयों के सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सिस्टर निवेदिता गर्ल्स कॉलेज के प्राचार्य तथा जाने माने इतिहासकार डॉ रितेश व्यास रहे। डॉ व्यास ने स्वयंसेवकों को एनएसएस की महत्ता को उजागर करते हुए व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय जीवन में सेवा पहलू को आत्मसात करने की प्रेरणा एवं प्रोत्साहन दिया। कॉलेज प्राचार्य डॉ पंकज जैन ने मुख्य अतिथि का स्वागत कर स्वयंसेवकों को जीवन के छोटे-छोटे पहलुओं में सेवा तत्व की चर्चा करते हुए कहा कि कर्तव्य का निर्वाह ही व्यक्ति की सच्ची सेवा है। आज प्रथम उद्घाटन सत्र के बाद कार्यक्रम एनएसएस अधिकारी डॉ अनिल तिवारी एवं मौसम मारु की उपस्थिति में कॉलेज परिसर की सफाई से शरुआत करी गयी। महाविद्यालय परिसर सफाई के कार्यक्रम के साथ स्वयंसेवकों को उपलब्ध साधनों के बेहतर उपयोग सिखाने हेतु 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भुवनेश श्रीमाली, महेंद्र कुमार, सुरभि सोलंकी तथा भूमिका सुथार की टीम रही।

ओमती जन सेवा ट्रस्ट का वार्षिकोत्सव

निंबाहेड़ा @ जागरूक जनता। पेंशनर भवन स्थित मेडिटेशन हॉल में रविवार को समाज सेवी संस्था ओमवती शर्मा जनसेवा ट्रस्ट का वार्षिक समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी डॉक्टर जे एम जैन थे। अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष सुभाष शारदा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ नागरिक मंच अध्यक्ष भजन जिज्ञासु, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष ममता शारदा, पार्षद शबाना खान, लायनेस क्लब की संभागीय चेयरमैन वर्षा कृपलानी, बार एसोसिएशन अध्यक्ष संजय बाबेल, पार्षद रवि सोनी मंचासीन थे। स्वागत भाषण ट्रस्ट सचिव मानमल शर्मा ने दिया। वक्ताओं ने स्वर्गीय ओमवती शर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे समाजोपयोगी कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा अभी हाल ही में आयोजित आई कैंप में दिए सहयोग के लिए पल्लवन संस्था के यूएस शर्मा, अंकित मीणा, समंदर सिंह, प्रीति अग्रवाल, अंबालाल, पूजा सोलंकी, मंसूर अली बोहरा एवं पेंशनर समाज के यशवंत कदम, माणक बजाज, जानकी लाल जोशी, दामोदर कुमावत, मनोहर लाल भराडिया, नंद किशोर ओझा, मोहम्मद कयूम का शाल ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। इस क्रम में मुंबई की फिल्म सिटी में एंटरटेनमेंट चैनल "कलर्स" द्वारा चलाए जा रहे कांटेस्ट "द बिग पिक्कर" में अपने ज्ञान के दम पर 50 लाख रुपए जीतने वाली मध्यप्रदेश नीमच निवासी मोनिका शर्मा का भी स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। संचालन शिक्षिका नीलम प्रजापति ने किया। आभार संस्था के उपाध्यक्ष एजाज अहमद ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में पेंशनर समाज के पूर्व अध्यक्ष प्रबोध चंद्र शर्मा, पार्षद पुष्पा वच्छानी, शिक्षिका मैना आचार्य, विमला गोठवाल, मानवाधिकार अध्यक्ष शिल्पा जैन, प्रवक्ता नुसरत खान सहित कई लोग उपस्थित थे।

फोटोग्राफर एसोसिएशन की एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

निंबाहेड़ा @ जागरूक जनता। अध्यक्ष योगेश शर्मा के नेतृत्व एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के फोटोग्राफरों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया दो टीमों का गठन किया गया। जिसमें दो मैचों का आयोजन किया गया एक टीम अध्यक्ष योगेश शर्मा के नेतृत्व में दूसरी टीम सतीश बाबेल के नेतृत्व में थी दोनों के नेतृत्व में दो मैचों का आयोजन किया गया जिसमें दोनों ही मैच अध्यक्ष योगेश शर्मा की टीम ने जीते मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार गुलाब धाकड़ व सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का पुरस्कार इब्राहिम छिपा एवं सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का पुरस्कार कमल सुथार को मिला मीडिया प्रभारी अर्जुन व्यास ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल आयोजन में कमल कुमावत विष्णु राव रोहित जैन का विशेष सहयोग रहा।

नववर्ष स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित

समाज की 36 कोमो को साथ लेकर चलना चाहिए-रूक्ष्मणि कुमारी

राजपूत समाज के 7 लोगों का सम्मान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमू। गोविंदगढ़ स्थित श्री कृष्ण गोपाल गौशाला प्रांगण परिसर में राजपूत सभा चौमू के तत्वाधान में तहसील स्तरीय नववर्ष स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राव राजेंद्र सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि सम्मान करने से मनुष्य का हौसला बढ़ता है जो प्रतिभा तहसील स्तर पर सम्मानित हुई है वह प्रतिभा एक दिन देश का नाम करेगी। समारोह की अध्यक्षता अखिल भारतीय प्रोफेशनल कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष एवं चोमू राज परिवार सदस्य रूक्ष्मणि कुमारी ने की समारोह मे कुमारी ने कहा की राजपूत समाज के लोगों को 36 कौम के लोगों को साथ लेकर चलना चाहिए। मैं समाज की सेवा के लिए मैं हमेशा तत्पर रहूंगी सम्मान समारोह में अतिथियों ने राजस्थान पुलिस सेवा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर पुलिस निरीक्षक लक्ष्मण सिंह नाथावत एवं शिक्षा विभाग के क्षेत्र में उत्कर्ष कार्य करने पर प्रधानाचार्य गोविंद सिंह नाथावत, प्रधानाचार्य प्रभा मनोहर श्री श्याम बाल निकेतन खेजरोली निदेशक राजेंद्र सिंह खेजरोली व शिक्षाविद नगेंद्र सिंह कालाडेरा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौमू के महिला रोग चिकित्सक डॉ अजीत सिंह शेखावत तथा हीरक जयंती समारोह जयपुर मे हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा करने पर पायलट सोहन सिंह नाथावत को माल्यार्पण, साफा पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर राजपूत सभा जयपुर देहात पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट रघुवीर सिंह राठौड़, राजपूत सभा चौमू अध्यक्ष शंकर सिंह खेजरोली, पूर्व सरपंच मगन सिंह आष्टीकला सेवानिवृत्त कृषि अधिकारी करण सिंह शेखावत क्षत्रिय युवक संघ तहसील संयोजक गिरवर सिंह ईटावा पूर्व राजपूत सभा तहसील चौमू अध्यक्ष रणवीर सिंह शेखावत बजरंग सिंह नरसिंहपुरा कृषि पर्यवेक्षक जगदीश सिंह पूर्व पुलिस उप अधीक्षक पहलाद सिंह सरपंच अनूप सिंह एडवोकेट महेंद्र सिंह सिंगोद जितेंद्र सिंह बावड़ी बजरंग सिंह किशनपुरा बलवीर सिंह सिंगोद विजय सिंह सिंगोद मालसिंह पृथ्वीराज सिंह भाडेरेज त्रिवेंद्र सिंह नरेंद्र सिंह, प्रवीण सिंह, मुल सिंह शेखावत शिवपाल सिंह खनीपुरा सहित अनेक लोग उपस्थित थे। समारोह में राजपूत सभा तहसील अध्यक्ष शंकरसिंह खेजरोली ने नव आगंतुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम संचालन पूर्व कृषि पर्यवेक्षक करण सिंह शेखावत ने किया।

ड्यूटी शिविर में, मरीज परेशान

स्त्री व बाल, शिशु रोग के चिकित्सकों की ड्यूटी चिरंजीवी स्वास्थ्य शिविर में

अस्पताल में कम है विशेषज्ञ, गम्भीर मरीजों को करना पड़ रहा रैफर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भीनमाल। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कार्यरत बाल व शिशु रोग विशेषज्ञ तथा महिला एवं प्रसूति रोग के वरिष्ठ चिकित्सक की ड्यूटी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा मुख्यमंत्री निरोगी राजस्थान चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना के तहत लगाए जा रहे शिविरों में लगाने से मरीजों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उपखण्ड क्षेत्र में 0 से 21 वर्ष तक के बच्चों का ईलाज करने हेतु एकमात्र सरकारी चिकित्सक की भी ड्यूटी शिविर में लगाये जाने से मरीजों को बिना इलाज ही अस्पताल से लौटना पड़ रहा है। ऐसे में उन्हें या तो निजी अस्पतालों में भारी भरकम खर्च पर इलाज करवाने हेतु मजबूर होना पड़ रहा है या निकटवर्ती क्षेत्र गुजरात के डीसा व पालनपुर जाना पड़ रहा है। जिससे मरोजो व उनके परिजनों को शारीरिक, आर्थिक व मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों को गांव में ही ईलाज की सुविधा मुहैया करवाने के मकसद से प्रदेशभर में ग्राम पंचायतवार लगाए जा रहे चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना शिविर में फायदे से ज्यादा नुकसान हो रहा है। बाल, शिशु, स्त्री व प्रसूता जैसे रोगों के मुख्य चिकित्सकों व मेडिकल स्टाफ की ड्यूटी शिविर में लगाने से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाएं बेपटरी पर आ गई है, ध्यान देने वाले आला अधिकारियों ने भी चुपी साध रखी है। ऐसे में अस्पताल में इलाज करवाने वाले मरीजों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

डेंगू, चिकनगुनिया व अन्य मौसमी बीमारियों के दौरान भी चिकित्सक की कमी से ओपीडी की संख्या में कमी आ रही है। जिसको सुधारने हेतु डॉक्टरों की उपस्थित शिविर की बजाय हॉस्पिटल में नियमित होनी जरूरी है।
-मनोज कुमार सेन, समाजसेवी भीनमाल

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बाल, शिशु, प्रसूता, स्त्री रोग के चिकित्सकों के होने की वजह से पिछले एक वर्ष से अस्पताल में ओपीडी की संख्या में भी वृद्धि हुई ओर अस्पताल में डिलीवरी की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई, लेकिन सीनियर डॉक्टरों को ही चिरंजीवी योजना शिविर में लगाने से सैकड़ो मरीजों व उनके परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियमित उपस्थिति अस्पताल में ही होनी चाहिए।
-रमेशकुमार सुथार, सामाजिक व आरटीआई कार्यकर्ता भीनमाल

राजस्थान सरकार, चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग के आदेशानुसार चिकित्सकों की ड्यूटी चिरंजीवी योजना शिविर में लगाई जा रही है। जिस दिन शिविर नही होता है उस दिन अस्पताल में चिकित्सक उपस्थित रहते है। साथ ही शिविर के दिन भी समय निकालकर सुबह शाम चिकित्सक हॉस्पिटल आते है। तो सेवा देते ही है
- डॉ. दिनेश जाम्भाणी, ब्लॉक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भीनमाल

कोरोना को लेकर रेलवे अलर्ट

बीमार होने पर ट्रेन में नहीं बैठ सकेंगे यात्री, सीट एक्सचेंज करने पर रोक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। कोरोना और ओमिक्रॉन वैरिएंट के बढ़ते मामलों के बाद रेलवे भी अलर्ट हो गया है। ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर रेलवे ने कई पाबंदियां लगा दी है। यात्रा का कंफर्म टिकट होने के बावजूद अगर यात्री थोड़ा भी अस्वस्थ है तो ट्रेन में चढ़ने से रोक दिया जाएगा। साथ ह यात्री सफर के दौरान अपनी सीट किसी दूसरे से एक्सचेंज नहीं कर पाएगा। साथ ही प्लेटफॉर्म पर पहुंचने से पहले थर्मल स्क्रीनिंग और टिकट की जांच अनिवार्य कर दी गई है। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की कोरोना जांच भी की जा रही है। मंडल रेल प्रबंधक गीतिका पांडेय ने बताया कि कोरोना वायरस का संक्रमण फिर से तेजी से बढ़ता जा रहा है। ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों को फिर से कोविड-19 प्रोटोकोल की सख्ती से पालन करनी होगी।

जिस राज्य के लिए यात्रा करें, पहले वहां का प्रोटोकोल पढ़ें

पांडेय ने बताया कि बढ़ते संक्रमण को देखते हुए यात्रियों से अपील की गई है कि यात्रा करने से पहले विभिन्न राज्यों द्वारा दिशा- निर्देशों को अवश्य रूप से पढ़ लें। सभी प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों को कोविड-19 प्रोटोकॉल से जुड़े स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा ।

मास्क की अनिवार्यता

यात्रियों के साथ-साथ रेलवे ने अपने कर्मचारियों को भी कोरोना से जुड़ी गाइडलाइन की सख्ती से पालना करने के निर्देश दिए हैं। इसके अंतर्गत रेलकर्मियों को सभी यात्रियों को मास्क अवश्य रूप से लगाने के प्रति जागरूक करने की सलाह दी गई है। रेलगाड़ी या रेलवे प्लेटफार्म पर बिना मास्क पाए जाने पर रेलवे ने 100 से लेकर 500 रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान पहले से ही किया किया हुआ है। उल्लेखनीय है कि दिसंबर माह में ट्रेनों में बिना मास्क यात्रा करते पाए जाने पर करीब एक हजार यात्रियों पर जुर्माना वसूला गया था। रेल यात्रा के दौरान सभी यात्रियों और स्टाफ के लिए मास्क पहनना अनिवार्य होगा।

राज्यों की गाइडलाइन का रखें ध्यान

मंडल रेल प्रबंधक ने सलाह दी है कि गंतव्य स्थल पर पहुंचने के बाद रेलयात्रियों को वहां की राज्य सरकार या केंद्र शासित प्रदेश द्वारा बनाए गए स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का पालन करना अनिवार्य तौर पर होगा। वहीं जहां तक संभव हो यात्री कोरोना की नेगेटिव जांच रिपोर्ट लेकर ही सफर करें और उनकी जांच रिपोर्ट 72 घंटे के भीतर की ही होनी चाहिए। इसके अलावा ट्रेन से उतरते समय और गेट से बाहर निकलते समय भी यात्रियों को पर्याप्त सामाजिक दूरी बनाए रखने के सलाह दी गई है।

तुलसी सेवा संस्थान में खुलेगा आधुनिक ऑपरेशन थियेटर एवं लगेगी सी टी स्कैन मशीन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

श्रीडूंगरगढ़। पीड़ित मानवता की सेवा में अहर्निश कार्यरत तुलसी सेवा संस्थान श्रीडूंगरगढ़ ने वार्षिक साधारण सभा में यह निर्णय लिया है कि इसी वर्ष चिकित्सालय को नए ऑपरेशन थियेटर के अलावा बेहतरीन सीटी स्कैन मशीन, अनेक चिकित्सकीय आधुनिक उपकरणों, नवीन बेड से सुसज्जित किया जाएगा। इस निमित्त अढ़ाई करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी। उक्त कार्यो के लिए धन संग्रहण हेतु संस्थान के अध्यक्ष भीखमचंद पुगलिया तथा उनकी धर्मपत्नी सुशीला पुगलिया ने पहल करते हुए 26 लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की है। कलकत्ता के रायचक क्षेत्र में हुई साधारण सभा की बैठक में जतन पारख ने 21 लाख, पोकरमल आसकरण दूगड़ ने 21 लाख रुपये, सुमेरमल डागा ने 11 लाख, जतनलाल पुगलिया ने 11 लाख, नगराज तातेड़ ने 11 लाख, धर्मचंद धाड़ेवा ने 5 लाख,विनोद छाजेड़ ने 5 लाख रुपये देने की घोषणा की है। नथमल सिंघी 2ज़्5 लाख, अमरचंद पुगलिया, इन्द्रचंद छाजेड़, कमल पुगलिया, राजेश डाकलिया, ने 2-2 लाख रुपये तथा मालचंद सिंघी,सुरेश कुमार पुगलिया रमेश कोठारी, दीपक पुगलिया ने 1-1 लाख रुपये की घोषणा की। इस पुनीत कार्य में महिलाओं ने भी उत्साह पूर्वक भाग लिया। जतनदेवी डागा ने 2 लाख, कंचनदेवी पारख, शोभा छाजेड़, पुष्पा धाड़ेवा, रेणू दूगड़, सुप्यार पुगलिया ने 1-1 लाख रुपये तथा सुमन सिंघी ने 51हजार रूपयों की राशि प्रदान करने की घोषणा की है। उल्लेखनीय है कि लगभग तीन दशक से तुलसी सेवा संस्थान श्रीडूंगरगढ़ में चिकित्सा का पर्याय बना हुआ है। बड़ा ऑपरेशन थियेटर की स्थापना तथा सीटी स्कैन मशीन लगने से रोगियों को एक बड़ी सुविधा उपलब्ध होगी। रेल सेवा संघर्ष समिति व जनजागृति मंच श्रीडूंगरगढ़ के अध्यक्ष तोलाराम मारू एवं साहित्यकार चेतन स्वामी ने बताया कि श्री डूंगरगढ़ में चिकित्सा क्षेत्र में निरन्तर भामाशाहों के द्वारा जनहितारथ सेवा। कार्य किया जा रहा है। जो प्रशंसनीय वह अनुकरणीय है।

राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों में कोरोना टीकाकरण आज

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। जिले के महाविद्यालयों में बुधवार को छात्र छात्राओं हेतु मेगा वैक्सीनेशन अभियान आयोजित किया जाएगा जिला कलेक्टर ने अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शनिवार को समस्त महाविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थाओं के प्रतिनिधियों से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संवाद किया जिला कलेक्टर ने सभी को वैक्सीन की अहमियत से अवगत कराते हुए अपील कर कहा कि सभी संस्थान अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं का व्यक्ति नेशन कराया जाना सुनिश्चित करें। जिला कलेक्टर ने कहा कि सभी मिलकर 15 से 18 वर्ष का लक्ष्य पूर्ण कराने में जिला प्रशासन का सहयोग करें।जिला कलेक्टर ने सभी महाविद्यालयों एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थाओं को अपने परिसर में कोरोना एप्रोप्रियेट बिहेवियर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हैलो, मैं ज़िला कलक्टर बोल रहा हूँ, आप कैसे हैं?

ज़िला कलक्टर ताराचंद मीणा ने कंट्रोल रूम पहुंच कर कोरोना संक्रमित मरीज को लगाया फोन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। कोरोना के ओमिक्रोन वेरिएंट के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर कंट्रोल रूम शुरू हो गया है। कंट्रोल रूम नंबर 01472244923 है। आमजन आवश्यक होने पर इस कंट्रोल रूम नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। जिला कलेक्टर ने वॉर रूम सह कंट्रोल रूम के प्रभावी संचालन के निर्देश दिए हैं। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रथम) को नोडल बनाया है। बीते दिनों जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा कंट्रोल रूम का निरीक्षण करने पहुंच गए एवं यहां से खुद ही एक मरीज को कॉल करके उसका हालचाल पूछा। उन्होंने निम्बाहेड़ा के टीचर्स कॉलोनी निवासी एक संक्रमित से फोन पर बात कर उसका हाल जाना। कलक्टर ने मरीज़ को राज्य सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस की पालना करने हेतु कहा। मरीज़ ने अब तक प्राप्त हुए उपचार के प्रति सन्तुष्टि जाहिर की। एकाएक मरीज़ को यकीन नहीं हुआ कि जिला कलक्टर ने खुद उसे फोन किया है। इस दौरान जिला कलेक्टर ने समस्त कार्मिकों को कंट्रोल रूम का प्रभावी तौर पर संचालन करने के निर्देश दिए। इसके अलावा जिला कलेक्टर ने एक अन्य जारी आदेश में कोरोना के संक्रमण के फैलाव के मध्य नजर आमजन को सुरक्षा प्रदान करने व संक्रमण की रोकथाम व नियंत्रण किए जाने के उद्देश्य से राजकीय योग प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान केंद्र के प्रभारी आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ लव कुश पाराशर को जिला समन्वयक मनोनीत किया है। जिला कलक्टर ने पाराशर को निर्देशित किया है वे कोविड-19 के नए वेरिएंट ओमिक्रोन के नियंत्रण और रोकथाम के लिए समस्त संबंधित विभागीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित करेंगे।

कोरोना वॉर रूम सह कंट्रोल रूम शुरू

भावुकता: शिक्षक विदाई समारोह में छलके आसूं

कार्यकाल को याद कर भावुक हुए गुरु-शिष्य

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सांचौर। शिक्षक का पद कितना गरिमामय पद है। कुछ शिक्षक ऐस होते हैं जिनके व्यक्तित्व से समाज व शिक्षक समुदाय भी प्रभावित होकर उनका अनुसरण करने लगते हैं। लगन मेहनत से विद्यालय स्टॉफ को अपना परिवार जैसा मानने वाले विद्यार्थियों व शिक्षकों के लिए आदर्श शिक्षक की विदाई को यादगार बनाया। सांचौर शहर के निकटवर्ती पथमेड़ा ग्राम के राजकीय प्राथमिक विद्यालय सवा की ढाणी मेड़ा जागीर के अध्यापक लक्ष्मण राम का स्थानांतरण अन्यत्र हो जाने के बाद विद्यालय परिसर में विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रा उ मा वि दांता के प्रधानाचार्य रघुनाथ बिश्नोई एवं सरपंच प्रतिनिधि रतनाराम तीरगर के अध्यक्षता विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ छात्रों द्वारा विदाई गीत गाते हुए किया गया। इस मौके पर विद्यार्थियों सहित विद्यालय स्टाफ ने साफा व माल्यार्पण कर साथ में प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया जिसे देखकर स्थानांतरित हुए अध्यापक एवं विद्यार्थी भाव विभोर हो गये। वही विदाई ले रहे अध्यापक लक्ष्मण राम देवासी ने सेवा कार्य के दौरान हुई कड़वाहट के लिए क्षमा प्रार्थना की और कहा कि अध्यापक का घर एक लिफाफा की तरह होता है कब कहा के लिए पोस्ट हो जाए वही जाकर अपना कार्य करना पड़ता है। उन्होंने विद्यार्थियों को उद्बोधन करते हुए कहा कि हमें कठिन परिश्रम करते हुए अपनी सफलता को प्राप्त करना है। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद भाषण अध्यापक रमेश पुरोहित द्वारा किया गया। इस मौके पर नायब तहसीलदार नागजी राम पुरोहित, प्रधानाचार्य रुड़ाराम रेबारी,दीपा राम देवासी, प्रकाश सियाक, रुड़ाराम ढाका सहित विद्यालय के छात्र-छात्रा एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

ANCHOR | तीर्थ यात्रा पर संकट

तीसरे साल भी नि :शुल्क वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 'संक्रमण की भेंट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सीनियर सिटीजन की आस इस साल भी रहेगी अधूरी

जोधपुर। नि:शुल्क तीर्थ स्थलों की यात्रा की चाहत रखने वाले प्रदेश के मूल निवासी वरिष्ठ नागरिकों की आस इस साल भी पूरी नहीं हो पाएगी। कोरोना संक्रमण के बढ़ते ग्राफ और ओमिक्रॉन वेरियंट के मामलों के चलते तीसरे साल भी नि:शुल्क वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना स्थगित करने के संकेत है। नि:शुल्क तीर्थ यात्रा योजना में 60 वर्ष या अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को उनके जीवन काल में एक बार प्रदेश के बाहर देश में स्थित तीर्थ स्थानों में से अपने ही पसंदीदा किसी एक स्थान की यात्रा का अवसर दिया जाता है। लेकिन वर्ष 2020 में वैश्विक महामारी कोरोना के कारण योजना का क्रियान्वयन लगातार स्थगित होता रहा है।वर्ष 2013 में राज्य सरकार की ओर से निशुल्क यात्रा योजना की शुरूआत की गई थी। और वर्ष 2016 में हवाई जहाज से यात्रा को इस योजना में शामिल किया गया था। हवाई जहाज से यात्रा की शुरुआत से बुजुर्गो में खासा उत्साह नज़र आया था लेकिन कोरोना ने आस पर पानी फेर दिया।

नि:शुल्क यात्रा देश में कहां कहां

- » रेल के माध्यम से- जगन्नाथपुरी, रामेश्वरम्, तिरूपति, द्वारकापुरी, वैष्णोदेवी, इलाहाबाद - वाराणसी , दिल्ली - आगरा-
- » हवाई जहाज से- पशुपतिनाथ मंदिर काठमांडू नेपाल

नि:शुल्क तीर्थ स्थलों की यात्रा को लेकर राज्य सरकार की ओर से किसी भी तरह के कोई गाइडलाइन अथवा दिशा निर्देश नहीं मिलने और संक्रमण के लगातार बढ़ते मामलों के कारणों से इस बार भी यात्रा निरस्त हो सकती है। राज्य सरकार के दिशा निर्देश के बाद ही यात्रा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू होकर योजना का क्रियान्वयन हो सकेगा।
- जतिन गांधी, सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग जोधपुर

जागरूक जनता @ कश्मीर में बीते दिनों हुई बर्फबारी

शिमला-लाहौल में फिर बर्फबारी, 774 सड़कें बंद, 7 की मौत

शिमला में बर्फबारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। पहाड़ी इलाकों में इन दिनों जमकर बर्फबारी हो रही है। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बर्फबारी हो रही है। हिमाचल की राजधानी शिमला सहित कई जिलों में एक बार फिर से जोरदार हुई बर्फबारी से अलग अलग इलाकों में 774 सड़के बंद हो गई है। ऊपरी शिमला इलाके में लोगों तक ब्रेड, मिल्क और अखबार जैसी जरूरी चीजें भी नहीं पहुंच पाई या फिर देरी से पहुंचीं। अटल टनल के नार्थ पोर्टल के पास सिस्सु में पहाड़ी से हिमस्खलन हुआ है। हिमालच में अलग अलग घटना में 7 लोगों की जान जा चुकी है। एक तरफ प्रदेशवासियों को बारिश और बर्फबारी के चलते मशक्कत करनी पड़ रही है तो वहीं सैलानियों की भीड़ भी पहुंची है। शिमला में बीते दिनों ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। शहर में हुई बर्फबारी को देखने के लिए दूर-दूर से सैलानी पहुंचे हैं।

7 लोगों की मौत

खराब मौसम के कारण हिमाचल में 7 लोगों की मौत हो गई है। इसमें शिमला में बर्फ में गाड़ी स्किड होने से बच्ची और गर्भवती सहित पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, चंबा में घर पर चट्टान गिरने से भीतर सो रहीं एक बुजुर्ग महिला की दबकर मौत हो गई है। मृतक की पहचान जयवंती (77) पत्नी रूलदू राम निवासी गांव बब्लू डाकघर बरौर के रूप में हुई है।

6 नेशनल हाईवे सहित 774 सड़के ठप

हिमाचल में बर्फबारी और बारिश के चलते अब भी छह नेशनल हाईवे समेत 774 सड़कें ठप हैं। उनमें से 261 शिमला में हैं। इसके अलावा 170 लाहौल-स्पीति में हैं और 139 कुल्लू में हैं। यही नहीं 85 सड़कें चंबा, 60 किन्नौर और 51 मंडी में हैं। हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) के 450 रूट ठप हैं।

बिजली और जल संकट भी गहराया

भारी बर्फबारी की वजह राज्य भर में 2,054 बिजली ट्रांसफार्मर बंद हो गए है। ट्रांसफार्मर्स के खराब होने से बिजली की आपूर्ति भी कई जगहों पर लंबे समय के लिए ठप हो गई। कई गांवों में बिजली सप्लाई नहीं होने के कारण लोगों काफी परेशानी हो रही है। वहीं, जल स्रोत और पानी की 249 परियोजनाएं जम जाने से जल संकट गहरा गया है।

सोलर रूफटॉप में राजस्थान तीसरे पायदान पर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सोलर रूफटॉप के मामले में राजस्थान अब देश में तीसरे पायदान पर आ गया है। प्रदेश में अब तक 516 सोलर रूफटॉप संयत्र स्थापित किए जा चुके हैं। वहीं प्रदेश में पिछले तीन सालों में 20 लाख 63 हजार नए विद्युत कनेक्शन जारी किए गए हैं। इसमें 2 लाख 48 हजार नए कृषि कनेक्शन शामिल है। इस वित्तीय वर्ष की बात करें तो 60 हजार 672 कृषि कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं।

ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया है कि राज्य में पिछले तीन वर्षों में 2 लाख 48 हजार नए कृषि कनेक्शनों सहित 20 लाख 63 हजार नए विद्युत कनेक्शन जारी किए गए हैं। राज्य में विद्युत क्षेत्र में विद्युत उत्पादन से लेकर वितरण तक सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। वे मंगलवार को वर्चुअल बैठक में ऊर्जा विभाग से जुड़ी सभी संस्थाओं के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि तीन साल में प्रदेश में 2 लाख 48 हजार कृषि कनेक्शन, 12 लाख 55 हजार ग्रामीण क्षेत्र में घरेलू कनेक्शन, शहरी क्षेत्र में 3 लाख 51 हजार घरेलू कनेक्शन और 3 हजार 319 बीपीएल कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि 516 सोलर रुफटाप संयत्र स्थापित किए जा चुके हैं। ऐसे में प्रदेश सोलर रुफटॉप में तीसरे नंबर है।

सीएमडी डिस्कॉम्स भास्कर ए सावंत ने बताया कि विभाग की ओर से प्राप्त प्रकरणों और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। नियमित समीक्षा और प्रभावी कार्यवाही का ही परिणाम है कि राज्य में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार यहां तक कि कोल समस्या के बावजूद निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने में सफलता प्राप्त की गई है। सीएमडी विद्युत उत्पादन निगम आरके शर्मा ने बताया कि राज्य में विद्युत उत्पादन क्षमता में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है, कोल संकट के बावजूद कोयले की आपूर्ति व्यवस्था में सुधार के प्रयास जारी है। संयुक्त सचिव एनर्जी आलोक रंजन, जयपुर डिस्कॉम के एमडी नवीन अरोड़ा व तीनों डिस्काम्स के वरिष्ठ अधिकारी आदि वर्चुअल जुड़े।

पति रॉबर्ट वाड्रा के साथ रणथम्भौर पहुंची प्रियंका गांधी

जयपुर @ जागरूक जनता। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश की कांग्रेस प्रभारी प्रियंका गांधी यूपी चुनाव प्रचार के बीच अपना जन्मदिन मनाने के लिए रणथम्भौर पहुंची है। प्रियंका गांधी अपने पति रॉबर्ट वाड्रा और दोनों बच्चों के साथ आज सुबह 10 बजे रणथम्भौर पहुंची हैं। प्रियंका गांधी का 2 दिन यहां रुकने का कार्यक्रम है। उसके बाद वे दिल्ली के लिए प्रस्थान कर जाएंगी। हालांकि प्रियंका गांधी का दौरा बहुत ही गोपनीय रखा गया है। 2 दिन रणथम्भौर प्रवास के दौरान प्रियंका गांधी कांग्रेस के किसी भी स्थानीय नेता और प्रदेश के नेता से कोई मुलाकात नहीं करेंगी। प्रियंका गांधी का कल जन्मदिन हैं, जहां वे अपने बच्चों और पति के साथ बर्थडे सेलिब्रेट करेंगी। इससे पहले 28 नवंबर को भी प्रियंका गांधी परिवार सहित सड़क मार्ग के जरिए रणथम्भौर पहुंची थी।

इनकम टैक्स रिटर्न भरने की डेट 15 मार्च तक

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। केंद्र ने एक बार फिर साल 2020-2021 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न भरने की समय सीमा को बढ़ा दिया है। पहले टैक्स रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर 2021 थी जिसे अब तीन महीने बढ़ाकर 15 मार्च कर दिया गया है। इसका मतलब है कि टैक्स पेयर मार्च के मध्य तक FY21 का इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल कर सकते हैं।

राजधानी जयपुर में आवासीय प्लॉट लेने का सुनहरा अवसर
JDA & RERA Approved Plots
40-80 बीघा Township में उपलब्ध है।
हमारी Townships की विशेषताएं
पाएं अपने सपनों का JDA Approved Plot सभी सुविधाओं के साथ
» आकर्षक प्रवेश द्वार 80-100 फीट रोड पर। » डामर एवं इंटरलॉक टाईल्स 30-40 फीट रोड पर। » चारों ओर से 6 फीट की ब्लॉक बाउण्ड्री एवं 3 फीट की तार फैनसिंग से सुरक्षित क्षेत्र। » मेन गेट पर सिक्योरिटी गार्ड सुविधा। » सीवरेज लाईन प्रत्येक प्लॉट के आगे। » Electricity line underground प्रत्येक प्लॉट के आगे। » पानी की लाईन प्रत्येक प्लॉट के आगे। » सुसज्जित पार्क एवं Open Jym » हरा-भरा स्वच्छ एवं शांत वातावरण। » Kids play zone » Community Hall सांस्कृतिक एवं पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए। » हिन्दू देवी-देवताओं का मन्दिर। » फ्री रजिस्ट्री। » लोन सुविधा 20 प्रतिशत डाउन पेमेंट, 80 प्रतिशत तक लोन सुविधा।
एक बार अवश्य पधारें
आपका सपना-हमारा प्रयास आज संभव-कल असंभव
देरी न करें बस कॉल करें- @विशाल माथुर 9829210618

अमेरिका में 57 साल के मरीज को लगा जेनेटिकली मोडिफाइड सुअर का हार्ट

इंसान में धड़केगा सुअर का दिल!

डॉक्टर बोले... ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा या नहीं इस पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मैरीलैंड। अमेरिका के डॉक्टरों ने बड़ा कारनामा करते हुए जेनेटिकली मोडिफाइड सुअर के दिल को 57 साल के बुजुर्ग के शरीर में ट्रांसप्लांट किया है। यह ऐतिहासिक सर्जरी शुक्रवार को की गई। यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड मेडिकल के डॉक्टरों ने सोमवार को इस बारे में जानकारी दी है। डॉक्टरों ने बताया कि 7 घंटे तक चली सर्जरी के बाद मरीज की हालत में सुधार हो रहा है। हालांकि, ये ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा या नहीं इसके बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। मैरीलैंड रहने वाले डेविड बेनेट लंबे वक्त से हार्ट प्रॉब्लम का सामना कर रहे थे। परेशानी ज्यादा बढ़ने पर आखिरी ऑप्शन के तौर पर सुअर का दिल ट्रांसप्लांट करने का प्लान बनाया गया। जब डेविड बेनेट को इस बारे में बताया गया तो उनका कहना था कि मेरे सामने दो ही ऑप्शन हैं मौत या फिर ट्रांसप्लांट। यह अंधेरे में तीर चलाने की तरह है, लेकिन मैं जीना चाहता हुं।

हर्तों हर दिन नई जानकारी मिल रही है

सर्जरी करने वाले डॉ. बार्टली ग्रिफिथ ने कहा कि इस सर्जरी के बाद हमें हर दिन नई जानकारी मिल रही है। हम इस ट्रांसप्लांट के फैसले से काफी खुश हैं। मरीज से चेहरे पर मुस्कान देखकर अच्छा लग रहा है। हालांकि, सुअर के हार्ट के वॉल्व का भी इंसानों के लिए दशकों से सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया जाता रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक, अगर यह सर्जरी सफल हो जाती है तो ये विज्ञान के क्षेत्र में एक बड़ा चमत्कार होगा। इसके साथ ही सालों से जानवरों के अंगों को इंसानी शरीर में ट्रांसप्लांट करने की खोज में एक बड़ा कदम साबित होगा। ट्रांसप्लांट के बाद सुअर का दिल ठीक तरह से काम कर रहा है। फिलहाल डेविड बेनेट को हार्ट-लंग बाइपास मशीन पर रखा गया है। यहां पर डॉक्टरों की एक टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। अगले कुछ हफ्ते उनके लिए बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण हैं।

आखिर सुअर का दिल ही क्यों?

ऑर्गन ट्रांसप्लांट की रिपोर्ट्स में बताया गया है कि सुअर का दिल इंसान में ट्रांसप्लांट करने के लिए उपयुक्त होता है, लेकिन सुअर के सेल्स में एक अल्फा-गल शूगर सेल होता है। इस सेल को इंसान का शरीर एक्सेप्ट नहीं करता है, इस वजह से मरीज की मौत भी हो सकती है। इस परेशानी को दूर करने के लिए ही पहले सुअर को जेनेटिकली मोडिफाइ किया गया।

एफडीए ने इमरजेंसी यूज़ के लिए मंजूरी दी

दुनिया भर की कई बायोटेक कंपनियां ह्यूमन ट्रांसप्लांटेशन के लिए सुअर के अंगों का विकास कर रही हैं। इस ऑपरेशन में इस्तेमाल किया गया दिल भी यूनाइटेड थेरेप्यूटिक्स की सहायक कंपनी रेविविकोर से आया था। फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन, जो जेनोट्रांसप्लांटेशन एक्सपेरिमेंट की देखरेख करता है उसने इमरजेंसी यूज के तहत इस ट्रांसप्लांट को मंजूरी दी थी।

1984 में बबून का दिल ट्रांसप्लांट किया गया

मैरीलैंड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. मुहम्मद मोहिउद्दीन का कहना है कि अगर यह सर्जरी सफल हुई तो लाखों लोगों के लिए उम्मीद की एक नई रोशनी होगी। हालांकि, इससे पहले जब इस तरह के ट्रांसप्लांट किए गए तो वो सफल नहीं रहे। 1984 में एक बच्चे के शरीर में बबून (बंदर की एक प्रजाती) का दिल ट्रांसप्लांट किया गया था, लेकिन वह बच्चा सर्जरी के बाद सिर्फ 21 दिन ही जिंदा रह पाया था। यूनिवर्सिटी के हेल्थ ऑफिसर डॉ. डेविड क्लासेन ने कहा- इस जेनोट्रांसप्लांटेशन को हम एक बड़ी घटना के तौर पर मार्क कर सकते हैं, लेकिन यह एक अस्थायी कदम है।

अमेरिका में 1 से ज्यादा लोगों को ऑर्गन ट्रांसप्लांट का इंतजार

अमेरिका में फिलहाल लगभग 1.10 लाख लोग ऑर्गन ट्रांसप्लांट का इंतजार कर रहे हैं। अमेरिका में हर साल 6000 से ज्यादा मरीजों की मौत ऑर्गन ट्रांसप्लांट नहीं होने की वजह से हो जाती है। वहीं, युनाइटेड नेटवर्क फॉर ऑर्गन शेयरिंग के मुताबिक, पिछले साल अमेरिका में 3800 से ज्यादा रिकॉर्ड हॉर्ट ट्रांसप्लांट किए गए थे।

न्यूयॉर्क में सुअर की किडनी ट्रांसप्लांट की गई

पिछले साल सितंबर में, न्यूयॉर्क के एनवाईयू लैंगोन हेल्थ सेंटर में कुछ रिसर्चर इसी तरह का एक एक्सपेरिमेंट किया था। इसमें डॉक्टरों ने अस्थायी तौर पर एक सुअर की किडनी को एक मरे हुए इंसान के शरीर में ट्रांसप्लांट किया था। न्यूयॉर्क में रिसर्च टीम के एक्सपेरिमेंट को लीड करने वाले डॉ. रॉबर्ट मोंटगोमरी का कहना है कि मैरीलैंड में किया गया ट्रांसप्लांट हमारे रिसर्च को अगले लेवल पर ले गया है। यह एक बड़ी कामयाबी है। मैं खुद जेनेटिकली हार्ट प्राब्लम का सामना कर रहा हूं, इस खबर का पता चलने के बाद मैं काफी ज्यादा एक्साइटेड हूं।

पाक बॉर्डर के पास फिर गरजेंगे 150 लड़ाकू विमान

जैसलमेर के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में होगा अभ्यास, तकनीकी क्षमताओं पर फोकस

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जैसलमेर। पाकिस्तान बॉर्डर से 150 किमी दूर भारतीय वायु सेना 10 फरवरी से वायु शक्ति-2022 के दूसरे एडिशन की तैयारी शुरू करेगी। युद्धाभ्यास में सुखाई, जगुआर जैसे 150 से ज्यादा फाइटर प्लेन और हेलिकॉप्टर से जवान डेमो देंगे। इस अभ्यास के दौरान मॉडर्न युद्ध क्षेत्र के खतरों से निपटने के लिए भारतीय वायु सेना की आक्रामक और रक्षात्मक क्षमताओं पर फोकस किया जाएगा। अभ्यास जैसलमेर की पोकरण फील्ड फायरिंग में होगा। दरअसल, फायर पावर डिमॉन्स्ट्रेशन का यह दूसरा एडिशन है। इसे 2013 और 2016 में 'आयरन फिस्ट' नाम से आयोजित किया गया था। 'वायु शक्ति' के नाम से 2019 में आयोजित हुए पहले एडिशन में वायुसेना के 140 से अधिक लड़ाकू विमानों ने हिस्सा लिया था। इसमें सुखोई-30 एमकेआई, मिग-29 यूपीजी, जगुआर, एलसीए तेजस आदि जैसे फास्ट-मूवर फाइटर जेट से लेकर एमआई-17 जैसे हेलिकॉप्टर शामिल थे। इसके अलावा पैराशूटर्स और यूटिलिटी हेलिकॉप्टर को शामिल करने वाले मिशन को भी अंजाम दिया गया था। फरवरी में होने वाला यह दूसरा एडिशन है।

आयोजन तीन साल में एक बार

गौरतलब है इस तरह की ऑपरेशनल एक्टिविटी से इनका मूल्यांकन किया जाता है। तीन साल में एक बार होने वाले युद्धाभ्यास 'वायु शक्ति-2022' के इस दूसरे संस्करण में 150 से अधिक विमान की भागीदारी देखने को मिलेगी। इसमें कई राजनयिक और विदेशी अधिकारियों के भी शामिल होने की उम्मीद है। इसमें स्वदेशी प्रोडक्ट का लाइव प्रचार भी होगा।

अधिक खबरों के लिए लॉगिन करें
jagrukjanta.net
जागरूक जनता jagrukjanta.com फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े हर खबर से आपको रखें अपडेट जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

इंश्योरेंस सिर्फ 5 मिनट में
Two/Four Wheeler
0141-3587886

Computer Paradise
Desktop / Laptop / Printer Sale & Service
All Type Accessories • Antivirus Software
Toner Cartridge Refilling • Computer Peripherals
hp lenovo acer intel Tally Canon EPSON DELL
Bhupendra Singh Tanwar
computer.paradise@hotmail.com
9352566707
G-3, Plot No. B-23, L. S. Nagar, Naya Khera, Vidhyadhar Nagar, Jaipur-302039

विनायक ज्वैलर्स
Retailer of Gold, Diamond & Silver Jewellery
22 K 916 हॉलमार्क ज्वैलरी
18 K 750 हॉलमार्क डायमंड ज्वैलरी
970 Silver Utensiles
Certified राशि रत्न
BIS 100% Hall Marked Jewellery
G-46, Unnati Tower, Central Spine, Vidhya Dhar Nagar, Jaipur
0141-2337548, 0141-2337458, 9414156451

ARVIND Raymond
FABRIC FOR SHIRTS TROUSERS, SUITS, JACKETS KURTA & PAYJAMA
DESIGN & CUSTOM TAILORING ALSO AVAILABLE
G-16-17, Vrindavan Complex
Central Spine
Vidhyadhar Nagar, Jaipur
Mo. : 9828084878
Ph. : 0141-2339890

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

विश्वसनीय साप्ताहिक अखबार

जागरूक जनता

Digital Edition

एक सकारात्मक सोच

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.in

/jagrukjanta

/jagrukjantanews

jagruk_janta

जयपुर, बुधवार 12 जनवरी - 18 जनवरी, 2022

Smaller EMIs on
30 YEAR
HOME LOANS

8.45%*
Interest Rate

housing mortgage loan also available

अब अपनी पुरानी गाड़ी पर

तक लोन करवायें...

कीमत का 150%

*शर्तें लागू

IDFC FIRST Bank
BAJAJ Bajaj FinServ Limited
TATA CAPITAL We only do what's right for you
Mahindra Finance
ICICI Bank Home Loans khayaal aapka
MAGMA Investing in the smallest dream
HeroFinCorp. sk FINANCE
HDFC BANK We understand your world

authorised channel partner

Aarna associate

Call us : 9828333666

जागरूक खबरें

बचे लाभार्थी लगवाए वेक्सीन-कलेक्टर

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। लगातार कोरोना संर मण के बढ़ते मद्देनजर जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने आमजन से वैक्सीन लगवाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष से उर के लाभार्थियों को जिले में 98% प्रथम डोज़ व 83% द्वितीय डोज़ अभी तक लगाया जा चुके हैं, फिर भी जिनके प्रथम डोज व द्वितीय डोज़ लगवाना बाकी है, वे प्राथमिकता से 31 जनवरी पहले अपना वैक्सीनेशन करवाएं। जिससे की कोरोना से उन्हें सुरक्षा मिल सके, उसके बाद तय समय के पश्चात तीसरा डोज अथवा बूस्टरडोज़ लगवाएम। वर्तमान में जिला में कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। वहीं उन्होंने 15 से 18 वर्षीय बालकों से भी अपील की के वे अपना प्रथम दो जल्द से जल्द लगवाएं।

कोरोना महामारी के चलते किया काढ़े का वितरण

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। राजकीय जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय पाडन पोल पर आज से वैश्विक महामारी कोरोना की रोकथाम हेतु आयुर्वेदिक काढ़ा वितरण की शुरुआत की गई। यहकाढ़ा वरिष्ठ आयुर्वेदिक चिकित्सक अधिकारी डॉ .तरुण कुमार प्रमाणिक के निर्देशन में तैयार किया गया एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. तरुण कुमार प्रमाणिक व पार्षद प्रतिनिधि राजेश सोनी व डॉ. विमला खत्री व डॉ मीरा निठरवाल द्वारा आम जन को काढ़ा पिलाकर इसकी शुरुआत की गई उसके पश्चात डॉ. विमला खत्री व डॉ. मीरा निठरवाल काढ़ा वितरण किया गया। काढ़ा वितरण में वरिष्ठ कंपाउंडर कृष्ण चंद्र शर्मा रामचंद्र आमेटा एवं ज्योति भांड ने भी सहयोग किया। आयुर्वेदिक काढ़ा वितरण आज से सुबह 10 बजे से प्रतिदिन जिला आयुर्वेदिक चिकित्सा परिसर के बाहर पिलाया जाएगा।

किसानों को पर्याप्त यूरिया खाद उचित दाम पर उपलब्ध कराये सरकार-आक्या

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर क्षेत्र के किसानों को यूरिया खाद प्राप्त करने में आ रही समस्याओं से अवगत कराया विधायक प्रवक्ता गिरीश दीक्षित ने बताया कि विधायक आक्या ने इफको कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा सहकारी समितियों को यूरिया खाद की पर्याप्त सप्लाई ना कर निजी व्यवसायियों को यूरिया खाद बेचने को दिया जा रहा है जिससे व्यापारियों की मनमानी बढ़ने के साथ ही मुनाफाखोरी की बात भी सामने आ रही है। कम्पनी द्वारा यूरिया खाद की खरीद पर किसानों को अन्य अतिरिक्त कृषि सामग्री ₹ य करने का भी दबाव बनाया जा रहा है जिससे किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है साथ ही सहकारी समितियों कि साख पर भी प्रश्नचिन्ह लग रहा है। विधायक आक्या ने मुख्यमंत्री को इफको कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा यूरिया खाद वितरण में की जा रही हठधर्मिता एवं इससे उत्पन्न व्यापक समस्याओं को पत्र के माध्यम से बताते हुए ऐसे अधिकारियों पर कड़ी कार्यवाही करने का आग्रह किया है साथ ही किसानों को यूरिया खाद पर्याप्त मात्रा में सहकारी समितियों के माध्यम से वितरण हो ऐसी व्यवस्था हेतु अति शीघ्र कार्यवाही करने का आग्रह किया है।

जिले में शनिवार और रविवार को बंद रहेंगे धार्मिक स्थल

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। कोरोना के बढ़ते संर मण को लेकर जिला कलक्टर ताराचंद मीणा एवं डीआईजी राजेंद्र प्रसाद गोयल ने मंगलवार को धार्मिक स्थलों के प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की बैठक लेकर समीक्षा की। बैठक में धार्मिक स्थलों के प्रतिनिधियों द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शनिवार और रविवार को धार्मिक स्थल दर्शन हेतु आमजन के लिए बंद रखे जाएंगे। धार्मिक स्थलों के प्रतिनिधियों ने जिला कलक्टर को आश्वस्त किया कि कोरोना की लड़ाई में वे कंधे से कंधे मिला कर जिला प्रशासन एवं पुलिस का सहयोग करने हेतु सदैव तत्पर एवं तैयार हैं। धार्मिक स्थलों के प्रतिनिधियों ने यह भी आश्वस्त किया कि धार्मिक स्थलों में कोरोना की दोनों डोज़ लगाए हुए लोगों को ही प्रवेश दिया जाएगा। इसके अलावा जिला कलक्टर ने बैठक में कोरोना रोकथाम को लेकर सभी से सुझाव लिए। जिला कलक्टर ने कहा कि कोरोना प्रलय का ही रूप है। उन्होंने बताया कि जिले में वर्तमान में प्रति एक लाख जन पर 33 व्यक्ति संर मित है, संर मण दर के मामले में जिला प्रदेश में चौथे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि 31 दिसंबर को जिले में एक भी केस नहीं था, लेकिन आज लगभग आठ सौ एक्टिव केस हैं, जो चिंताजनक है। जिला कलक्टर ने कहा कि कोरोना के विकराल रूप लेने से पहले ही हमें सजग होना होगा। उन्होंने पहली और दूसरी लहर के दौरान मिले सहयोग के लिए धार्मिक स्थलों के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

जिला स्तरीय रंगोली प्रतियोगिता में दिखा उत्साह

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। आजादी का अमृत महोत्सव" के तहत सांस्कृतिक रचनात्मकता की दृष्टि से पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर के निर्देश पर एक दिवसीय जिला स्तरीय रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन इंदिरा प्रियदर्शनी ऑडिटोरियम में मंगलवार को हुआ। अतिरिक्त जिला कलक्टर रतन कुमार स्वामी ने रंगोली प्रतियोगिता का अवलोकन किया। उन्होंने एक-एक कर सभी रंगोलियाँ देखी और रंगोलियाँ बना रहे बच्चों, युवाओं, महिलाओं आदि का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान स्थानीय कलाकार मनोज जोशी ने उन्हें अपने द्वारा बनाई गई फड़ पेंटिंग भेंट की। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता को चित्तौड़गढ़ में दो स्वयंसेवी संस्थाओं के संयुक्त तत्वाधान में ₹ यान्वित किया गया। संस्कृति संस्थान के सचिव मनोज जोशी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर की निदेशक किरण सोनी गुप्ता के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता को संपन्न किया गया। इसके अंतर्गत अर्चना सिंह नेगी ने प्रथम, दिलकुश खटीक ने द्वितीय और अंजलि ओझा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 2000 रुपए का पुरस्कार, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 1500 रुपए का पुरस्कार एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 1000 रुपए के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कृत प्रतिभागियों सहित सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र सीधे सांस्कृतिक मंत्रालय द्वारा ऑनलाइन प्रेषित किए। इस प्रतियोगिता में डॉ बनना जोशी, कृष्णा सिन्हा और मीनाक्षी दीक्षित जज के तौर पर रहे। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में पद्मिनी महिला स्वयं सहायता समूह चित्तौड़गढ़ का सराहनीय योगदान रहा।

मंदिर ट्रस्ट ने लिया निर्णय: श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर के पट अग्रिम आदेश तक फिर बंद

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मेंहदीपुर बालाजी। देश एवं प्रदेश में बढ़ते कोरोना के ग्राफ को देखते हुए देश के प्रसिद्ध आस्थाधाम मेहंदीपुर बालाजी मंदिर ट्रस्ट द्वारा मेहंदीपुर बालाजी के पट अग्रिम आदेश तक बंद करने का निर्णय लिया गया है। जिसके चलते मेहंदीपुर बालाजी मंदिर श्रद्धालुओं के लिए अग्रिम आदेश तक बंद रहेगा। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि मंदिर प्रशासन द्वारा यह निर्णय श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए लिया गया है। वर्तमान समय में संपूर्ण देश एवं प्रदेश में कोरोना महामारी तेजी से बढ़ रही है, प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोगों की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आ रही है।

आस्थाधाम मेहंदीपुर बालाजी में संपूर्ण देश से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। ऐसे में कोरोना महामारी का संक्रमण विकराल रूप ले सकता है। कोरोना महामारी की रोकथाम एवं सरकार की गाइडलाइन की पालना तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए बालाजी मंदिर प्रबंधन द्वारा अनिश्चितकाल के लिए मंदिर बंद करने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान मंदिर पंडितो के द्वारा मंदिर में नियमित रूप से बालाजी महाराज की पूजा अर्चना एवं प्रसाद का कार्यक्रम बंद कपाटो से संचालित रहेगा। श्रद्धालुओं को असुविधा नहीं हो इसके लिए ट्रस्ट द्वारा माइक पर बार-बार अनाउंस कर जानकारी दी जा रही है।

मंगलवार सुबह आरती में उमड़ी भीड़ @ जागरूक जनता

बालिका शिक्षा से होती है क्षेत्र व समाज सहित राष्ट्र की प्रगति-कसाना

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटपूतली। राज्य सरकार के शिक्षा विभाग की निःशुल्क साईकिल वितरण योजना के तहत मंगलवार को ग्राम अमाई स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में बालिकाओं को निःशुल्क साईकिलों का वितरण किया गया।इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता व समाजसेवी शंकर लाल कसाना की अध्यक्षता में साईकिलों का वितरण किया गया।इस दौरान कसाना ने कहा कि बालिका शिक्षा से क्षेत्र व समाज सहित राष्ट्र की प्रगति सम्भव है।उन्होंने कहा कि एक बेटी पढ़-लिखकर जीवन में कामयाब होती है तो दो परिवारों का भविष्य सुधरता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करते हुए उपप्रधान प्रतिनिधि एडवोकेट राजेन्द्र रहीसा ने बालिका शिक्षा के ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार पर जोर दिया।इस दौरान कुल 19 बालिकाओं को साईकिल वितरित की गई। प्रधानाचार्य रघुवीर सिंह शेखावत ने सभी आगन्तुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान विशिष्ठ अतिथि सरपंच लीलाराम कसाना,सुनील शर्मा,पीटीआई राजकुमार पालीवाल,पंच राजेन्द्र यादव,रोशन कसाना, रामशरण गुर्जर, सतीश चौधरी, रामशरण सराधना सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इसी प्रकार ग्राम मोलाहेड़ा स्थित शहीद कैलाश चंद गुर्जर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सरपंच राजू देवी की अध्यक्षता में 23 बालिकाओं को साईकिलों का वितरण हुआ।इस दौरान प्रधानाचार्य पुष्पा देवी मीणा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।इस दौरान एसएमसी अध्यक्ष फूलसिंह, समाजसेवी रोशन हवलदार, महेश चंद, अमरसिंह,रामफल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व स्टॉफ सदस्य मौजूद रहे। ग्राम सांगटेड़ा स्थित श्री हरदेव राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय में समाजसेवी रतनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में 17 बालिकाओं को साईकिलों का वितरण किया गया।वहीं प्रधानाचार्य कृष्णा देवी ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर विशिष्ठ अतिथि सुबेदार गिरधारी लाल ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान स्टॉफ सदस्य व विद्यार्थी मौजूद रहे। ग्राम सुन्दरपुरा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भी प्रधानाचार्य चिरंजीलाल, सरपंच प्रतिनिधि यादराम कसाना, पंसस प्रतिनिधि विक्रम कसाना, कांग्रेस नेता देव कसाना,व्याख्याता रामजीलाल सराधना, रमेश,रामस्वरूप पंच, मुकेश, चुन्नीलाल आदि की मौजुदगी में बालिकाओं को साईकिलों का वितरण किया गया।इसी प्रकार ग्राम रायकरणपुरा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सरपंच राजबाला सोनी की अध्यक्षता में 29 बालिकाओं को साईकिलों का वितरण हुआ। कार्यक्रम का संचालन लीलाराम शर्मा ने किया। प्रधानाचार्य शेरसिंह ने सभी मौजूद लोगों का आभार व्यक्त किया।इस दौरान ग्रामीण व विद्यालय स्टॉफ सदस्य सहित विद्यार्थी मौजूद रहे।

कविता

संगीता कुमारी
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

ईंजीनियर

ईंजीनियर की पढ़ाई वही बच्चे करें
जो दिल से करना चाहते हैं
अन्यथा बहुत सारे अभिभावक
बच्चों की मनसा जाने बिना
भीड़ की दौड़ ईंजिनियरिंग कॉलेज में
दाखिला करा आते हैं
फिर चार साल बच्चा जैसे तैसे
अनेक शाखाओं की डिग्री लेता है
बेरोजगारों की भीड़ में खड़ा दिखता है
समय बहुत अनमोल है
रसहीन जीवन झोल है
अपने बच्चों को वही पढ़ाएं कराएं
जिससे उनकी प्रतीभा उभर कर आये
और वो बिना पछताये आगे बढ़ते जायें...
(लेखिका बुलंदशहर से है)

जागरूक जनता jagrukjanta.com फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
हर खबर से आपको रखें अपडेट
जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

एसएलबीसी की 151वीं बैठक: नाबार्ड की राज्य स्तरीय ऋण संगोष्ठी

राष्ट्रीयकृत बैंक किसान कर्ज माफी में करें सहयोग

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राष्ट्रीयकृत बैंकों के फसली ऋणों की माफी के लिए राष्ट्रीयकृत बैंक राज्य सरकार का सहयोग करें। गौरतलब है कि सरकार ने एकमुश्त ऋण माफी योजना की तर्ज पर फसली ऋण माफी का प्रस्ताव बैंको को भेजा है। गरीब किसानों को राहत देने के संबंध में बैंकों को प्रस्ताव भेजा गया है। इस प्रस्ताव को क्रियान्वित कर राष्ट्रीयकृत बैंक किसानों की कर्ज माफी में राज्य सरकार को अपेक्षित सहयोग करें।

गहलोत वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की 151वीं बैठक और नाबार्ड की राजस्थान राज्य स्तरीय ऋण संगोष्ठी 2022-23 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा हाल ही में लाई गई एकमुश्त ऋण माफी योजना में एनपीए में वर्गीकृत कृषि ऋणों की माफी की गई है। जिसमें 90 प्रतिशत ऋण बैंक ने माफ किया है। जबकि, शेष 10 प्रतिशत कृषक ने दिया है। इसी योजना की तर्ज पर दूसरे बैंक भी योजना लाकर गरीब किसानों को राहत दें। प्रमुख शासन सचिव वित अखिल अरोरा ने कहा कि प्रदेश में 80 हजार ई-मित्र, 23 हजार राशन डीलर्स तथा करीब 20 हजार डेयरी बूथ हैं। इन्हें बैंकिंग कोरेस्पोंडेंट सेंटर्स के रूप में विकसित कर प्रदेश के कोने-कोने तक बैंकिंग सुविधाओं को आसानी से पहुंचाया जा सकता है। एसएलबीसी के संयोजक महेन्द्र सिंह महनोत ने बताया कि सितंबर की तिमाही में राजस्थान का सीडी रेशो 83.51 प्रतिशत रहा है, जो आरबीआई के बैंचमार्क से अधिक है। उन्होंने बताया कि 100 प्रतिशत डिजिटल जिले में इस साल अजमेर और धौलपुर का चयन किया गया है।

14 हजार करोड़ के ऋण माफ

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार गठन के बाद किसानों का 14 हजार करोड का सहकारी बैंकों का कर्ज माफ किया है। जिसमें पिछली सरकार का भी 6 हजार करोड का कर्ज भी शामिल है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार युवाओं के लिए इन्दिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना लेकर आई। योजना के तहत युवाओं को 50 हजार रूपए का ऋण बिना ब्याज का उपलब्ध कराया जा रहा है।

स्टेट फोकस पेपर का विमोचन

मुख्यमंत्री ने नाबार्ड के वर्ष 2022-23 के स्टेट फोकस पेपर का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि नाबार्ड ने इसमें प्राथमिकता क्षेत्रों के लिए संभावित ऋण का आकलन 2.50 लाख करोड का किया है, जो पिछले वर्ष के संभावित आकलन की तुलना में 7.3 प्रतिशत अधिक है। नाबार्ड के सीजीएम जयदीप श्रीवास्तव ने बताया कि नाबार्ड द्वारा 2.50 लाख करोड का ऋण कृषि, एमएसएमई और अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में देने का संभावित लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने बताया कि नाबार्ड ने आरआईडीएफ के माध्यम से पिछले वित्तीय वर्ष में 1900 करोढ रूपए दिए थे जिसे इस वित्तीय वर्ष में बढाकर 3000 करोड़ रूपए तक ले जाने की संभावना है।

चिरंजीवी योजना के तहत मिली 108 एम्बुलेंस की सौगात

भीनमाल @ जागरूक जनता। जालोर जिले के भीनमाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को अत्याधुनिक संसाधनों और सुविधाओं से पूर्ण चिरंजीवी योजना के तहत 108 एम्बुलेंस की सौगात मिली है। इसका लोकार्पण पूर्व विधायक डॉ समरजीत सिंह ने हरी झंडी दिखाकर कर किया और रोगियों की सेवा के लिए समर्पित की. कोरोना महामारी की तीसरी लहर के चलते भीनमाल को क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार करते हुए नई एडवांस लाइफ सिस्टम वाली एंबुलेंस 108 की सौगात मिली है। आप को बता दें कि इस एडवांस लाइफ सपोर्ट सिस्टम से सुसज्जित यह एंबुलेंस क्रिटिकल मरीजों के लिए अत्याधिक सहायक सिद्ध होगी। यह क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। BCMO डॉ दिनेश विश्नोई ने एंबुलेंस की जानकारी देते हुए बताया कि यह एडवांस एम्बुलेंस वेंटीलेटर, ऑक्सीजन, कार्डिकयक मॉनिटर, प्लस आक्सिमिटर जैसे अत्याधुनिक जीवन रक्षक उपकरणों से सुसज्जित वातानुकूलित एम्बुलेंस है। किसी भी क्रिटिकल परिस्थिति में मरीज को हॉस्पिटल लाने के दौरान उनकी जान बचाने में यह एंबुलेंस बहुत ज्यादा सहायक सिद्ध होगा। आधुनिक सुविधाओं से युक्त एंबुलेंस के मिलने से सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को हॉस्पिटल जल्दी लाया जा सकेगा। अब जैसे रोड एक्सीडेंट, प्रसव सुविधा एवं स्वास्थ्य खराब होने पर 108 फ्री टोल फ्री नंबर पर कॉल करके इस एंबुलेंस की सेवा ली जा सकेगी। वही, अब स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

किसानों के लिए लागत निकालना मुश्किल

आलू-टमाटर के भाव अनार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश के पश्चिमी जिलों के बाजार में इन दिनों थार अनार आलू-गोभी के भाव बिक रहा है। इससे किसानों को लागत निकालना भी मुश्किल हो चला है। किसानों को कहना है कि उच्च गुणवत्ता का अनार 35-40 रूपए प्रति किलो की दर से खरीदा जा रहा है। जबकि, पिछले साल 80-120 रूपए की रेट मिली थी। उन्होंने बताया कि इस साल अनार के शुरूआती भाव तो अच्छे रहे। लेकिन, इसके बाद से भावों में लगातार गिरावट का रूख बना हुआ है। इसके चलते अनार के भाव 10 से 40 रूपए प्रतिकिलो तक आ पहुंचे है। गौरतलब है कि बाजार में आलू और गोभी के भाव भी थार अनार के समान है। जानकारी के मुताबिक मांग नहीं निकलने, गुजरात-महाराष्ट्र की फसल एक साथ आने से अनार के प्रतिकिलो भावों में गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, इस साल बाड़मेर, जालौर, जोधपुर, पाली सहित दूसरे जिलों में अनार की बंपर पैदावार हुई है। हजारों टन अनार किसानों के खेतों में पककर तैयार है। लेकिन, उचित भाव नहीं मिलने के चलते किसान फलों की तुड़ाई नहीं कर रहे है। किसान हस्तीमल राजपुरोहित, ओम सिंह राठौड़, सम्पत कुमार जैन, नरपत सिंह ने बताया कि इस साल अनार की फसल गिरते भावों के कारण घाटे का सौदा बन चुकी है। 10 से 40 रूपए के भाव मिलने से किसानों की लागत भी नहीं निकल पा रही है।

उम्मीदों को झटका

सीजन की शुरूआत में अनार की कीमत 130 रुपए से 150 रुपए थी। अनार उत्पादकों को उम्मीद थी कि कीमतों में वृद्धि से पैसा आएगा। लेकिन, दूसरे राज्यों से अनार की आवक बढने से कीमतों में गिरावट शुरू हो गई है। अनार की कीमत अब 100 रुपए से 80 रुपए प्रति किलो हो गई है। इसके बाद अब 10-40 रूपए से आगे नहीं बढ़ पा रही है।

6 हजार हैक्टयर उत्पादक बगीचे

इस साल अकेले बाड़मेर जिले में उत्पादक बगीचे की स्थिति पर गौर किया जाए तो करीब 6 हजार हैक्टयर क्षेत्र में फल लगे है। ऐसे में अनार उत्पादन का अंदाजा लगाया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि बाड़मेर जिले में सात हजार हैक्टयर क्षेत्र में अनार की खेती हो रही है। कृषि विज्ञान केन्द्र, गुडामालानी के डॉ. प्रदीप पगारिया ने बताया कि एक हैक्टयर क्षेत्र में पौधों के रखरखाव पर सालाना दो से सवा दो लाख रूपए का खर्चा आता है। किसान एक पौधे का सालाना खर्च 200 रूपए के आसपास मानते है। एक हैक्टयर क्षेत्र में पौधों की संख्या 833 के करीब रखी जाती है। इससे बगीचा प्रबंधन खर्च और मजदूरी का गणित समझा जा सकता है। उन्होंने बताया कि व्यस्क बगीचे से एक हैक्टयर में 100-120 कुण्टल अनार का उत्पादन किसान को मिलता है।

बाहरी राज्य से भी पहुंचते है खरीदार

किसानों ने बताया कि हर साल जयपुर, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, कोलकत्ता, अहमदाबाद, नासिक के व्यापारी यहां अनार खरीदने आते हैं। लेकिन, इस साल बाहरी व्यापारी मांग कम होना बताकर औने-पौने दाम पर फसल खरीद रहे है। उत्पादन, इतना है कि किसान ज्यादा दिन अनार को स्टोरेज करके नहीं रख सकता।

कोरोना के गाइडलाईन की करें पालना

जालोर @ जागरूक जनता। जिला कलक्टर वृष्णि ने बढते कोरोना संक्रमण को देखते हुए गृह विभाग की नवीनतम गाइडलाईन की अक्षरशः पालना करने की जिलेवासियों से अपील की है। जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि ने बताया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वासथ्य अधिकारी की अनुशंषा पर बढती सर्दी एवं कोरोना के संक्रमण को देखते हुए जिले भर में कक्षा 1 से 8 तक के राजकीय, निजी, सीबीएससी सहित सभी विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए अवकाश रहेगा। उन्होंने मास्क पहनने, दो गज की दूरी बनाये रखने के साथ प्रदत गाइडलाईन का पालन करने की बात कही।

ANCHOR | **प्रशिक्षु आरटीएस का आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम**

प्रशिक्षण के विधिक व व्यावहारिक पहलू पर ध्यान दें अधिकारी-राजेश्वर सिंह

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अजमेर। राजस्व मंडल अध्यक्ष राजेश्वर सिंह ने कहा कि प्रशासनिक तबके को विधिक एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण से सुदृढ़ होकर अमीर-गरीब का भेद किए बगैर निष्पक्ष एवं दृढ़तापूर्वक सेवाएं देने का संकल्प लेना चाहिए। वे आरआरटीआई अजमेर सभागार में नवनियुक्त नायब तहसीलदारों के आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत आयोजित कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

श्रेष्ठ व्यक्तित्व को बनायें आधार

उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने कार्य व्यवहार में श्रेष्ठ व्यक्तित्व को आधार बनाकर कार्य करेंगे तभी उन्हें सार्वजनिक जीवन में सम्मान व प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। सभी वर्गों के कार्य जो विधि सम्मत एवं न्यायोचित हों उन्हें अविलंब पूरा करने के प्रयास किए जाएं। कार्य संपादन में हमें सदैव गंभीरता, अनुशासन व सहजता के संतुलन को बनाए रखना होगा। मंडल अध्यक्ष ने प्रशिक्षु नायब तहसीलदारों से अपेक्षा की कि वे विधिक आधार से कार्यरचना को समझें। राजस्व अधिनियम व काश्तकारी अधिनियम आदि का भली-भांति अध्ययन करके ही वे बेहतरीन प्रषासक की भूमिका अदा कर सकते हैं। उन्होंने समुचित आत्मज्ञान एवं आंकलन को भी कार्य निष्पादन का बेहतरीन आधार बताया। उन्होंने कार्य क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए वहां के भौगोलिक, सामाजिक, ऐतिहासिक, व्यापारिक, राजनीतिक व सांस्कृतिक परिवेश को पूरी तरह समझते हुए कृषि क्षेत्रों से जुड़े कार्यों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने की भी महती जरूरत बताई। उन्होंने क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए अपने अनुभवों को साझा करने पर भी जोर दिया।

सबसे सशक्त कड़ी है आरटीएस

राजस्व मंडल निबंधक मोहन लाल यादव ने तहसीलदार संवर्ग को प्रशासनिक तबके की सबसे सशक्त एवं महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए कहा कि अधिकारियों को पूर्ण निष्ठा, अनुशासन एवं जवाबदेही के साथ कार्य निर्वहन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कार्य क्षेत्र में सफलता के लिए सूचना तंत्र को मजबूत बनाने एवं आमजन से बेहतर व्यवहार बनाए रखने की सीख दी।

136 प्रशिक्षु आरटीएस ले रहे हैं आधारभूत प्रशिक्षण

आरंभ में आरआरटीआई निदेशक चेतन त्रिपाठी ने बताया कि संस्थान में आरटीएस के तीसवें बैच के तहत 136 प्रशिक्षु आरटीएस आधारभूत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यह कार्यक्रम गत 27 दिसंबर से आरंभ हुआ जो आगामी 11 फरवरी को पूर्ण होगा। उन्होंने संस्थान की गतिविधियों पर भी विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में राजस्व मंडल के अतिरिक्त निबंधक भंवर सिंह सांदू सहित अन्य अधिकारी एवं प्रशिक्षु आरटीएस मौजूद रहे। अंत में आभार सुमन राठौड़ ने जताया।

जागरूक खबरें

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार के कार्यकर्ताओं ने गोयल को डीआईजी पद पर पदोन्नत होने पर किया स्वागत

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। अंतर्राष्ट्रीय मानवधिकार सुरक्षा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद गुप्ता व राष्ट्रीय मंत्री पुष्प लता आत्रे के निर्देशानुसार चित्तौड़गढ़ के पुलिस अधीक्षक राजेंद्र प्रसाद गोयल को उदयपुर संभाग का डीआईजी पद पर पदोन्नत होने पर चित्तौड़ जिलाध्यक्ष राजू अग्रवाल शंभूपुरा के नेतृत्व में प्रदेश मंत्री महेंद्र सिंह सूरजनियास उदयपुर संभाग अध्यक्ष रेनू मिश्रा चित्तौड़ जिलाध्यक्ष राजू अग्रवाल शंभूपुरा जिला महामंत्री किति सिंह मारनियास सोहन शर्मा ओबीसी तहसील अध्यक्ष मुकेश दास वैष्णव जालमपुरा दीपक वैष्णव भंडारियामहामंत्री गोपाल शर्मा चंदेरिया व कई कार्यकर्ताओं के साथ सांवरिया सेठ की छवि व गुलदस्ताओ के साथ ही शोल ओड़ाकर सम्मानित किया एवं बधाई और शुभकामनाएं दी डीआईजी पद पर पदोन्नत होने के बाद राजेंद्र प्रसाद गोयल ने कहा कि कोरोनावायरस के दौरान मार्क्स, सेनीटाइजर, और उचित दूरी बनाए रखने का संदेश दिया।

आयुर्वेदीय छात्रों के दिलो मे हमेशा जिंदा रहेंगे स्वर्गीय डॉ नागेरि राव-डॉ भूपेंद्र

जयपुर @ जागरूक जनता। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विवि जयपुर के पूर्व पी.जी छात्रसंघ महासचिव डॉ भूपेंद्र शर्मा चांदवास ने बताया कि रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग एनआईए मे ऐसोसियट प्रोफेसर व एनआईए फॉर्मेसी के इंचार्ज रहे स्वर्गीय डॉ नागेश्वर राव को उनकी तृतीय पुण्यतिथि पर याद करते हुए श्रद्धांजलि दी गई । डॉ शर्मा ने बताया कि स्वर्गीय डॉ नागेश्वर राव एक जिंदा दिल इंसान थे। अपने नैतिक कार्यो के प्रति वफादार थे। हर कार्य को इमानदारी से करना इनकी पहचान थी । डॉ शर्मा ने बताया कि उन्होंने स्वयं लोगो से स्वर्गीय डॉ नागेश्वर राव के बारे मे उनकी इमानदारी व कार्यो के प्रति वफादारी के किस्से सुने है। स्वर्गीय डॉ नागेश्वर राव हमेशा छात्रों की सहायता के लिए तैयार रहते थे। इनके मार्ग दर्शन मे अनेकों विद्यार्थीओ ने अपने रिसर्च कार्य संपन्न किये है। आयुर्वेद छात्र उन्हें आज भी अपना आदर्श मानते है। डॉ शर्मा ने पुण्यतिथि पर स्मरण करते हुए बताया कि आयुर्वेद जगत के लिए डॉ नागेश्वर राव का आकस्मिक निधन एक अपूरणीय क्षति है। जिसको किसी भी स्थिति मे पूर्ण करना अंसभव है। परन्तु डॉ नागेश्वर राव हमेशा छात्रों के दिलो मे जिंदा रहेगे। डॉ शर्मा ने आयुर्वेदीय छात्रों से आग्रह करते हुए कहा कि स्वर्गीय डॉ नागेश्वर राव के दिखाये गये मार्ग पर चलने का प्रयास करे।

कोटपूतली में मंगलवार को कोरोना के रिकॉर्ड 40 मामले आये सामने

कोरोना गाईडलाईन की अनुपालना को लेकर सड़कों पर उतरे पुलिस व प्रशासन के अधिकारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटपूतली। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण का खतरा कोटपूतली में तेजी से बढ़ रहा है।यहाँ प्रतिदिन कोरोना के नये मामले सामने आ रहे हैं।मंगलवार को क्षेत्र में 40 मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव प्राप्त हुई है।बीसीएमओ डॉ.रामनिवास यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार को कस्बे के वार्ड नं.18 निवासी 19 वर्षीय युवक,वार्ड नं.04 श्याम मंदिर के पास निवासी 29 वर्षीय युवक,ग्राम मोहनपुरा के क्रमशः 34 वर्षीय एवं 30 वर्षीय युवक एवं 45 वर्षीय पुरूष,वार्ड नं.34 निवासी 36 वर्षीय युवक ,ग्राम नारेहड़ा निवासी 30 वर्षीय युवक व 14 वर्षीय किशोर, नवल कुशालपुरा निवासी 34 वर्षीय युवक,शुक्लावास निवासी 25 वर्षीय महिला,कंवरपुरा निवासी 65 वर्षीय बुजुर्ग,खुर्दी निवासी 45 वर्षीय पुरूष, बेरी बांध निवासी 25 वर्षीय महिला, शुक्लावास निवासी 25 वर्षीय युवक, स्थानीय थाने के दो पुलिसकर्मी, राजनौता का 84 वर्षीय बुजुर्ग,वार्ड नं. 34 निवासी 46 वर्षीय पुरूष, चिमनपुरा निवासी 12 वर्षीय बालक, राजनौता निवासी 48 वर्षीय पुरूष व 42 वर्षीय महिला,वार्ड नं.08 निवासी 74 वर्षीय बुजुर्ग,बनेठी निवासी 63 वर्षीय वृद्धा, चिमनपुरा निवासी बालक, नारेहड़ा निवासी 26 वर्षीय युवक,चिमनपुरा निवासी 50 वर्षीय महिला व 62 वर्षीय बुजुर्ग, टोरडा गुजरान निवासी 16 वर्षीय किशोर, वार्ड नं. 22 निवासी 38 वर्षीय महिला व 40 वर्षीय पुरूष,कारौली निवासी 16 वर्षीय किशोर,टसकोला निवासी 40 वर्षीय पुरूष,हांसियावास निवासी 24 वर्षीय पुरूष,बेरी बांध निवासी 15 वर्षीय किशोर,रूपपुरा फतेहपुरा निवासी 26 वर्षीय युवक,चतुर्भुज निवासी 32 वर्षीय युवक,वार्ड नं.38 निवासी 19 वर्षीय युवती की रिपोर्ट कोरोना पॉजीटीव पाई गई हैं।वहीं इनके अलावा 4 मरीज अन्य क्षेत्र के हैं।बीसीएमओ यादव ने बताया कि कोटपूतली में मंगलवार तक कोरोना के करीब 98 मामले सामने आ चुके हैं।वहीं मंगलवार को कोविड-19 की जाँच हेतु 220 लोगों के सैम्पल लिए गये।दूसरी ओर कोरोना नियंत्रण को लेकर राज्य सरकार द्वारा जारी गाईडलाईन की अनुपालना के लिए बड़ी संख्या में पुलिस व प्रशासन के अधिकारियो ने कस्बे के मुख्य मार्गो का दौरा किया।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान कार्यवाहक एसडीएम राजवीर सिंह यादव,तहसीलदार सूर्यकान्त शर्मा,थानाधिकारी सवाई सिंह, पालिका एईएन अनिल जोनवाल,फतेहसिंह मीणा आदि ने लोगों को गाईडलाईन की पालना के लिए समझाईश की।इसके साथ ही सोशियल डिस्टेंसिंग के बारे में अवगत करवाते हुए मास्क आदि का भी वितरण किया गया।इस दौरान तहसीलदार शर्मा ने कहा कि गाईडलाईन की अनुपालना को लेकर बुधवार से सख्ती बरती जायेगी। उल्लंघन करने वालों का चालान भी काटा जायेगा।

श्री छांपाला वाला भैंरू जी का 13 वाँ वार्षिकोत्सव समारोह 30 को

कोटपूतली @ जागरूक जनता। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम कल्याणपुरा कुहाड़ा स्थित अरावली की पहाड़ियों में बने वर्षों पुराने श्री छांपाला वाला भैंरू जी महाराज के मंदिर का 13 वाँ वार्षिकोत्सव समारोह प्रतिवर्ष की भांति आगामी 30 जनवरी को बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ आयोजित होगा। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस लक्खी मेले में विशाल भण्डारे का आयोजन होता है।जहाँ लाखों की संख्या में श्रद्धालू पंगत प्रसादी ग्रहण करते हैं।आयोजन में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए जेसीबी मशीन की सहायता से चूरमा बनाया जाता है।मेले की तैयारियों को लेकर आयोजन कमेटी सदस्यों व ग्रामीणों की बैठक का आयोजन हुआ।जिसमें सर्वसम्मति से आगामी 30 जनवरी को वार्षिकोत्सव समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया।नरेश छावड़ी ने अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत को जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान बाबा पर हैलीकॉप्टर की सहायता से पुष्प वर्षा भी की जायेगी। बैठक के दौरान जयराम जेलदार, रामकुंवार छावड़ी, रामकुंवार सरपंच, शिम्भू, धर्मपाल, सवाई, रोहिताश, कैलाश, दाताराम सरपंच सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

सोनगिरा पोषवाल की रही अटूट आस्था

श्री छांपाला वाला भैंरू बाबा का धाम उनके परम शिष्य सोनगिरा पोषवाल प्रथम की अटूट आस्था की कहानी से जुड़ा हुआ है।ग्रामीणों ने बताया कि सोनगिरा भैंरू बाबा की मूर्ति को कुहाड़ा में स्थापित करना चाहते थे। मूर्ति लाने के लिए जब वे काशी जी गये तो भैंरू बाबा ने उनसे पुत्र की बलि माँगी जो उन्होंने दे दी। इसके बाद सोनगिरा ने पंच पीरों के साथ कुहाड़ा गाँव की स्थापना की।सोनगिरा के सोनगिरा द्वितीय पैदा हुआ।जिसने अपनी बेटी पदमा की शादी बगड़ावत सवाई भोज के साथ की। जिसमें पंच देव खेजड़ी वृक्ष का मंडप लगाया गया जो वर्तमान में भी मौजूद हैं। किवंदती है कि जिस स्त्री को संतान नहीं हैं अगर वह मंडप में उपस्थित जड़ के नीचे से निकलती है तो उसे संतान सुख की प्राप्ति होती हैं।जहाँ लोग भैंरू बाबा व खेजड़ी के वृक्ष की पूजा अर्चना करते हैं।

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुरा में स्वेटर वितरण कार्यक्रम आयोजित

कोटपूतली @ जागरूक जनता। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम जगदीशपुरा में स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में विद्यार्थियों को स्वेटर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सरपंच रामनिवास यादव एवं सीबीईओ महावीर प्रसाद बडगुजर के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।इस दौरान भामाशाह विनोद शर्मा और अध्यापिका मोनिका यादव के सहयोग से विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित की गई।वहीं स्वेटर प्राप्त कर विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी की झलक नजर आई।इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाध्यापक पवन यादव ने सभी आये हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस मौके पर भगवान सहाय, ख्यालीराम, शिवदयाल, हरीश धानका, विद्यालय स्टाफ पप्पूराम गुर्जर, विनोद वर्मा, निशा बसवाल सहित विद्यालय विद्यार्थी एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

भवानी सिंह प्रजापत को पीएचडी की उपाधि

कोटपूतली @ जागरूक जनता। कस्बे के निकटवर्ती उपखण्ड क्षेत्र पावटा के ग्राम मण्ढ़ा निवासी शोध छात्र भवानी सिंह प्रजापत ने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत को जानकारी देते हुए प्रजापत ने बताया कि उन्होंने अपना शोध कार्य महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौधोगिकी विश्वविद्यालय,उदयपुर से जैविक उत्पादन प्रणाली के तहत मक्का को उत्पादकता पर सक्रिय सिलिका का प्रभाव विषय पर शस्य विज्ञान में मुख्य सलाहकार प्रो.डॉ.एम.के.कौशिक के सानिध्य में पूर्ण किया है। डॉ.भवानी सिंह ने अपनी इस सफलता का श्रेय पिता शिम्भूदयाल,माता गिंदोड़ी देवी एवं भाई सुभाष को दिया है।

पुत्री के जन्मदिन पर किया स्वैच्छिक रक्तदान

कोटपूतली @ जागरूक जनता। कस्बा स्थित राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में कार्यरत डॉ.महेश कसाना ने मंगलवार को हरवर्ष की भांति अपनी पुत्री किंजल कसाना के जन्मदिन पर राजकीय बीडीएम अस्पताल के ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान कर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ नारे की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए सामाजिक संदेश दिया।सामाजिक कार्यकर्ता राजेन्द्र कसाना ने अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत को जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान डॉ.जयदयाल,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष छीत्तरमल सैनी, इन्द्राज कसाना, सतीश खटाना, मनीष मीणा, गिरिराज नायक सहित अस्पताल स्टॉफ सदस्य मौजूद रहे।

देशी-विदेशी पर्यटन में लगातार पिछड़ रहा है राजस्थान- प्रो.महेश शर्मा

घरेलू पर्यटक की लगातार उपेक्षा घातक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। कोरोना के दूसरे दौर के बाद घरेलू पर्यटन में इजाफा अस्थाई तथा अवास्तविक था, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में रोक तथा स्वास्थ्य जोखिम के कारण विदेश घूमने वालों के लिए घरेलू पर्यटन ही एक मात्र विकल्प तथा विवशता थी। वरना राजस्थान पर्यटन का ग्राफ वर्ष दर वर्ष नीचे गिर रहा है। कोरोना महामारी ने राजस्थान पर्यटन को और नीचे धकेल दिया है। 80 के दशक में भारत आने वाले आधे विदेशी पर्यटकों को राजस्थान आकर्षित करता था, फिर 90 के दशक में कहा जाता था हम एक तिहाई पर्यटकों को आकर्षण करते है। किंतु कोरोना से पूर्व, 2019 में हम केवल 5.1 प्रतिशत विदेशी पर्यटकों को ही आकर्षित कर पाए।, 2019 में देश के टॉप फाइव राज्यों की सूची से हमें बाहर निकाल दिया गया। आज पश्चिम बंगाल तथा पंजाब हमसे बेहतर स्थिति में है।

इस मांग को स्थाई बनाने के लिए हमें दीर्घकालीन व्यूहरचना का निर्माण करना होगा तथा नीति निर्धारकों, सरकार तथा टूर ऑपरेटर्स को मिल कर घरेलू पर्यटन को ध्यान में रखते हुए सशक्त पर्यटन नीति का निर्माण करना होगा। पेसिफिक होटल प्रबंधन संस्थान द्वारा डोमेस्टिक टूरिज्म डिमांड फॉर पोस्ट कोविड सैकंड वेव वॉज अनरियलिस्टिक एण्ड टेम्परेरी, इट शुड बी लॉन्ग टर्म स्ट्रेटेजी विषय पर आयोजित वेबिनार में बोलते हुए मुख्य वक्ता प्रोफेसर महेश शर्मा ने उपरोक्त विचार व्यक्त किए।। शर्मा ने बताया कि यह हाल घरेलू पर्यटन का है,आज हम देशी पर्यटकों को आकर्षित करने में टॉप टेन राज्यों की सूची से बाहर निकल गए है। मात्र कुल देशी पर्यटकों में से 2.2 प्रतिशत को आकर्षित कर पा रहे है गुजरात, तेलंगाना, मध्यप्रदेश,पश्चिमी बंगाल हमसे आगे है।

प्रो.शर्मा में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दो वर्ष से टूरिज्म इंडस्ट्री वेन्टिलेटर पर है । डोमेस्टिक टूरिज्म ने पर्यटन उद्योग के लिए सिर्फ ऑक्सीजन का काम किया है, संपूर्ण उपचार नहीं। कोरोना की वैश्विक अनिश्चितता ने हमारा ध्यान डोमेस्टिक टूरिज्म की और आकर्षित किया है। । इसके लिए हमें पर्यटन नीतियों में, योजनाओं तथा आधारभूत सुविधाओं में बदलाव लाना होगा। हमें घरेलू पर्यटन मुखी योजनाओं का निर्माण करना होगा।

शर्मा ने बताया कि पिछले दो वर्षो से वेंटीलेटर पर रखे पर्यटन को छह माह से घरेलू पर्यटन ऑक्सीजन दे रहा था किंतु लंबी छलांग के बाद तीसरी लहर के साथ वह भी औंधे मुंह गिर रहा है। शर्मा ने भारत के लिए पर्यटन को घाटे का सौदा बताया उनके अनुसार महामारी के पूर्व तक जितने विदेशी पर्यटक भारत घूमने आते थे उससे लगभग तीन गुना भारतीय पर्यटक विदेशों में घूमने चले जाते थे। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल तथा संयुक्त राष्ट्र के विश्व पर्यटन संगठन के पूर्व आंकलन के अनुसार पिछले वर्ष 2020 में यदि महामारी नही आती तो भारत से 50 मिलियन भारतीय पर्यटकों के विदेशों में घूमने का अनुमान लगाया था। उल्लेखनीय है कि भारतीय पर्यटक दुनिया में सबसे खर्चीला पर्यटक है जो प्रतिदिन औसतन 1200 डॉलर खर्च करता है जब कि एक अमेरिकन 700 डॉलर तथा एक ब्रिटिश मात्र 500 डॉलर खर्च करता है। इस प्रकार पिछले एक दशक में नेट विजिटर पोजीशन में (विदेशी पर्यटकों के आगमन में से भारतीय पर्यटकों के विदेश में जाने की संख्या घटाने पर) पर्यटन व्यवसाय भारत के लिए एक घाटे का सौदा तथा चिंता का विषय बन गया है। अभी जब तक कई देशों ने महामारी के चलते भारतीय पर्यटकों के लिए दरवाजे बंद कर रखे है ऐसे में विदेश भ्रमण करने वाले जो भारतीय पर्यटक मजबूरन देश में घूम रहे है,आज उन्हें स्थाई रूप से आकर्षित करने की नीति तथा योजना बना कर उनके अनुरूप आधारभूत सुविधाएं मुहैया करवाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। हमें घरेलू पर्यटन से ज्यादा लाभ मिल सकता है, उन्ही के अनुसार हमें स्ट्रेटजी तथा पैकेज बनाने चाहिए। आउट बाउंड टूरिज्म पर अभी अस्थाई रोक है जो कोरोना की समाप्ति पर वास्तविक विदेशी पर्यटकों के मुकाबले पांच गुना तक बढ़ सकता है । संस्थान निर्देशक विनोद कुमार सिंह भदौरिया ने कहा कि पर्यटन इंडस्ट्री अभी काफी मुश्किल दौर से गुजर रही है मगर अभी काविड के हालात को ध्यान में रखते हुए सभी का रुझान डोमेस्टिक टूरिज्म पर करना होगा ताकि सभी को व्यवसाय मिलें और साथ ही टूरिज्म इंडस्ट्री को बढ़ावा। संयोजक संकाय सदस्य मेहंदी शर्मा ने घरेलू पर्यटन के लिए विशेष योजनाओं व नीतियों के निर्माण की बात कही,मेहंदी शर्मा ने कहा की कि हमारा अभी तक ध्यान विदेशी पर्यटकों पर ही रहा तथा उन्हीं के अनुरूप नीतियां व आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया गया, जिसका लाभ कई देशों ने उठाते हुए भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने में सफलता हासिल की है।आज कई देशों की पर्यटकीय आय में भारतीय पर्यटकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसका कारण हमारी घरेलू पर्यटन के प्रति उपेक्षा है।प्रो. शैलेश कुमार मैथ्यूज ने कोरोना से सबक लेकर सतत पर्यटन विकास की नीति बनाने की मांग की, प्रारम्भ में उन्होंने विषय प्रवर्तन ने साथ परिचय दिया तथा धन्यवाद की रस्म अदा की।

कलम बोलती है -39 लेखिकाओं की लघुकथा संग्रह का विमोचन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के देराश्री शिक्षक सदन में राज.लेखिका साहित्य संस्थान की पुस्तक लघुकथा संग्रह 'कलम बोलती है' का विमोचन एवं चर्चा कार्यक्रम हुआ राजस्थान विश्वविद्यालय के देराश्री सभागार में संपन्न हुआ।कार्यक्रम अध्यक्ष वेद व्यास मुख्य अतिथि भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी व प्रसिद्ध साहित्यकार टीकम अनजाना मुख्य वक्ता डॉ. कुसुम शर्मा विशिष्ट अतिथि अनिता नायर,सांवर सिंह यादव तथा अध्यक्ष डॉ जयश्री शर्मा के कर कमलों से हुआ।मुख्य अतिथि और चर्चित साहित्यकार टीकम अनजाना जी सभी लेखिकाओं को कलम बोलती है लघुकथा संग्रह की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जो भावनात्मक अनुभूति अपने आसपास जो उन्होंने अपनी लघुकथा के माध्यम से सबके इस किताब में लिखी है।क्योंकि समाज में जो परंपराएं, मान्यताएं ,घटनाएं हम देखते हैं, महसूस करते हैं वह विभिन्न विधाओं के माध्यम से कह देते हैं लघुकथा संग्रह भी उसी का एक रूप है। साहित्यिक सफलता वह है जो समाज की दिशा और दशा सुधारें। समाज में जो असंगति, अरुचि, गलत मान्यताएं हो रही है साहित्यकार का कर्तव्य होना चाहिए कि वह अपनी कलम से उन सब बातों को बेबाकी से लिखें यही साहित्य का उद्देश्य है।

इससे पूर्व सलोनी क्षितिज रस्तोगी के सरस्वती वंदना के तत्पश्चात सह सचिव डॉ. सुषमा शर्मा ने संस्थान का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सचिव रेनू शब्द मुखर में कलम बोलती है लघु कथा संग्रह में से नोटबंदी व शादी का कार्ड का वाचन किया। वेदव्यास ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में समसामयिक विश्लेषण करते हुए साहित्य की दशा की बारीकियों का उद्घाटन किया तथा कहा कि 32 साल पहले राजस्थान लेखिका संस्थान के शुरू हुआ तब से लेकर के नलिनी जी के योगदान का स्मरण करते हुए वेदव्यास जी ने उनकी भूरी भूरी प्रशंसा की और बताया कि साहित्य के क्षेत्र में कुछ करने की ललक जो नलिनी जी में दिखती थी वहीं अब मैं वर्तमान अध्यक्ष जयश्री में देखता हूं। साथभी उनके सुपुत्र सुधीर उपाध्याय की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज अपनी माता नलिनी जी की संस्था के माध्यम से महिलाओं के साहित्य सृजन को आगे बढ़ाने में लगे हुए हैं । लेखिका संस्थान निरंतर उन्नति के सोपान तय कर रही है।

मुख्य वक्ता डॉ. कुसुम शर्मा ने लघुकथाओं का आधार सामान्य जीवन से से ही होता है बताते हुए पूरे कलम बोलती है किताब में संग्रहित 39 कहानियों की समीक्षा की। विशिष्ट अतिथि नीलिमा टिक्कू ने नव वर्ष पर सभी को शुभकामनाएं देकर बोली कि राजस्थान लेखिका साहित्य संस्थान सभी संस्थानों की जननी है।उन्होंने कहा कि इस बात की खुशी है कि साहित्य के क्षेत्र में बहुत सारी महिलाएं आगे आ रही हैं काम कर रही है और अपने काम से अपने अस्तित्व का बोध कराती हुई सामाजिक योगदान दे रही हैं और साहित्य सूचना के माध्यम से उनकी उपलब्धियां कहीं भी किसी भी सूरत में कम नहीं है।

विशिष्ट अनिता नायर जी ने सारी कहानियों के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि इस तरीके का समारोह हमेशा आयोजित होने चाहिए। इससे हमें भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है और मैं चाहूंगी कि कलम बोलती है का दूसरा भाग जल्दी से निकले और उसमें मेरी कहानी भी हो। विशिष्ट अतिथि डॉ.सावन सिंह यादव ने साहित्य की बारीकियों को पर्यावरण सौंदर्य, परिवार, समाज सभी से जोड़ते हुए कहा कि साहित्य का सृजन सब कुछ साथ लेकर चलता है और सब में समाहित होता है। बहुत सुंदर ढंग से साहित्य की व्याख्या करते हुए उन्होंने इस पुस्तक की कलम बोलती है की भूरी भूरी प्रशंसा की।

मीडिया प्रभारी मैं सह सचिव रेनू शब्द मुखर ने बताया कि इसी कार्यक्रम में 39लेखिकाओं को उनकी लेखकीय प्रति मंचासीन अतिथियों द्वारा भेंट की गई। मंच संचालन डॉ. आरती सिंह भदोरिया सरस्वती वंदना सलोनी क्षितिज रस्तोगी द्वारा गायी गई। आभार प्रदर्शन उपाध्यक्ष डॉ रेखा गुप्ता के द्वारा किया गया।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोहनपुरा में निशुल्क साईकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित

कोटपूतली @ जागरूक जनता। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम मोहनपुरा में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में निशुल्क साईकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन सरपंच गिलको देवी यादव की अध्यक्षता में किया गया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जगमाल सिंह यादव समाजसेवी एवं सरपंच प्रतिनिधि ने बेटी बचाओ बेटी-पढ़ाओ नारे की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए एवं महिला शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि एक लड़की शिक्षित होकर दो परिवारों के विकास में सहयोग करने के साथ ही देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।यादव ने कहा कि प्रत्येक माता पिता को चाहिए कि वे बेटा-बेटी में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं रखें। वहीं शारिरिक शिक्षक सुरेश ने बच्चों को अनुशासन में रहकर शिक्षा ग्रहण करने पर बल दिया।वरिष्ठ अध्यापक सुभाष चंद यादव ने मंच संचालन किया। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस अवसर पर प्रधानाचार्य अशोक कुमार आर्य, व्याख्याता धर्मपाल यादव, जितेंद्र यादव,कपिल यादव,शिवकुमार मीणा सहित विद्यालय विद्यार्थी मौजूद रहे।

ANCHOR | ओमिक्रॉन

अब वन विभाग बताएगा औषधीय पौधों का महत्व

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चूरू। कोरोना की तीसरी लहर धीरे - धीरे अपने पूरे सवाब पर आ रही है। नए वेरिएंट ओमिक्रॉन से संक्रमितों के बढ रहे आंकड़े डरा रहे हैं, महामारी अब अनियंत्रित हो रही है, प्रदेश में तेजी से पांव पसार रहे कोरोना की अगर बात करें तो हर 100 लोगों की जांच में अब 10 नए संक्रमित मिल रहे हैं। राहत की बात ये है कि ओमिक्रोन की रफ्तार पर जिले में ब्रेक लगा हुआ है। वन विभाग कोरोना के संक्रमण से लोगों को बचाने के लिए प्रचार अभियान चलाएगा। विभाग के मुताबिक इस बार राष्ट्रीय युवा दिवस पर 12 जनवरी से स्कूल व कॉलेज में औषधीय पौधों का महत्व बताने का अभियान शुरू करेगा। जिसमें आयुर्वेद से जुड़े लोगों को शामिल किया जाएगा। वहीं विभाग की पौधशालाओं में घर- घर औषधि योजना के तहत हजारों पौधे बांटने की तैयारी है। एसीएफ राकेश दुलार ने बताया कि विभाग के पास पौधशालाओं में हजारों औषधीय पौधे तैयार हैं। तेजी से फैल रहे कोराना संक्रमण को देखते हुए इस माह से बड़े स्तर

पर पौधे तैयार किए जा रहे हैं। ताकि ये औषधीय पौधे लोगों के काम आ सके।

घर-घर औषधि योजना में बांटे 13 लाख पौधे

ताल छापर के एसीएफ दिलीपसिंह ने बताया कि कोरोना की दूसरी लहर के चलते प्रदेश सरकार ने बजट घोषणा 2021-22 के तहत वन विभाग को जिले में गत वर्ष 173950 परिवारों को 1391600 पौधे वितरण करने के लक्ष्य का आंवटन किया था। जिसमें प्रत्येक परिवार को तुलसी, गिलोय, कालमेघ व अश्वगंधा के 8 पौधे औषधीय वितरित किए जाने थे। योजना में विभाग की ओर से दिसम्बर 2021 में 172243 परिवारों को 1377944 पौधे निशुल्क बांटे, जो कि दिए गए लक्ष्य की 99 प्रतिशत उपलब्धि रही।

जानिए चार औषधीय पौधों का महत्व

» **कालमेघ** - औषधीय गुणों से भरपूर होता है। यह सामान्य बुखार व रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने से लेकर पेट की गैस, कीड़े, कब्ज, लिवर की समस्याओं इत्यादि के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा इसमें एंटीबैक्टीरियल, एंटीऑक्सीडेंट के अलावा जलन-सूजन कम करने, बुखार कम करने व लिवर को सुरक्षा देने संबंधी गुण होते हैं।

» **गिलोय** के पत्ते स्वाद में कसैले, कड़वे और तीखे होते हैं। गिलोय का उपयोग कर वात-पित्त और कफ को ठीक किया जा सकता है। यह पचने में आसान होती है, भूख बढ़ाती है, साथ ही आंखों के लिए भी लाभकारी होती है। इसके इस्तेमाल से प्यास, जलन, डायबिटीज, कुष्ठ और पीलिया जैसे रोगों में भी फायदा होता है। महिलाओं की शारीरिक कमजोरी की स्थिति में यह बहुत अधिक लाभ पहुंचाती है।

» **अश्वगंधा** का प्रयोग मोटापा घटाने, बल और वीर्य विकार को ठीक करने के लिए किया जाता है। इसके अलावा अश्वगंधा के कई और फ यदे और भी हैं।

» **तुलसी** एक औषधीय पौधा है, जिसमें विटामिन और खनिज प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। सभी रोगों को दूर करने और शारीरिक शक्ति बढ़ाने वाले गुणों से भरपूर इस औषधीय पौधे को प्रत्यक्ष देवी कहा गया है,क्योंकि इससे ज्यादा उपयोगी औषधि मनुष्य जाति के लिए दूसरी कोई नहीं है।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर इस बार औषधीय पौधों का महत्व बताने को लेकर अभियान की शुरूआत लोहिया महाविद्यालय से की जाएगी। स्कूलों व कॉलेजों में पढने वाले छात्र-छात्राओं को आयुर्वेद के प्रति जागरुक किया जाएगा। इसकी एक वजह ये भी है कि कोरोना का नया वेरिएंट इस बार यूथ पर अटैक कर रहा है।

- सविता दहिया, डीएफओ, चूरू

चित्तौड़गढ़ में रिकॉर्ड तोड़ एक ही दिन में 158 पॉजिटिव

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। शहर में मंगलवार को कोरोना महामारी की तीसरी लहर में एक ही दिन सबसे अधिक 158 व्यक्तियों की रिपोर्ट कोरोना संक्रमित पायी गयी हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को ज़िले में 158 रोगियों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है। जिससे प्रशासन की मुसीबतें लगातार बढ़ती ही जा रही हैं। मंगलवार को डूंगला में 10, बड़ीसादड़ी में 8, चित्तौड़गढ़ ग्रामीण क्षेत्र में 13, राशमी में 6, भोपालसागर में 2, गंगरार में 16, कपासन में 5, बेंगु में 7, निम्बाहेड़ा में 23, चित्तौड़गढ़ शहर में 26 रावतभाटा में सबसे अधिक 42 व्यक्तियों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गयी हैं।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर रक्तदान शिविर होगा आयोजित

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर की तैयारी पूरी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर हैप्पी सेवा संस्थान के तत्वावधान में स्वर्गीय कमला देवी स्व. श्री जवाहर लाल जी स्व. श्री सुरेश कुमार सेवग की पुण्य स्मृति में 12 जनवरी 2022 को 25 वे विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन न्यु बस स्टैंड परिसर पीपाड़ शहर में आयोजित किया जायेगा। जिसमे अध्यक्ष दिनेश सिंह कच्छावाह ने बताया ने बताया की शिविर को लेकर तैयारीयों को अंतिम रूप दे दिया है इस शिविर को आयोजित कराने के लिए जोधपुर से ब्लड बैंक की टीमे आएगी। गौरतलब है कि पिछले कई वर्षो से हमारे हैप्पी सेवा संस्थान द्वारा इस तरह के रक्तदान शिविर आयोजित किये गये है जिसमें सर्वाधिक लोगों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाती है। शिविर को लेकर आमजन से अपील करते हुए बताया कि रक्त उत्पादन की कोई तकनीक नहीं हैं। आप का किया गया रक्तदान कई लोगों की जिंदगी बचाने में मदद करता है। इससे बढ़ कर सेवा का कोई दूसरा बड़ा कार्य नहीं है। और कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। रक्तदान महादान होता है इसलिए रक्तदान के लिए लोग आगे आए और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। खासकर युवाओं को रक्तदान शिविर में भाग लेना चाहिए। सभी रक्त दाताओं को संस्था द्वारा प्रशस्ति पत्र और पारितोषिक देकर सम्मान किया जाएगा इसमें महिला का रक्तदाताओ का भी विशेष सम्मान किया जाएगा। इस शिविर में कई सामाजिक कार्यकर्ता समाजसेवी भामाशाह उपस्थित रहेंगे। सभी टीम सदस्यों को शिविर के सफल आयोजन हेतु अलग-अलग जिम्मेवारी दी गयी है।

पंजाब में पीएम मोदी की सुरक्षा में हुई चूक का मामला

बीजेपी SC मोर्चे ने सौंपा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। पंजाब में पीएम नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में हुई चूक मामले में सियासत थमने का नाम नहीं ले रही है। बीजेपी पंजाब सरकार और कांग्रेस पर हमलावर है। देश भर में बीजेपी की और से कांग्रेस का विरोध किया जा रहा है। वहीं जोधपुर में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मेघवाल व जिला प्रभारी गणपत मेघवाल के निर्देशानुसार अनुसूचित जाति मोर्चा जिला जोधपुर देहात दक्षिण जिलाध्यक्ष रामलाल मेघवाल के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब सुरक्षा में हुई चूक के संबंध में जोधपुर उमेद क्लब में मौन प्रदर्शन कर, महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर पंजाब सरकार का विरोध जताया। ज्ञापन में उन्होंने बताया कि पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक कर पंजाब सरकार ने प्रधानमंत्री पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। दिल्ली में बैठे अपने आकाओं को खुश करने के लिए साजिश के तहत पंजाब सरकार ने इस प्रकार का कृत्य किया है। इस मौके पर अनुसूचित जाति जिला महामंत्री मानाराम गर्ग, अनुसूचित जाति जिला उपाध्यक्ष कोजाराम सवा, राजन बालियान, अनुसूचित जाति मोर्चा झवर मंडल अध्यक्ष पप्पू राम ऐप्पा, मथानिया मंडल अध्यक्ष बाबूलाल बालरवा, पीपाड़ शहर मंडल अध्यक्ष अरविन्द सोनेल सहित वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बीकानेर में गोचर भूमि पर हुए अतिक्रमण का विरोध सौंपा मांग पत्र

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

श्रीविजयनगर। कस्बे के देवी सिंह भाटी ब्रिगेड संघर्ष समिति से जुड़े लोगों ने राजस्थान सरकार की 15 दिसम्बर 2021 को आयोजित हुई मंत्रिमंडल की बैठक में गौचर,चारागाह,ओरण भूमि में आवासीय अतिक्रमण का नियमन कर पट्टे जारी करने के निर्णय के विरोध में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम उपखंड अधिकारी प्रियंका बिश्नोई को एक मांग पत्र सौंपा इस निर्णय को गलत बताया। मांग पत्र सौपने वाले नेताओं ने इस निर्णय को गलत बताते हुए तुरंत वापसी लेने की मांग की व जल्द ही निर्णय वापसी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपने के दौरान यशपाल गोगिया, देवेंद्र सिंह राजन, जयलाल मिठिया,जितेंद्र झंवर, भजन गंभीर,राजेंद्र खत्री,नवीन शर्मा सहित नागरिक उपस्थित रहे।

ओमिक्रॉन से सभी संक्रमित होंगे, बूस्टर इसे नहीं रोक सकता

नई वैक्सीन संक्रमण से बेहतर सुरक्षा देगी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। ओमिक्रॉन और बूस्टर डोज को लेकर वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन और इंडियन एक्सपर्ट ने चेतावनी दी है। WHO ने कहा है कि कोविड की वैक्सीन को बार-बार बूस्टर डोज के तौर पर देना नए वैरिएंट के खिलाफ कारगर रणनीति नहीं है। इसकी जगह नई वैक्सीन दी जानी चाहिए, जो संक्रमण से बेहतर सुरक्षा दे सके। ICMR के नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एपिडेमोलॉजी की साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटी के चेयरपर्सन डॉ. जयप्रकाश मुलियिल ने कहा कि ओमिक्रॉन वैरिएंट को बूस्टर डोज से रोका नहीं जा सकता है और इससे सभी संक्रमित होंगे।

80% से ज्यादा को पता नहीं, संक्रमण का

डॉ. मुलियिल ने एनडीटीवी से बातचीत में कहा कि कोविड अब ज्यादा डरावना नहीं है। इसका नया वैरिएंट हल्का है और इसमें हॉस्पिटलाइजेशन का रेट भी काफी कम है। ओमिक्रॉन से निपटा जा सकता है। उन्होंने कहा कि हममें से ज्यादातर लोगों को यह भी नहीं पता कि वे संक्रमित हो चुके हैं। संभवत: 80% से ज्यादा लोगों को यह नहीं पता चला होगा कि उन्हें कब संक्रमण हुआ।

बूस्टर की सलाह नहीं दी गई

उन्होंने कहा, "किसी मेडिकल संस्थान ने बूस्टर डोज की सलाह नहीं दी। यह बूस्टर डोज महामारी की स्वाभाविक प्रक्रिया को नहीं रोक सकती है। किसी भी गवर्नमेंट बॉडी ने बूस्टर की सलाह नहीं दी है। जहां तक मेरी जानकारी है, प्रिकॉशनरी डोज की सलाह दी गई है। इसकी वजह वह रिपोर्ट हैं, जिनमें कहा जा रहा था कि 60 साल के ऊपर के लोगों में 2 डोज के बाद भी संक्रमण से लड़ने की क्षमता नहीं विकसित हो रही है।

संक्रमण दो दिन में दोगुना हो रहा

कोरोना टेस्टिंग पर उन्होंने कहा, "इसी तरह से किसी कोरोना पेशेंट के संपर्क में आए बिना लक्षणों वाले व्यक्ति की टेस्टिंग भी ठीक नहीं है। संक्रमण दो दिन में दोगुना हो जा रहा है यानी जब तक टेस्ट में इसकी मौजूदगी का पता चलता है, तब तक संक्रमित व्यक्ति काफी लोगों में संक्रमण फैला चुका होता है। जब आप टेस्ट करते हैं, तो भी आप काफी पीछे रह जाते हैं। यह ऐसी चीज नहीं है, जिसका महामारी के आकलन पर कोई असर पड़े।

हम लंबे वक्त तक घरों में बंद नहीं रह सकते

लॉकडाउन के मसले पर डॉ. मुलियिल ने कहा, "हम बहुत लंबे वक्त तक अपने घरों में बंद नहीं रह सकते। हम लगातार यह बात कह रहे हैं कि ओमिक्रॉन वैरिएंट डेल्टा के मुकाबले काफी हल्का है। 85% भारतीय तो कोरोना से तभी संक्रमित हो चुके थे, जब भारत में वैक्सीन लाई गई थी। तो भारत में वैक्सीन की पहली डोज दरअसल पहली बूस्टर डोज थी, क्योंकि भारतीयों में इन्फेक्शन की वजह से स्वाभाविक तौर पर इम्युनिटी पैदा हो चुकी थी।'

WHO की चेतावनी

कोरोना वैक्सीन कम्पोजीशन पर WHO के टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ने कहा कि मौजूदा कोरोना वैक्सीन उन लोगों पर कम प्रभावी दिखाई दे रही हैं, जो कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट से संक्रमित हैं। संक्रमण और उसे फैलने से रोकने में प्रभावी कोरोना वैक्सीन को डेवलप किया जाना चाहिए, ताकि संक्रमण गंभीर न हो और मौतों को रोका जा सके। जब तक ऐसी वैक्सीन उपलब्ध नहीं होती हैं, तब तक मौजूदा कोविड वैक्सीन को अपडेट किया जाना चाहिए।

भारत में संक्रमण बढ़ेगा

हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि ओमिक्रॉन वैरिएंट बेहद संक्रामक है और भारत में आने वाले दिनों में तेजी से केस बढ़ेंगे। अगर वैक्सीनेशन पूरा होता है और कोविड गाइडलाइन्स का पालन किया जाता है तो महामारी का असर रोका जा सकता है। मंगलवार को लगातार तीसरे दिन भारत में 1.5 लाख केसे सामने आए। 24 घंटे में 1 लाख 63 हजार से ज्यादा केस आए। NTAGI के चेयरमैन डॉक्टर एनके अरोरा ने न्यूज एजेंसी से कहा- पीक इस बात पर निर्भर करती है कि वायरस का ट्रांसमिशन कैसे होता है। इससे निपटने के लिए गाइडलाइन्स का पालन करना होगा। इसके साथ ही वैक्सीनेशन कराना होगा। नाइट कर्फ्यू और वीकेंड कर्फ्यू जैसे एडमिनिस्ट्रेटिव स्टेप्स लेने होंगे।

जयपुर इन्वेस्टमेंट समिट

रावत की मौजूदगी में 23 हजार 528 करोड़ का निवेश

1 लाख 13 हजार रोजगार पैदा होंगे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। इन्वेस्ट राजस्थान 2022 समिट से पहले जयपुर में उद्योग मंत्री शकुंतला रावत की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट लेवल इन्वेस्टमेंट समिट हुई। जिसमें 23 हजार 528 करोड़ से ज्यादा के 152 एमओयू और एलओआई (लैटर ऑफ इंटेंट) हुए। इनके धरातल पर उतरने पर प्रदेश में 1 लाख 13 हजार से ज्यादा रोजगार पैदा होंगे। उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने जयपुर शहर की नई व्याख्या करते हुए कहा कि 'ज से जय', 'य से यज्ञ', 'पु से पुण्य' और 'र से रमणीय' है गुलाबी नगरी जयपुर। उन्होंने कहा उद्योग विभाग और बैंकों के जरिए सरल इंट्रेस्ट रेट पर कर्जा मुहैया करवाया जा रहा है। एमएसएमई ने छोटी यूनिट्स को वरदान दिया है। साथ ही ट्रैडिशनल इंडस्ट्री को बढ़ाने का काम किया है। उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने बताया कि मुख्यमंत्री की प्रेरणा से इस बार इन्वेस्ट राजस्थान समिट नए तरीके से कराई जा रही है। पहली बार सरकार सम्मेलन से पहले सभी जिलों में भी निवेश सम्मेलन करवा रही है। ताकि ज्यादा से ज्यादा निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारा जा सके। रावत ने बताया 5 करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश के लिए एमओयू से लेकर जमीन खरीदने तक की प्रक्रिया जिला समिट में ही तय की जा रही है। निवेश पक्का होने पर उद्घाटन-शिलान्यास के लेवल पर ही इससे मुख्य समिट तक लाया जाएगा।

रियल एस्टेट, टूरिज्म, इलेक्ट्रिक व्हीकल, स्किल यूनिवर्सिटी के एमओयू

इस मौके पर 8000 करोड़ रुपए का रियल एस्टेट सेक्टर और 1000 करोड़ रुपए का पर्यटन सेक्टर में नए निवेश एमओयू हुआ। इलेक्ट्रिक व्हीकल फैक्ट्री और स्किल यूनिवर्सिटी के लिए भी एमओयू साइन हुए। सोलर पैनल, इंफ्रास्ट्रक्चर, फूड प्रोसेसिंग, फर्नीचर, ऑटोमोबाइल, जेम्स एंड ज्वेलरी, प्लाईवुड, होटल और हॉस्पिटल, टेक्सटाइल और गारमेंट से जुड़ी इंडस्ट्री लगाने के लिए एमओयू और एलओआई साइन किए गए।

जयपुर में जमीन ही निवेशकों को रिटर्न दे देती है

विधायक अमीन कागजी ने अपने सम्बोधन में कहा कि जयपुर में जमीन ही निवेशकों को रिटर्न दे देती है। उन्होंने अपने खुदके खरीदे इंडस्ट्रियल प्लॉक का उदाहरण देते हुए बताया कि वह प्लॉट अब 50 हजार रुपए वर्गमीटर के पार हो चुका है। ऐसे में निवेशकों के लिए आम के आम गुठलियों के दाम हैं। वहीं समिट में विधायक रफीक खान ने कहा कि मैं जनप्रतिनिधि और निवेशक दोनों हूँ। उन्होंने फोर्टी के लिए एमओयू किया।मंत्री शकुंतला रावत, रीको के इंडिपेंडेंट डायरेक्टर सीताराम अग्रवाल, विधायक अमीन कागजी, विधायक रफीक खान, एसीएस पीएचईडी सुधांश पंत, जयपुर

एनएसयूआई राजस्थान सोशल मीडिया टीम को मिला पूरे देश मे प्रथम स्थान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। एनएसयूआई का राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज कुंदन के सानिध्य में राष्ट्रीय सोशल मीडिया प्रभारी आयुष शर्मा, राष्ट्रीय सोशल मीडिया प्रभारी बिसारिया, राष्ट्रीय सोशल मीडिया चेयरमैन आदित्य भगत के नेतृत्व में नेशनल ट्रेनिंग वेबिनार हुआ जिसमें कांग्रेस के वरिष्ट एनालिस्ट ड्रोन यादव ने सोशल मीडिया के साथियों को कांग्रेस के इतिहास के बारे में बताया तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज कुंदन ने एनएसयूआई की विचारधारा तथा कार्यशैली से सभी साथियों को अवगत कराया।

राष्ट्रीय प्रभारी सोशल मीडिया आयुष शर्मा, हर्ष बिसारिया, राष्ट्रीय सोशल मीडिया चेयरमैन आदित्य भगत ने सोशल मीडिया को लेकर अपने विचार रखे। नेशनल एनालिस्ट पैनल ने देश मे एनएसयूआई शोषल मीडिया में सबसे अधिक सक्रिय राज्यो की घोषणा की जिसमे एनएसयूआई राजस्थान सोशल मीडिया टीम को प्रथम स्थान मिला, राष्ट्रीय सोशल मीडिया प्रभारी आयुष शर्मा ने बताया कि उनके गृहराज्य राजस्थान की सोशल मीडिया टीम पूरे देश के बाकी राज्यो से सबसे अधिक सक्रिय रूप से कार्य करती है, बीते कई एनएसयूआई के ट्विटर ट्रेंडस में से 35त्न भागीदारी एनएसयूआई राजस्थान सोशल मीडिया टीम की रहती है जो बाकी सभी राज्यो से कई गुणा अधिक है,पिछले साल राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज कुंदन के आह्वान पर एनएसयूआई राजस्थान प्रभारी गुरजोत सन्धु, एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक चौधरी, राष्ट्रीय सोशल प्रभारी आयुष शर्मा,हर्ष बिसारिया, राष्ट्रीय सोशल मीडिया चेयरमैन आदित्य भगत ने राजस्थान की सोशल मीडिया टीम को नियुक्ति दी जिसमे उदयपुर से शक्ति सिंह झाला को प्रदेश चेयरमैन व सुरेंद्र मीना, जितेंद्र सेन को वाइस चेयरमैन, तथा चेतन, मोहित, अभिषेक गुढा,रवि, सूरज, जीशान, योगेश, विशाल आदि को प्रदेश सयोंजक के पद पर नीयुक्त किया तब से टीम लगातार सक्रिय कार्य कर रही है। ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि प्रदेश के हैंडल पर दोगुना रिच बढ़ी है। जिसके लिए शीर्ष नेतृत्व ने प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी नयन जैन,प्रदेश सोशल मीडिया चेयरमैन शक्ति सिंह झाला की प्रसंसा की तथा प्रदेश की सोशल मीडिया टीम की तारीफ की।

जागरूक खबरें

जरूरतमंदों की सेवा ही जीवन का उद्देश्य -ओमप्रकाश घूमणा

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश में बढ़ती कढ़ाके की सर्दी को देखते हुऐ जस्टिस फॉर छाबड़ा संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्षा पूनम अंकुर छाबड़ा के निर्देश पर संगठन द्वारा प्रदेश भर में लोगों को ठंड से बचाने की मुहिम शुरू की गई है जिसके चलते भरतपुर संभाग अध्यक्ष व समाजसेवी ओमप्रकाश घूमणा ने सिकराय क्षेत्र में गाड़ियों लुहारों, असहाय, जरूरतमंदो तथा रात को फसलों की रखवाली करने वाले सैकड़ो लोगों को कोट, मफलर, टोपे तथा अन्य ऊनी कपड़े वितरित किऐ। इस अवसर पर घूमना ने बताया कि सर्वसमाज सेवा के साथ जरूरतमंद लोगों एवं बेजुवान जानवरों की सेवा करना ही मेरे जीवन का एकमात्र लक्ष्य है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा आनंदमई और फलदायक होती है।

भगवा रक्ष दल ने किया कार्यकारिणी विस्तार

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल मे युवा मोर्चा कार्यकारिणी का गठन किया है। कार्यकारिणी में हेमंत कुमार शर्मा भरतपुर से युवा मोर्चा प्रदेश सचिव एवं भरतपुर जिला प्रभारी, सागर जोशी अलवर से युवा मोर्चा प्रदेश महासचिव, ओमप्रकाश जालौर से युवा मोर्चा जालौर जिला महासचिव, महेन्द्र शर्मा जयपुर से युवा मोर्चा जयपुर ग्रामीण अध्यक्ष, युवा अलवर से युवा मोर्चा सचिव, राघवेन्द्र सिंह राजावत सवाईमाधोपुर से, सवाईमाधोपुर जिला अध्यक्ष, भूपेन्द्र सिंह भीलवाड़ा से युवा मोर्चा जिला युवा मोर्चा भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष, बलवंत राम जालौर जालौर जिला युवा मोर्चा जिला सचिव और प्रीति अनिल दुबे ठाणे महाराष्ट्र से युवा मोर्चा महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। गौरतलब है कि भगवा रक्षा दल देश में भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर चुनाव की तैयारी करेगी।

फसलों के लाभकारी मूल्य के लिए भारतीय किसान संघ का प्रदर्शन

श्रीविजयनगर @ जागरूक जनता। भारतीय किसान संघ द्वारा तहसील व उपतहसील केंद्रों पर लाभकारी मूल्य के खरीद कि गारंटी कि मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया। तहसील अध्यक्ष शेर सिंह व तहसील मंत्री हरलाल भांभू के नेतृत्व में उपखण्ड कार्यालय पर प्रदर्शन कर उपखण्ड अधिकारी प्रियंका बिश्नोई के मार्फत महामहिम राष्ट्रपति महोदय के नाम मांगपत्र दिया गया। भारतीय किसान संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी एवं 36 प्रांतों के अध्यक्ष, महामंत्रियों तथा संगठन मंत्रियों ने गहन मंथन के बाद तीन कृषि सुधार अध्यादेशों में 5 संशोधन करने के पश्चात उन्हे लागू करने की मांग की और निवेदन किया था कि कानूनों में लाभकारी मूल्य का कोई जिक्र नहीं है, इसलिये चाहे चौथा कानून लाया जावें , किन्तु लाभकारी मूल्य को कानूनी स्वरूप प्रदान किया जावे। ज्ञापन के माध्यम से देशभर का किसान निवेदन करता है कि भारत की वर्तमान सरकार हमारी इस वाजिब मांग को स्वीकार करे और जिस प्रकार देश की अर्थव्यवस्था ही नहीं सभी क्षेत्रों में गति प्रदान की है , सभी वर्गों को लाभ पहुंचाया है , हम तो केवल अपना हक मांग रहे है। प्रदर्शन के दौरान रघुवीर चौधरी जिला प्रवक्ता, सत्यनारायण गोदारा संभाग उपाध्यक्ष, शेर सिंह तहसील अध्यक्ष, हरलाल भांभू तहसील मंत्री, संतलाल स्वामी तहसील उपाध्यक्ष,राजेन्द्र पुनीया तहसील उपाध्यक्ष, बोहड सिंह तहसील उपाध्यक्ष,कृष्ण जाखड़ तहसील कार्यकारिणी सदस्य, लिछमणराम जाखड़, जगनंदन सिंह, सुखवंत सिंह,तेजाराम पचार, गुरदीप सिंह,रामचन्द्र यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केरल में छात्र नेता की हत्या पर आक्रोश एसएफआई ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

श्रीविजयनगर। छात्र संगठन एसएफआई के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर तहसील अध्यक्ष जसप्रीत सिंह की अध्यक्षता में केरल छात्रसंघ चुनाव के दौरान एनएसयूआई के नेताओं द्वारा कथित तौर पर एसएफआई कार्यकर्ता धीरज की निर्मम हत्या के विरोध करते हुए न्यायिक जांच व कड़ी सजा की मांग को लेकर उपखंड कार्यालय पर प्रदर्शन करके केरल के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान जिला सचिव कवल सिंह, करण शाक्य कृष्ण कुमावत,पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष इंद्राज, अंकित चौधरी, लव प्रीत संधू, जसकरण ग्रेवाल,सचिन तलानिया, सुखवीर,मनोज, धर्म सिंह, प्रीतपाल, अरुण मोयल,सुशील कांटीवाल आदि साथी उपस्थित रहे।

आईजीएनपी में सिंचाई पानी के लिए भाजपा युवा मोर्चा का प्रदर्शन

श्रीविजयनगर @ जागरूक जनता। भारतीय जनता पार्टी युवामोर्चा द्वारा जिलाध्यक्ष ईश्वजीत सिंह के नेतृत्व में आई. जी. एन. पी. की नहरों में रबी फसलों के पकाव के लिए दो बारी सिंचाई पानी और देने की मांग को लेकर उपखंड अधिकारी प्रियंका बिश्नोई के मार्फत मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम ज्ञापन सौंपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं की ओर से उपखंड कार्यालय में राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। वक्ताओं ने सिंचाई विभाग द्वारा 12 जनवरी 2022 से विभाग द्वारा पेयजल हेतु पानी छोड़ने का निर्णय लिया गया है।जिससे क्षेत्र के किसानों में सरकार को लेकर काफी रोष व्याप्त हुआ है।दानेवालिया के अनुसार यदि किसानों को दो पानी और सिंचाई पानी की बारी नहीं दी जाती तो किसानों की रबी की फसल बर्बाद हो जाएंगी व किसान बर्बाद हो जाएंगे। युवा मोर्चा की ओर से सिंचाई पानी देने की मांग को लेकर मांग पत्र सौंपा गया इस मौके पर भाजयुमो जिला सहकोषाध्यक्ष केशव लखोटिया, विपुल लेघा, नरेंद्र धूड़िया, रणदीप कुमार,राजेंद्र मेघवाल, जगदीश नायक सहित युवामोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ANCHOR **प्रारूप पर चर्चा**

सौर ऊर्जा के साथ ऑक्सीजन, अमोनिया का भी उत्पादन करेगा प्रदेश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य में अब ग्रीन हाइड्रोजन ऊर्जा को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए नीति का प्रारूप तैयार किया जा रहा है। इस तकनीक से बिजली उत्पादन (फ्यूल सेल) के साथ ही ऑक्सीजन, अमोनिया, प्राकृतिक गैस, केमिकल, पेट्रोकेमिकल सहित अनेक बायोप्रोडक्टस भी उपलब्ध हो सकेंगे। साथ ही सोलर ऊर्जा को स्टोरेज कर बाद में उपयोग करने की तकनीक का भी लाभ मिलेगा। इसके लिए पश्चिमी राजस्थान व हाडौती में संभावना तलाशी जा रही है। अक्षय ऊर्जा निगम में डिस्काम्स, उद्योग, अक्षय ऊर्जा सहित संबंधित विभागों की बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल यह जानकारी दी।

यह है कंसेप्ट

ग्रीन हाइड्रो प्लांट के जरिए पानी से इलेक्ट्रोलाइसिस करके हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को अलग किया जाता है। हाइड्रोजन से अमोनिया आधारित यूरिया बनाया जा सकेगा, जो खेती के लिए लाभकारी होगा। राजस्थान में इसकी संभावनाओं को देखते हुए ग्रीन हाइड्रोजन नीति में इस तरह के प्लांट्स को बढ़ावा देने के प्रावधान किए जाएंगे।

यहां है संभावना

पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर के अलावा कोटा, बारां, बांसवाड़ा में इस तरह के प्लांट भविष्य में लगाए जा सकते हैं।

यह बताया फायदा

- **निवेशकों को बुलाना-** प्रस्तावित नीति में इज ऑफ रेगुलेशन यानि उद्योग स्थापना को आसानी से स्थापित करने के प्रावधान किए जाएंगे, ताकि देश-दुनिया के निवेशक ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी के क्षेत्र में राजस्थान में निवेश के लिए आ सकें।
- **कार्बन फुट प्रिंट में कमी लाना-** नीति से कार्बन फुट प्रिंट में भी कमी लाने में सहायता मिलेगी। प्रदेश में इस तरह के प्लांट लगने से उद्योगों और अस्पतालों के लिए ऑक्सीजन भी आसानी से उपलब्ध होगी।

कोर कमेटी गठित

ऊर्जा विभाग में संयुक्त सचिव आलोक रंजन की अध्यक्षता में एक कोर ग्रुप गठित किया गया। इसमें जयपुर डिस्कॉम के निदेशक (तकनीकी) के.पी. वर्मा, सीसीएओ ए.के जोशी, अक्षय ऊर्जा के निदेशक (ऑपरेशन) नरेन्द्र सुवालका, पवन तंवर, उद्योग विभाग के पी.आर. शर्मा, अक्षय ऊर्जा निगम के महाप्रबंधक सुनित माथुर शामिल हैं। यह ग्रुप निजी क्षेत्र की ग्रीनको, एक्नो, रिन्यू एनर्जी के प्रतिनिधियों से भी विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में चर्चा करेगा। कोर ग्रुप ओपन एक्सेस, एनर्जी बैंकिंग और कान्ट्रेक्ट के संबंध में भी व्यावहारिक प्रस्ताव देगा। केन्द्र सरकार भी इस संबंध में नीति जारी कर रही है।